



REGISTERED NO. D-222

1974

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 38]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 21, 1974 (भाद्र 30, 1896)

No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 21, 1974 (BHADRA 30, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महान्योगीपरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसाधन और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

मंत्रि भड़ल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1974

स० पी० एफ०/बी०-127/74-प्र०-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एनद्वारा, श्री विस्वजीत शाह, उपनिरीक्षक को दिनांक 8 जुलाई, 1974 के अपराह्न से अपने आदेश तक के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, कलकत्ता शाखा में अस्थाई रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रोत्तर करने हैं।

स० पी० एफ०/एन०-71/74-प्र०-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एनद्वारा, श्री एन० क० बोस, उपनिरीक्षक को दिनांक 8 जुलाई, 1974 के अपराह्न से अपने आदेश तक के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, कलकत्ता शाखा में, अस्थाई रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रोत्तर करते हैं।

(गुजरारी लाल अग्रवाल)
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
हासे पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1974

स० पी० एफ०/डी०-10/74-प्र०-5—राष्ट्रपति अपने प्रमाद से पश्चिम बंगाल सर्वग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी 1—246GI/74

श्री ई० सी० बाजपेयी को दिनांक 8 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से अपने आदेश तक के लिए, प्रतिनियुक्त पर केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक नियुक्त करने हैं।

श्री ए० क० बनर्जी (बन्दोपाध्याय), भारतीय पुलिस सेवा पश्चिम बंगाल को दिनांक 8-8-74 के पूर्वाह्न में अपने पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के पद के कार्यभार से भुक्त कर दिया गया। उनकी सेवाएँ गाजी मरकार को वापस मौजूदी रखी गईं।

गुजरारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

गृह संचालन

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 23 अगस्त 1974

स० ई० 38013(1)/2/74-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, श्री पी० पी० मिह, आई० पी० ए० (विहार 1956) को दिनांक 2-8-74 के अपराह्न से, श्री ए० सी० पाल, आई० पी० ए० (पश्चिमी बंगाल 1951), जो कि उसी दिनांक के अपराह्न से अपने राज्य में प्रत्यावर्तित हुए हैं, के स्थान पर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (पूर्वी झेत्र) के उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करने हैं। उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 26 अगस्त 1974

सं० ई० 38013(3)/6/74—प्रशा० 1—उप-महानिरीक्षक (पूर्वी क्षेत्र), केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, कलकत्ता, के कार्यालय को स्थानान्तरण होने पर, श्री बी० ए० देवाया ने दिनांक 6-8-74 के अपराह्न में नं० 9 बटालियन, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दीगाढ़ाट (पटना) के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ई० 38013(3)/6/74—प्र० 1—पटना में स्थानान्तरण होने पर, श्री बी० ए० देवाया, दिनांक 7 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सहायक कमांडेट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी), उत्तरी क्षेत्र, नियुक्त किए जाते हैं और उन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० ई० 38013(3)/9/74—प्रशा० 1—अपनी प्रार्थना पर, सीमा सुरक्षा दल से स्थानान्तरण होने पर, श्री आर० ए० उपाध्याय, सहायक कमांडेट 58 बटालियन सीमा सुरक्षा दल, दिनांक 20 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड, के सहायक कमांडेट पद पर नियुक्त किए जाते हैं। उन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ए० ए० बिष्ट
महानिरीक्षक

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1974

सं० 2/19/74—प्रशा०—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री ओम प्रकाश यादव, आई० ए० ए० को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 14-8-1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थापना रूप से विशेष अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० व्ही० दिघे, अवर मचिव
हृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

कार्यालय, मुख्यसेक्षा परीक्षक वक्षिण रेलवे

श्री बी० पश्चानाभन को, जो वक्षिण रेलवे के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय में अधीन रेलवे लेखा परीक्षा सेवा का एक स्थाई सदस्य है, 31-7-74 से अगला आदेश मिलने तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है। यह पदोन्नति अनन्ति है।

ए० पी० नारायण चेट्टी,
मुख्य लेखा परीक्षक

पूर्ति तथा निपटान महानिरेशालय

पूर्ति विभाग

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 23 अगस्त 1974

सं० ए०-17011(24)/71-प्र०-6—स्थायी भंडार परीक्षक तथा पूर्ति तथा निपटान महानिरेशालय के बम्बई निरीक्षण मंडल में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री जी० ए० मुख्यी दिनांक 30-6-74 के अपराह्न में निवर्तन आयु होने पर भरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

(प्रशासन शाखा-1)

सं० प्र०-1/1(657)—पूर्ति निरेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थाई अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निरेशक पूर्ति श्री ए० आर० दीवानजी दिनांक 31 जुलाई, 1974 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र० 1/1(536)—पूर्ति तथा निपटान निरेशक, मद्रास के कार्यालय में स्थाई अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निरेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री आर० ए० बंजामिन दिनांक 31-7-74 के अपराह्न से निवर्तन आयु (58) वर्ष होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 28 अगस्त 1974

सं० ए० 17011(72)/74-प्र०-6—पूर्ति तथा निपटान महानिरेशक पूर्ति तथा निपटान निरेशक, मद्रास के कार्यालय में भण्डार परीक्षक श्री जी० गणेशन को दिनांक 5-8-74 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निरेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 17011(72)/74-प्र०-6—पूर्ति तथा निपटान महानिरेशक पूर्ति तथा निपटान निरेशक, मद्रास के कार्यालय में भण्डार परीक्षक श्री जी० गणेशन को दिनांक 5-8-74 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निरेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० क० जोशी,
उप-निरेशक (प्रशा०)

हृते महानिरेशक, पूर्ति तथा निपटान

आकाशशाली महानिरेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1974

सं० 11(10)/70-ए०-ए०—महानिरेशक, आकाशशाली एतद्वारा श्री सी० रामानुजाचार्युलू को 1 अगस्त, 1974 से अप्रेतर आदेशों तक श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशशाली भोपाल के पद पर अस्थाई क्षमता में नियुक्त करते हैं।

सं० 5(27)/67-ए०-ए०—महानिरेशक, आकाशशाली एतद्वारा श्री ए० जी० दास प्रशासन निष्पादक, आकाशशाली, तेजू को 31 जुलाई, 1974 से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर तदर्थे आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शाति लाल, प्रशासन उप निरेशक
हृते महानिरेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिरेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 9-10/74-ए०मिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिरेशालय के निरेशक, प्रशासन और सतर्कता ने एतद्वारा कुमारी लीलमा अब्राहम को 16 मई, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में क्लिनिकी अनुदेशक के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है।

सुरज प्रकाश जिन्दल,
उप निरेशक प्रशासन

हृषि मंत्रालय

(सहकारिता विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 24 अगस्त 1974

सं० फा० 4-6(15)-74-प्र०-I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जमन लाल को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन नई दिल्ली, में दिनांक 6 जुलाई, 1974, के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II), नियुक्त किया गया है।

सं० ४-४(12-74 प्रशा-I)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जी० गोपाल राव को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन मद्रास में दिनांक 29 जुलाई, 74 के पूर्वाह्न में अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर उप-वरिष्ठ विपणन अधिकारी वर्ग-द्वितीय नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव,
कृषि विपणन सलाहकार

**भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)**

बम्बई-400 085, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० पी० ए०/८१(44)/74-आर०-४—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री योगेंद्र कनायलाल ठाकुर, एक अस्थाई फोरमैन को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से 1 फरवरी, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 अगस्त 1974

सं० पी० ए०/७९(11)/72-आर०-४—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री लक्ष्मण बालाजी गावडे, यहां के एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक, और एक अस्थाई सहायक को 18 मई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये अस्थाई आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 अगस्त 1974

स० पी० ए०/७९(9)/74-आर०-४—इस अनुसंधान केन्द्र की 17 फरवरी, 1974 की अधिसूचना स० पी० ए०/७९(20)/73-आर०-४ के क्रम में नियंत्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री तीरथ जमनादास आसनानी, यहां के एक स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी और अस्थाई प्रशासनिक अधिकारी-1 को निम्नलिखित रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न प्रशासकीय अधिकारी-2 नियुक्त करते हैं :—

- (1) 1-4-74 (पूर्वाह्न) में 17-5-74 (अपराह्न) तक तदर्थ आधार पर।
- (2) 18-5-74 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक के लिये नियमित आधार पर।

पी० उष्मीकृष्णन,
उप स्थापना अधिकारी (म)

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 23 अगस्त 1974

सं० ए० 32013/5/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री औ० पी० ठींगरा, सहायक विभाग क्षेत्र अधिकारी को 14 अगस्त, 1974 अपराह्न से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर विभाग क्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। श्री ठींगरा को मुख्यालय में तैनात किया जाता है।

मुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1974

सं० ए० 32013/12/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों को बरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31 अक्टूबर, 1974 तक या पदों के नियमित रूप से भरं जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने का अनुमोदन किया है :—

1. श्री पी० ए० मोदगिल
2. श्री ए० नरेन्द्रनाथ
3. श्री ए० ए० छपणन्
4. श्री सी० आर० नरसिंहम्
5. श्री ओ० सी० अलेक्जेंडर
6. श्री सी० वी० बेंकटेशन
7. श्री ए० वी० आयर
8. श्री आर० सी० राय चौधुरी
9. श्री ए० रामाचन्द्रन,
10. श्री ए० के० चन्द्रा
11. श्री जी० वी० कोशी
12. श्री पी० आर० मूर्यनन्दन
13. श्री ए० के० नानू

मु० गुप्ता,
महायक निदेशक प्रशा०

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 28 अगस्त 1974

मं० ई० (1) 04246—वेदशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा वेदशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री ए० पी० लोगानाथन्, को 30 मई, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री ए० पी० लोगानाथन् वेदशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) पूना के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

नूतनदास,
मौसम विशेषज्ञ
हस्ते वेदशालाओं के महानिदेशक

31-3-1973 को दिल्ली विश्वविद्यालय का तुलन-पत्र

31-3-1972 रुपये	आस्तियां	31-3-1973 रुपये
2,86,27,215	1. भवन	3,13,23,883
44,99,840	2. फनीचंर और उपस्कर	60,60,611
58,75,286	3. विज्ञान उपकरण	59,81,034
96,10,721	4. पुस्तकें और पत्रपत्रिकाएँ	1,09,62,227
53,388	5. खेल-कूद सामांगी और विजयोपहार	53,388
	6. दान चंदे	
1,55,50,010	(क) फोर्डफाउडेशन के	1,87,72,060
	(ख) 1. 2 करोड़ डालर की भारतीय उच्च शिक्षा ऋण-योजना के अधीन आयातित विज्ञान-उपस्कर	7,62,031
30,26,446	(ग) अन्य अभिकरणों के	27,98,874
	7. उपचित्र प्राप्तियां	
2,09,480	(क) विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क	2,48,208
	(ख) दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र-1620/II	8,359
1,37,708	(ग) अनुज्ञित शुल्क लाभांश घृत्यादि	1,64,831
20,11,842	8. (क) अनुरक्षण अनुदान विनिधान खाता	10,00,000
18,968	(ख) उपचित्र ब्याज	11,938
1,69,43,949	9. (क) भविष्य निधि विनिधान खाता	1,94,40,850
2,58,694	(ख) उपचित्र ब्याज	3,19,289
9,38,000	10. मूल्यहास के लिए आरक्षित निधि का विनिधान खाता	8,88,000
—	11. प्रकाशन निधि विनिधान खाता	25,000
1,00,000	12. आरक्षित निधि विनिधान खाता	—
30,000	13. कुलपति की छात-निधि का विनिधान खाता	30,000
21,000	14. दिल्ली स्कूल आफ़ इकानामिक्स छात्र-कल्याण निधि विनिधान खाता	—
20,000	15. गुजरात के डा० गोकलचंद से संबंधित ऋण-छात्रवृत्ति निधि का विनिधान खाता	21,500
4,75,000	16. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि विनिधान खाता	5,15,000
6,77,100	17. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि विनिधान खाता	6,77,100
4,15,000	18. सर शंकर लाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि विनिधान खाता	4,95,000
96,000	19. पडित भनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि विनिधान खाता	1,03,000
8,10,290	20. अन्य धर्मस्व निधियों का विनिधान खाता	9,48,290
60,000	21. विज्ञान से संबंधित अवधान द्रव्य का विनिधान खाता	60,000
—	22. विविध खाता-पुस्तकालय जमा विनिधान खाता	30,000
—	23. उपचित्र प्राप्तियां—दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र 360/44	9,53,579
	24. अग्रिम राशियां	
14,000	(क) स्थायी अग्रिम राशि	16,750
6,56,227	(ख) अन्य अग्रिम राशियां	8,11,828
85,940	(ग) वाहन-ऋण	2,34,864

25. नकदी

37,33,566	(क) बैंक में नकदी	64,13,084
	(ख) फ़ोर्ड फ़ाउंडेशन अनुदान (26,562.98 डालर) में से फ़स्ट नेशनल सिटी	
4,00,643	बैंक, स्यूयार्क में नकदी	1,99,222

26. विविध बेनवार

7,69,314	(क) विश्वविद्यालय प्रेस खाते में से अनुरक्षण अनुदान खाते में	7,68,613
99,150	(ख) विश्वविद्यालय प्रेस खाते में से विविध खाते में	99,150

9,62,24,777

11,11,97,563

प्रमाणित किया जाता है कि अनुदानों का उपयोग उन्हीं कार्यों में और उन्हीं उद्देश्यों से किया गया जिनके लिए ये मंजूर किए गए थे और यिए गए थे।

पांच-टिप्पणी :-

तुलन-पत्र में जो उपचित राशियां दिखाई गई हैं उनमें 44,998 रुपए 22 पैसे की वह राशि शामिल नहीं है जो विश्वविद्यालय को प्राप्तव्य रायल्टी के हिसाब में बकाया है जैसा कि 30-6-1971 को समाप्त अर्द्ध-वर्ष के बारे में मैसर्स एशिया पब्लिशिंग हाउस, बम्बई से प्राप्त रायल्टी विवरण से प्रकट होता है। प्रकाशक ने अपने लिए विवाचक नियुक्त करने का कानूनी नोटिस देने के बाद बकाया राशि 5,000-00 रुपए प्रति मास की किश्तों में चुकाने का वचन दिया है। इस तरह 31-3-1973 को जो राशि देय थी, उसमें से अभी तक यह प्रकाशक 20,000 रुपए भेज चुका है। इसके बाद 31-12-1972 को समाप्त अर्द्ध-वर्ष तक के रायल्टी विवरण भी प्राप्त हो चुके हैं, और इस तरह 31-12-73 तक इस विश्वविद्यालय को 26,778 रुपए 89 पैसे अब भी प्राप्त होने हैं।

उप-वित्त अधिकारी

प्रातरिक लेखापरीक्षा अधिकारी,

वित्त अधिकारी,

कोषाध्यक्ष, दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

31-3-1973 को दिल्ली विश्वविद्यालय का तुलन-पत्र

31-3-1972 रुपए	वायित्व (2)	31-3-1973 रुपए
(1)	(2)	(3)
4,77,11,411	1. अनुदान	5,31,61,201
	2. बान चंदे	
1,59,50,653	(क) फ़ोर्ड फ़ाउंडेशन के	1,89,71,282
	(ख) 1 2 करोड़ डालर की भारतीय उच्च शिक्षा शृण योजना के अधीन आयातित	
30,26,446	विज्ञान-उपस्कर	7,62,031
	(ग) अन्य अधिकारणों के	27,98,874
49,61,309	3. व्यय निकालकर अस्तिरिक्षत आय	57,50,838
1,73,07,055	4. (क) भविष्य निधि खाता	
2,011	(ख) अशादायी भविष्य निधि खाता	1,98,50,919
2,840	(ग) सामान्य भविष्य निधि खाता	
	(घ) अंशादायी भविष्य निधि खाता जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को व्यापस किया जाता है	3,26,202

(1)	(2)	(3)
1,64,952	(ड) व्याज खाता	2,23,341
9,79,028	5. मूल्यक्रास के लिए आरक्षित निधि का खाता	11,95,396
22,789	6. प्रोफेसरी निधि खाता	57
32,339	7. प्रकाशन निधि खाता	46,749
36,088	8. कुलपति की छात्र-निधि का खाता	30,541
21,000	9. दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स छात्र-कल्याण निधि खाता	—
1,00,000	10. आरक्षित निधि-खाता	—
23,922	11. गुजरात के डा० गोकल चंद से संबंधित शृण छात्रवृत्ति निधि का खाता	24,659
5,59,443	12. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि खाता	5,55,460
6,99,955	13. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि खाता	7,01,719
5,18,335	14. सर शंकर लाल मंगीत संस्थान धर्मस्व निधि खाता	5,26,347
1,30,693	15. प० मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि खाता	1,14,513
8,96,451	16. अन्य धर्मस्व निधियों का खाता	10,68,768
5,51,262	17. विज्ञान से संबंधित अवधान द्रव्य का जमा खाता और पुस्तकालय जमा खाता	5,28,378
	18. टेकेदारों की जमानत का जमा खाता	2,03,768
12,70,050	19. छात्रवृत्तियों का जमा खाता	12,08,779
2,99,593	20. अनुसंधान योजनाओं का जमा खाता	3,95,405
37,577	21. पारिनोषिक एवं धर्मस्व जमा खाता	37,577
42,701	22. अंगभूत कॉलिजों के भवननिर्माण अनुदानों का जमा खाता	—
3,58,051	23. अन्य जमा राशियों का खाता	1,92,154
10,067	24. दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र-360/44	16,40,940
1,07,340	25. बाहन शृण-निधि खाता	2,74,800
2,00,380	26. उच्चत खाता	4,06,000
2,01,018	27. उपचित भुगतान	2,00,665
9,62,24,777		11,11,97,563

प्रमाणित किया जाता है कि अनुदानों का उपयोग उन्ही कार्यों में और उन्ही उद्देश्यों से किया गया जिनके लिए ये मंजूर किए गए थे और दिए गए थे।

उप-वित्त अधिकारी	आंतरिक लेखापरीक्षा	वित्त अधिकारी,	कोपाध्यक्ष,
दिल्ली विश्वविद्यालय	अधिकारी	दिल्ली विश्वविद्यालय	दिल्ली विश्वविद्यालय
	दिल्ली विश्वविद्यालय		

दिल्ली विश्वविद्यालय
हिसाब-किताब से संबंधित उपचित्रों

1. “व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय” की मद में 57,50,838 रुपए की जो राशि 31-3-1973 को विश्वविद्यालय के तुलन-पत्र में दिखाई गई है, उसका हिसाब यह है :

आरम्भ-शब्द

ऋण : (1) 31-3-1972 के तुलन-पत्र में अनुरक्षण-अनुदान	रुपए 49,61,309
खाते से प्रेस खाते के पृष्ठकरण के कारण शामिल की गई अतिरिक्त राशि :	701

(2) 31-3-1966 के तुलन-पत्र में “व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय” के प्रत्यंगत गलती से शामिल किया गया स्थायी अधिग्राह (अब इसे समायोजित कर लिया गया है)	रुपए 250
---	----------

(3) 1970-71 से संबंधित उपचित्र प्राप्तियाँ जो आई तो 1971 और 1972 में, पर जो क्रमशः 31-3-1971 तथा 1972 के तुलन-पत्र में दिखाई नहीं गई (अब इन्हें समायोजित कर लिया गया है)	रुपए 14,622
--	-------------

(4) क्रमण : 31-3-1971 तथा 31-3-1972 के तुलन-पत्र में शामिल की गई अन्य उपचित्र प्राप्तियाँ (अब इन्हें समायोजित कर लिया गया है)	रुपए 4,354
---	------------

(5) 1972-73 में स्नातकोत्तर (सांध्य कालीन) वक्षाओं से संबंधित उपचित्र प्राप्तियों की वसूली	रुपए 3,637
--	------------

(6) पिछली अवधि के समायोजन	रुपए 1,19,426
---------------------------	---------------

धन : (1) व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय/स्नातकोत्तर (सांध्यकालीन) अध्ययन संस्थान से संबंधित शुल्क, जिसे 1-4-1972 से विश्वविद्यालय में मिला दिया गया	रुपए 1,34,578
(2) 1972-73 के आय-व्यय विवरण के अनुमार व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय :	रुपए 7,97,941

इतिषेष	रुपए 57,50,838
--------	----------------

(2) 31-3-1973 को विश्वविद्यालय प्रेस के तुलन-पत्र में जो 3,25,940 रुपए की हानि दिखाई गई है, उसका हिसाब यह है :—	रुपए 2,46,635
---	---------------

आरंभ शेष

धन : मर्गीनों का मूल्य जिन्हें 1971-72 के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया, पर जिसे 1971-72 के प्रेस खाते में नहीं दिखाया, गया	रुपए 11,527
---	-------------

धन : 1972-73 का हिसाब	रुपए 67,778
-----------------------	-------------

इति शेष	रुपए 3,25,940
---------	---------------

रुपू

उप-वित्त अधिकारी,
 दिल्ली विश्वविद्यालय
 दिल्ली-7

रुपू

अंतरिक्त लेखापरीक्षा अधिकारी, दिल्ली विष्व-
 विद्यालय, दिल्ली-7

रुपू

वित्त अधिकारी, दिल्ली विश्वविद्यालय,
 दिल्ली-7

रुपू

कोषाध्यक्ष, दिल्ली
 विश्वविद्यालय,
 दिल्ली-7

दिल्ली विश्वविद्यालय

1972-73 का आय-व्यय का हिसाब

क्र० सं०	आय	रु०	पै०	रु०	पै०
I. अनुरक्षण अनुदान खाता					
1. अनुदान		1,57,58,912-00.			
ऋण : पूँजीकृत व्यय		22,73,641-92		1,34,85,270-08	
2. छात्रों से प्राप्त शुल्क		57,51,211-09			
ऋण : पिछले वर्ष वसूल की गई राशि		43,123-00		57,08,088-09	
3. अनुशासि शुल्क लाभांश इत्यादि		2,85,200-39			
ऋण : पिछले वर्ष वसूल की गई राशि		22,194-02		2,63,006-37	
4. पुस्तकालय से प्राप्तियां				1,02,029-73	
5. विविध प्राप्तियां		5,20,154-91			
ऋण : (1) उपचित व्याज की वसूली		18,968-42			
(2) दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र 1620/II की उपचित प्राप्ति की वसूली		65-00		19,033-42	
					5,01,121-49
6. उपचित प्राप्तियां					
(1) छात्रों से प्राप्त शुल्क				96,409-00	
(2) दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र 1620/II				5,400-98	
(3) अनुशासि शुल्क लाभांश इत्यादि				49,316-76	
(4) उपचित व्याज जो अनुरक्षण अनुदान व्याज खाते से स्थानांतरित किया गया				11,938-33	

क्रम सं०	व्यय	रु०	पै०	रु०	पै०	रु०	पै०
1.	अनुरक्षण अनुदान खाता						
1.	सामान्य प्रशासन					26,45,786-33	
(1)	वेतन और भत्ते						
(2)	अन्य प्रभार	41,77,789-36					
	धन : 1972-73 में उपचित राशि	39,405-59				42,17,194-95	
2.	कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय						
(1)	वेतन और भत्ते					34,81,453-27	
(2)	अन्य प्रभार	3,38,515-65					
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया						
				12,034-43			
						3,26,481-22	
	धन : 1972-73 में उपचित राशि			14,437-03		3,40,918-25	
3.	विज्ञान संकाय						
(1)	वेतन और भत्ते					26,74,439-86	
(2)	अन्य प्रभार			4,61,990-79			
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया				1,25,413-61		
						3,36,577-18	
	धन : 1972-73 में उपचित राशि					90,676-98	4,27,254-16
4.	विधि संकाय						
(1)	वेतन और भत्ते					5,26,338-14	
(2)	अन्य प्रभार			15,493-18			
	धन : 1972-73 में उपचित राशि				4,511-69		20,004-87
5.	संगीत एवं ललित कला संकाय						
(1)	वेतन और भत्ते					2,43,603-06	
6.	गणित संकाय						
(1)	वेतन और भत्ते					2,24,212-19	
(2)	अन्य प्रभार				11,913-77		
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया					912-00	
						11,001-77	
	धन : 1972-73 में उपचित राशि					585-00	11,586-77

1

2

3

4

1	2	3	4
7.	आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय		
(1)	बेतन और भत्ते	59,675-06	
(2)	अन्य प्रभार	89,995-81	
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया		229-13
	धन: 1972-73 में उपचित राशि	89,766-68	
		346-38	90,113-06
8.	प्रबंध विज्ञान संकाय		
(1)	बेतन और भत्ते	2,35,820-74	
(2)	अन्य प्रभार	59,122-18	
9.	पुस्तकालय		
(1)	बेतन और भत्ते	5,63,569-74	
(2)	अन्य प्रभार	1,14,225-78	
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया		82-80
	धन : 1972-73 में उपचित राशि	1,14,142-98 1,473-68	1,15,616-66
10.	सार्वभौम विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केन्द्र		
(1)	बेतन और भत्ते	1,94,185-94	
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया	2,60,265-16 21,081-54	
	धन : 1972-73 में उपचित राशि	2,39,183-62 487-20	2,39,670-82
11.	गांधी भवन		
(1)	बेतन और भत्ते	9,505-86	
(2)	अन्य प्रभार	5,329-81	
	ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकता कर दिया गया	72-86	
	धन : 1972-73 में उपचित राशि	5,256-95 21-48	5,278-43
12.	कुलानुपासक का कार्बालिय		
(1)	बेतन और भत्ते	8,268-03	
(2)	अन्य प्रभार	316-81	

II. योजना विकास खाता

1. अनुदान			
(1) चतुर्थ योजना के कार्य		17,18,000-00	
(2) चतुर्थ योजना से बाहर के कार्य		18,60,774-69	
(3) उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र		17,77,128-55	
2. विभागीय प्राप्तिया (चतुर्थ योजना से बाहर के कार्य)		5,29,282-80	
		58,85,186-04	
3. ऋण :पूजीकृत व्यय		9,05,880-72	
		49,79,305-32	

2,52,01,886-15

उप-वित्त अधिकारी,
दिल्ली विश्वविद्यालय
योजना विकास खाता

आंतरिक लेखापरीथा अधिकारी,
दिल्ली विश्वविद्यालय

1	2	3	4
13. हिन्दी माध्यम मडल			
(1) वेतन और भत्ते		3,881-19	
(2) अन्य प्रभार		137-70	
14. विश्वविद्यालय खेल-कूद संघ			
(1) वेतन और भत्ते		55, 208-07	
15. दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ			
(1) अन्य प्रभार		1,164-98	
16. छात्रसंघिया और प्रदर्शनिया			2,12,377-78
17. अनुबान			
(1) विश्वविद्यालय के लिए	9,550-00		
(2) गैशिक उद्देशों के लिए	85,959-53	95,509-53	
18. निर्माण, अनुरक्षण और मरम्मत			
(1) वेतन और भत्ते		5,08,500-03	
(2) अन्य प्रभार	12,58,327-10		
ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि जिसे 1972-73 में चुकाता कर दिया गया	41,192-16		
		12,17,134-94	
धन : 1972-73 से उपचित राशि	48,720-00	12,65,854-94	
19. विश्वविद्यालय प्रेस से कराई गई छपाई और जिल्दवदी		2,54,959-45	
20. विविध		8,29,204-11	
		1,96,20,732-96	
II. योजना विकास खाता	—0—0—		
1. चतुर्थ योजना के कार्य			
(1) वेतन और भत्ते		14,85,020-67	
(2) अन्य प्रभार		9,155-55	
2. चतुर्थ योजना से बाहर के कार्य			
(1) वेतन और भत्ते	12,48,911-23		
(2) अन्य प्रभार	5,21,712-48		
3. उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसधान केन्द्र			
(1) वेतन और भत्ते	8,87,237-13		
(2) अन्य प्रभार	6,15,723-13		
4. विविध योजनाएं			
(1) अन्य प्रभार	15,447-44		
		2,44,03,945-59	
III. व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय		7,97,940-56	
		2,52,01,886-15	
वित्त अधिकारी			
दिल्ली विश्वविद्यालय			
		कोषाध्यक्ष,	
		दिल्ली विश्वविद्यालय	

विलो विश्वविद्यालय

31-3-1973 को रोकड़ खाती

(रोकड़ बही के अनुमार)

खाते का नाम

I मुख्य खाते

1. अनुरक्षण अनुदान खाता	रुपये पै. ०
2. योजना विकास खाता	37,49,284-83
3. पूजी खाता	3,10,901-63
4. विविध खाता	12,012-80
	8,23,825-25
योग (I)	48,96,024-51

II अन्य खाते

1. (1) भविष्य निधि खाता	1,25,601-94
(2) अशदायी भविष्य निधि खाता	2,15,600-48
(3) सामान्य भविष्य निधि खाता (-)	27,080-78
(4) अंशदायी भविष्य निधि खाता जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को वापस किया जाना है	3,26,201-72
2. मूल्य ह्रास के लिए आरक्षित निधि खाता	3,07,396-48
3. प्रोफेसरी निधि खाता	57-00
4. प्रकाशन निधि खाता	21,749-23
5. कुलपति का छात्र-निधि खाता-	541-08
6. गुजरात के डा० गोकल चंद से संबंधित ऋण छात्रबृत्ति निधि खाता	3,158-68
7. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि खाता	40,459-82
8. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि खाता	24,618-84
9. सर शंकर लाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि खाता	31,547-00
10. प० भनभोहन नाथ दर धर्मस्व निधि खाता	11,513-57
11. अन्य धर्मस्व निधियों का खाता	1,20,477-86
12. विज्ञान के अधधान-द्रव्य का खाता	38,353-73
13(1) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद छात्र-बृत्ति खाता	1,84,901-73
(2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग छात्रबृत्ति खाता	52,024-98
14. वाहन ऋण-निधि खाता	39,935-89
योग II	15,17,059-25
योग (I) और (II)	64,13,083-76
1. फोर्ड फाउंडेशन अनुदान मे गे फस्ट नेशनल सिटी बैंक, न्यूयार्क मे नकदी	1,99,222-00

विवरण सं० 20 (क)

विश्वविद्यालय प्रेस

31-3-1973 का तुलन-पत्र

31-3-1973 को	आस्तियां	31-3-1973 को
रुपये		रुपये
2,02,320	मशीनें फर्नीचर और उपस्कर	1,96,343
1,90,348	अधरयोजन (कम्पोज करने की) मासग्री	2,00,434
8,04,367	उपचित प्राप्तियां	8,56,301 (1)
89,278	रहतिया माल	80,992
26,700	जो काम थल रहा है पर जिसका बिल नहीं भेजा गया	5,700
500	स्थायी अप्रिम राशि	500
49,576	बैंक में नकदी	39,090
2,46,735	हानि	3,25,940
	त्योहार-अप्रिम	0,980
16,09,724		17,06,280

विविध

1,62,442	(1) प्रेस को खरीदने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का विशेष अनुदान	1,62,442
2,25,979	(2) एकमुश्त अनुदान में से दिया गया अनुदान	2,25,979
	विविध लेनदार	
99,150	(1) विविध खाता	99,150
7,69,314	(2) सामान्य निधि खाता	7,89,613
3,50,000	विविध खाते से लिया गया ऋण	4,50,000 (2)
2,839	वेतनबिलों से कटौती (जमा खाता)	0,096
16,09,724		17,06,280

इष्टव्य

- 30-9-73 को उपचित प्राप्तियों में 3,44,356 रुपये 31-3-1972 तक के बकाया थे और 1,11,867 रुपये 1972-73 वर्ष के। इस तरह यह कुल राशि 4,56,223 रुपये थी। इस राशि में से 2,19,910 रुपये का हिसाब उपलब्ध नहीं है जिसका संबंध 1967-68 से पहले की अवधि में है। प्रेस प्रबंध मंडल की एक उपसमिति इस मामले की जांच कर कर रही है।
- 30-9-1973 तक 1.5 लाख रुपये की राशि विविध खाते को चुका दी गई थी।

1972-73 वर्ष के लिए विद्यालय प्रेस का लाभ-हानि का हिसाब

1-4-1972 को आरम्भिक माल

रु० पै०

1. कागज़	84,054-00
2. जिल्द बंदी का सामान	5,224-00
जो काम चल रहा था	26,700-00

व्यय

वेतन और भत्ते	3,47,091-02
भविष्य निधि में अंशदान	21,471-32
कर्मचारी राज्य बीमे में अंशदान	12,712-32

माल

कागज़	53,288-09
जिल्द बंदी	16,489-02

अन्य प्रभार

1. आकस्मिक ख़र्च	16,861-82
3. किराया, कर और उपकर]	5,170-80
3. ड्राक ख़र्च	156-70
4. कारब्लाना अनुज्ञित शुल्क	100-00

योग

5,89,319-09

विवरण सं० 20 (ख)

रु० पै०

छपाई और जिल्द बदी से आय (जिसके बिल भेज दिए गए हैं)	4,24,283-73
रद्दी कागज की कतरनों की त्रिक्षी	10,514-18
विविध प्राप्तिया	51-15 4,34,849-06

जो काम चल रहा है पर जिसका बिल नहीं भेजा गया	5,700-00
---	----------

रहस्यिया माल

(1) कागज	74,679-83
(2) जिल्द बदी	6312-05 80,991-88

हानि	67,778-15
------	-----------

5,89,319-09

सेक्षापरीक्षा प्रमाणपत्र

मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय के उपर्युक्त हिमाच-किताब और तुलन-पत्र की जांच कर ली है और वह सब जानकारी तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जिनकी मुझे ज़रूरत थी। अतः मैं अपनी लेखापरीक्षा के परिणाम स्वरूप यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में ये हिमाच-किताब और तुलन-पत्र मही तरीके से तैयार किए गए हैं और मुझे जिसनी भी जानकारी है, मुझे जो भी स्पष्टीकरण दिए गए हैं, तथा दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के अभी खातों में जो कुछ दिखाया गया है—उसके अनुसार ये हिमाच-किताब और तुलन-पत्र इस विश्वविद्यालय की वस्तुस्थिति का मही और सच्चा चित्र प्रस्तुत करते हैं, परन्तु संलग्न लेखापरीक्षा-रिपोर्ट में दी गई टिप्पणियां इसका अपवाद हैं।

नई दिल्ली

दिनांक 22 अप्रैल, 1974

पी० एन० जैन, महालेखापाल
केन्द्रीय राजस्व

दिल्ली विश्वविद्यालय के संबंध में 1972-73 वर्ष की लेखापरीक्षा-स्पोर्ट

1. अप्राप्त शिक्षा शल्फः और रायलटी, इस्पाति

14. 22 लाख रुपये की राशि, जो इस विश्वविद्यालय को प्राप्तव्य थी, 31 मार्च, 1973 तक अप्राप्त रही। इसका धौरा नीचे दिया गया है।

(लाख रुपयों में)

छात्रों से प्राप्तव्य		
शिक्षा शुल्क		2 48
अनुजप्ति शुल्क, लाभांश, इत्यादि		1 65
कम्प्यूटर केन्द्र		9 62
रायल्टी		0 47
योग		14 22

14.22 लाख रुपये की इस अप्राप्त राशि में 316 लाख रुपये वे हैं जो 31 मार्च, 1972 को बकाया थे।

2. 48 लाख रुपये के बकाया शिक्षा भूलक में 1.51 लाख रुपये की वसूली 31 मार्च, 1972 तक हो जानी चाहिए थी।

0.26 लाख रुपये की राशि ऐसे छात्रों से अप्राप्तव्य थी जो विश्वविद्यालय को छोड़ सके हैं।

विष्वविद्यालय ने बताया है (अप्रैल, 1974) कि 14.22 लाख रुपये की अप्राप्त राशि में 9.54 लाख रुपये 25 मार्च, 1964 तक वसूल किए जा चुके हैं।

2. आकस्मिक अग्रिम

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों को मार्च, 1973 तक जो आकस्मिक अधिग्रहण दिए गए, वे 31 जूलाई, 1973 तक समायोजित नहीं किए जा सके। इन का व्यौग नीचे दिया गया है। .—

(लाख स्पयो में)

विश्वविद्यालय ने अप्रैल, 1974 में बताया कि तब तक 3.75 लाख रुपये समायोजित किए जा चुके थे।

मामान और माल का प्रत्यक्ष मत्यापन प्रतिवर्ष होना चाहिए—परन्तु प्राणिविज्ञान विभाग में 1964 से यह कार्य नहीं किया गया। भौतिकी और रसायनविज्ञान विभाग में पिछली बार कमशः 1968 और 1969 जो मत्यापन किया गया उससे पता चला है कि 5.90 लाख रुपये मूल्य का सामान, इत्यादि गायब है। इसका हिसाब अभी तक नहीं मिलाया गया है। विश्वविद्यालय ने कहा है (मार्च, 1974) कि रसायनविज्ञान विभाग में 3.55 लाख रुपये के जिस उपभोज्य सामान और शीशे की चीजों की कमी पाई गई थी उसे जून, 1973 में बढ़े खाते डाल दिया गया। शेष 2.35 लाख रुपये के सामान की जो कमी रह गई है उसकी छानबीन विभागीय समितियां कर रहीं हैं जिनका गठन कार्यकारी परिपद ने किया है।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में पुस्तकों का जो प्रत्यक्ष मत्यापन पहली बार जुलाई, 1972 में किया गया उससे पता चला है कि 53,077 पुस्तके आयब हैं। विश्वविद्यालय ने कहा है (मार्च, 1974) कि पुस्तकाध्यक्ष पुस्तकों का फिर से मत्यापन करने की कार्यवाही कर रहे हैं और उनके प्रतिवेदन की प्रतीक्षा है।

नई दिल्ली

22 अप्रैल, 1974

पी० एन० जैन, महालेखापाल,
केन्द्रीय राजस्व

सीमा शुल्क

बम्बई, दिनांक 23 अगस्त 1974

स० एस०/1-9/74—सिवंदी—श्री मणी कात सोहल को बम्बई सीमाशुल्क भवन मे मूल्य निरूपक के पद पर दिनांक 9-7-1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

स० एस०/1-13/74—सिवंदी—श्री अमर कृष्ण विश्वाम को बम्बई सीमाशुल्क भवन मे मूल्य निरूपक के पद पर दिनांक 17-7-1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

स० एस०/1-6-74—सिवंदी—श्री प्रवजन कुमार मिश्रा को सीमाशुल्क भवन मे मूल्य निरूपक के पद पर दिनांक 25-7-74 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

स० एस०/1-5/74—सिवंदी—श्री सुरेश नागायण प्रसाद को बम्बई सीमाशुल्क भवन मे मूल्य निरूपक के पद पर दिनांक 10-8-1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रामचन्द्रन,
सीमाशुल्क समाहर्ता

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1974

स० 5/2/71-ई० सी०-१—राष्ट्रपति 1972 मे हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर श्री लाल चन्द राहा को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग मे केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-१ मे सहायक कार्यपालक इंजीनियर (मिविल) के स्थाई पद पर 18-7-74 (पूर्वाह्न) से परिवीक्षाधीन नियुक्त करते हैं।

धन राज, प्रशासन उप-निदेशक

उत्तर रेलवे प्रधान कार्यालय,

नई दिल्ली-१, दिनांक 23 अगस्त 1974

स० 752-ई०/167 भाग—दो (ई०/ए)—श्री वी० एस० मवसेना, सहायक कार्यपालक अधिकारी (श्रेणी II) उत्तर रेलवे, दिनांक 31-7-74 अवश्य से सेवा निवृत्त लो गए हैं।

सी० एम० परमेश्वरन्,
महा प्रबधक

कम्पनियों का रजिस्ट्रर

“कम्पनी अधिनियम 1956 और चोरकुण्डा रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे।

पटना, दिनांक 23 अगस्त 1974

स० 9(975)-73-74/2467—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण मे प्राइवेट ड्वारा सूचना दी जाती है कि चोरकुण्डा रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनियों का निवंधक, बिहार

कम्पनी अधिनियम 1956 स्टार मूवीटोन प्राइवेट लिमिटेड
के विषय मे

हैदराबाद दिनांक, 26 अगस्त 1974

स० 386 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण मे एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टार मूवीटोन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 आलविन्ज कम्पनी का फी प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे।

स० 433 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण मे एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आलविन्ज काफी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओ० पी० जैन,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
आन्ध्र प्रदेश,

कम्पनी अधिनियम 1956 आफ सेससं अनुपम सू कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे।

दिनांक 1974

स० 2943 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण मे एतद्वारा यह सूचित किया जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मेसर्म अनुपम सू कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० सी० बसु,
रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 के विषय मे
तथा

‘सौभाग्य चिट फन्डस कम्पनी प्रोइवेट लिमिटेड के विषय मे।

दिनांक 1974

स० 6134/सी०/74—लिक (कम्पनी अधिनियम 1957 की धारा 445) एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही स० सी० पी० न० 75 ऑफ 1973 से उच्च न्यायालय, मद्रास की फाइल पर दिए गए दिनांक फरवरी 15-1974 के आदेश द्वारा कम्पनी सौभाग्य चिट फन्डस प्राइवेट लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

पी० अश्वपूर्णा,
कम्पनी के अपर रजिस्ट्रार

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई, 1974

निदेश मं० ग् एस आर०/जुल०/ग् पी०-1657/74-
75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी मं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8419,
8420, 8421, 8422, 8423, दिसम्बर 1973 में लिखा है,
जो दिलकुश मार्किट, जालंधर गं स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री कर्म मानन पुत्र श्री ब्रसंत मिह, 389 लाजपत
मगर, जालंधर। श्री नैनिहाल मिह पुत्र श्री गुर्गाल सिंह, ज्ञानी

शंकर मिह पुत्र श्री बाल सिंह, स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह,
जानीर सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह मार्केट आफिस, दिलकुश
मार्केट, जालंधर। (अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह पुत्र श्री जवंद सिंह, श्रीमती बंसी पत्नी
श्री जवंद सिंह, श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री जवंद सिंह, श्री जोगिदर
मिह पुत्र श्री जवंद मिह, श्री जवंद सिंह पुत्र श्री अर्जन मिह, गांव
गडोवाली, पोस्ट ऑफिस मरनीपुर, त० जालंधर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि द्विर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8419, 8420,
84241, 8422, 8423 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 31 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मिनम्बर 1974

निर्देश सं० गम० आर० इन्डौर 15-12-73—यतः, मुझे, प्रम० एफ० मुन्ही आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 69 है, जो काटजू कालोनी इन्डौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्डौर में भागीय रजिस्ट्री-क्रूट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपचा रा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधेश्याम पुत्र श्री हरिग्रोमल 10/6 जवाहर मार्ग इन्डौर (अन्तरक)

2 श्री सुन्दर दाम पुत्र श्री छन्ना राम 47 जय गम पुर कालोनी इन्डौर (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पारा लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में लिए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 69 काटजू कालोनी इन्डौर।

प्रम० एफ० मुन्ही,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 5-9-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर शायक्त (निरीक्षण)

अहमदाबाद, दिनांक 19 जलाई, 1974

निर्वेश सं० —यतः मुझे पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० पर्सेट नं० 9 और गैरेज नं० 5, पुरोहित एपार्ट-
मेण्ट है, जो सयाजी गंज, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावच
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 10-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
सिम्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धने या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित हारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
(1) के अधीन सिम्लिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

अतः अब, धारा 269-थ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा
(1) के अधीन सिम्लिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनुभाई डाह्याभाई पुरोहित, सयाजी गंज, बड़ौदा
(अन्तरक)

2. महाराज कुमारी विजया कुमारी, भवानी प्रताप सिंह और
राजकुमार सुमेर सिंह अवयस्क की पिता भवानी प्रताप सिंह,
9 पुरोहित एपार्टमेण्ट्स, सयाजी गंज, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आवेदन, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आवेदनों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हार ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आवेदन किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आवेदनों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मनुसूची

पुरोहित एपार्टमेण्ट्स का पर्सेट नं० 9 और गैरेज नं० 5
जिसका म्युनिसिपल सं० नं० एस० ए०/2749/1 (जुना) और
एस० ए०/13-251 (नया) है जो सयाजी गंज, बड़ौदा में स्थित
है, जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4664, दिसम्बर 1974 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा में लिखा है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 19-7-1974
मोहर :

प्रश्नप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई, 1974

निदेश सं० 3103/73-74 —यतः, मुझे प० राधवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आलण्डुडी तालुका, आलण्डुडी गांव में नया सर्वं सं० 94-2 (0.88 सेण्ट) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलण्डुडी में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतीन 29 दिसम्बर, 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मोहम्मद युसफ राजनर, गुलाम मैतीन राजतर, मैयड अब्बास राजतर,
मैयड अब्बास राजतर, मैयड उम्राहिम राजतर और मोहम्मद इम्राहिम राजतर, आलण्डुडी। (अन्तरक)

2. श्री पी० के० एस० खादर साहेब, राजतर, आलण्डुडी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

तिरुचि जिला, आलण्डुडी में और सं० 13 में भूमि (मकान के साथ) जिसका नया सर्वं सं० 94-21 है।

ए० राधवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख 27-7-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई, 1974

निर्देश स० 2108/73-74—यस, मुझे, ए० राधवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० नया टी० एस० 1205 (भाग) टी० एस० वार्ड स० 1, (19 सेण्ट) कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकार बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सी० बी० बेन्कटेसन, सी० बी० श्रीनिवासन, सी० बी० मुरेश, 1, आर्ट्स कालेज रोड, कोयम्बतूर। (अन्तरक)

2 श्रीमती एम० अयिमा, खर्नि अम्माल, 7/17 स्टेट बैक राइ, कोयम्बतूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, हुजूर रोड मे 19 सेण्ट का भूमि, जिसका नया टी० एस० स० 1205 (भाग) (टी० एस० वार्ड स० 1)।

ए० राधवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास।

तारीख 27-7-1974
मोहर

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

मंद्रास, दिनांक 27 जुलाई, 1974

निर्देश सं० 2124/73-74—यतः, मुझे ए० राघवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रुपये से अधिक है और जिसकी और जिसकी में “रिज होटल” कूनूर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—246GI/74

1. दि रिज प्राइवेट लिमिटेड, 199 चर्चगेट, रिक्लमेशन, कूनूर-20। (अन्तरक)

2. दि है फील्ड टी एंड रब्बर हॉस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, कूनूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कूनूर में रिज होटल (भूमि मकान, आवास्यक यन्त्र के साथ) 7.00 5/16 एकड़ मिजाजा आर० एस० सं० 911/1 और 912

प० राघवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मंद्रास

तारीख : 27 जुलाई 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 जूलाई 1974

निदेश सं० 25-एम०/एस्य०—यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 31 है जो मकान गंज, में स्थित है (श्री इम्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रतापगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाशा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प० सुरेश बिहारी व अन्य (अन्तरक)

2. श्री मगल प्रसाद व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किसी मकान जिसका न० 31 है, मकान गंज, प्रतापगढ़ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख : 20-7-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, III

कलकत्ता, दिनांक 2 अगस्त 1974

निर्देश सं० 166/एक० रे०-III/74-75/हुगली—यत्,
मुझे एक० के० बालसुब्रमनियन् ग्रामकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानवर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो मौजा दिघीग, थाना-सिरामपुर,
जिला-हुगली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दि रजिस्ट्रार
ग्रामकर एसुरेन्सेज, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-12-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ग्रामकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय कर आधिनियम 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रफ़ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं ग्रामकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कैलाश चन्द्र सेनगुप्त, (2) श्री गणेश चन्द्र
सेनगुप्त, (3) श्रीमती बेला सेनगुप्त, स्वामी कैलाश चन्द्र सेन-
गुप्त, सबका पता 16 यतिनदास रोड, कलकत्ता। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कनकलता सेनगुप्त, स्वामी शैलेश चन्द्र सेनगुप्त,
पानबाजार, गोश्टाटी, ग्रामपुर, और 16 यमीन दास रोड, कलकत्ता
का रहने वाला। सब लोग वैद्यधाट ग्राम्य एण्ड कॉल्ड स्टोरेज
नाम से चालू व्यवसाय के अंशदार हैं। भकरा कॉल्ड स्टोरेज
प्रा० लिमिटेड, 66 गणेश चन्द्र पर्भिन्यु, कलकत्ता-13।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानवर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थानवर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की
दी जाएगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रामकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

करीब 4 बीघा, 4 कट्टा, 0 छटाक, 6 स्को० फुट जमीन जो
मौजा दिघाग, जे० ए८० 4, टीजि० स० 114, थाना सिरामपुर,
जिला हुगली, अधुना 77/51, जी० टी० रोड, वर्ड 3 वैद्यधाट,
म्युनिसिपैलिटी, थाना सिरामपुर, जिला हुगली पर अवस्थित
माथ उस पर अवस्थित मकान, स्टाफ क्वार्टर्स, मेशिनरी, बरफ-
प्लान्ट और आफिस आसबाब घृत्यादि जो दलील सं० 7236 से
रजिस्ट्रार ग्रामकर एसुरेन्सेज, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्री हुआ।

ए८० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता।

तारीख : 2-8-74

मोहर :

प्रॅलूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—II मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त, 1974

निर्देश सं० 2123/73-74—यतः मुझे प० रागवेन्द्र गग्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 19, गोधालभमन कोयिल स्ट्रीट, यीरोड़ है, जो यीरोड़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय यीरोड़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अत्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती तायारम्माल, 29, मादव कृष्णन स्ट्रीट, यीरोड़।
(अन्तरक)

2. श्रीमती फविर देवी श्रीर शा इन्द्र मल, 19, गोधालभमन कोयिल स्ट्रीट, यीरोड़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यीरोड़, गोधालभमन कोयिल, स्ट्रीट, डोर सं० 19, में 3089 सेण्ड का भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एम० सं० 140 है।

प० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास।

तारीख : 6-8-1974
मोहर :

प्रख्या आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1974

निर्देश स० 73/अर्जन/कानपुर/73-74/1346—यत्, मुझे आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 77/6 है जो कुली बाजार, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अच्छने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मर्वंश्री (1) आनन्द प्रकाश, (2) श्रीमती मुमन गुप्ता, (3) श्रीमती रेणमा गुप्ता, (4) श्रीम प्रकाश, निं० सभी 8/198, स्वरूप नगर, कानपुर। (प्रत्यक्ष)

2. मैसर्स भारतीय उद्योग द्वारा प्रताप चन्द्र पार्टनर, 77/6, कुली बाजार, कानपुर। (अन्तरिती)

3. (1) श्री बिन्दा चरन गुप्ता, निं० 77/5, कुली बाजार, कानपुर, (2) श्री चमन लाल अग्रवाल, 112/210, स्वरूपनगर, कानपुर, (3) श्री गजेन्द्र कुमार गुप्ता, 16/359-ए०, कुली बाजार कानपुर। (4) मैसर्स धर्मचन्द डारिका थाम, 17/6, कुली बाजार, कानपुर। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में मम्पति है) : को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान जिसका मुनिसिपल न० 7716 कुलीबाजार कानपुर (मिठन) जिसका हस्तांतरण 75000-र० में हुआ।

वाई० खोखर,
गक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 1-8-74

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1974

निर्देश स० अ० ई० 2/949/1952/74-75—यत मुझे
वि० २० गुप्ते, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी स० मब्लाट 6, सैक्टर “बी” है, जो चेम्बूर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
26 दिसंबर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अर्थात्:—

1. श्रीनगर को० आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
(अन्तरक)

2 सी० एच० रामनाथ (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो .—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारी और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अमूसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम सागर, चैम्बूर मे स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि सैक्टर “बी” का उप-प्लाट स० 6 धारण किए हुए हैं एवं प्रस्तावित सङ्कें एवं बगीचों के काम मे आनेवाले क्षेत्र के अतिरिक्त 616 वर्गगज यानी कि 514-976 वर्गमीटर हैं, जो प्लाट भाप से करीब 16,266-00 गज के भूमि के बड़े टुकड़े का भाग हैं। यह वर्णित उप-प्लाट निम्न-प्रकार से विश्वास हुआ है अर्थात् उत्तर मे या ओर अन्तरक श्रीनगर को० आप० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड की जायदाद सैक्टर “श्री”. दक्षिण मे या ओर 30 फीट सेक्टर “बी” का सर्विस रोड। पूर्व मे या ओर सेक्टर “बी” का प्लाट स० 5। पश्चिम मे या ओर सेक्टर “बी” का प्लाट स० 7।

वि० २० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख . 5 अगस्त, 1974।
मोहर .

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/948/1951/74-75—यतः मुझे,
वि० २० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई, आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० सब प्लाट सं० 4, सेक्टर “बी” है, जो बम्बई
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
26-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने
के लिए लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही प्रारूप करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीनगर को-प्राप्त हाऊसिंग सोसाएटी लिमिटेड
(अन्तरक)

2. गोविंद मन्जुनाथ कामथ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्तान्तरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री
उप-जिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उप नगर के पेस्टम सागर,
चेम्बूर में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर “बी” का
उप-प्लाट अं० ४ धारण किए हुए हैं एवं प्रस्तावित सड़के एवं
बगीचों के काम आने वाले क्षेत्र के अतिरिक्त माप से ६१६ वर्ग गज
यानी कि ५१४-९७६ वर्गमीटर हैं, जो प्लाट माप से करीब १६-
२६६-०० वर्गगज भूमि के बड़े टुकड़े का भाग हैं। यह वर्णित
उप प्लाट निम्न प्रकार से विरा हुआ है : अर्थात्—उत्तर में
या ओर अन्तरक श्रीनगर सोसाएटी का सेक्टर “अ”।
वक्षिण में या ओर ३० फीट सेक्टर “बी” श्रीनगर सोसाएटी
का सर्विस रोड। पूर्व में या ओर सेक्टर “बी” का प्लाट अं० ३।
पश्चिम में या ओर सेक्टर “बी” का प्लाट अं० ५।

वि० २० गुप्ते,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/947/1950/74-75—यतः मुझे वि० २० गुप्ते महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सब प्लाट सं० 3, सेक्टर “बी” है, जो चेम्बर में स्थित है (और हस्से उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी मूरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीनगर को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड
(अन्तरक)
2. श्री सी० एच० रामकृष्णन्
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसस्थी

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम सागर चेम्बर में स्थित एवं पड़ा हुआ जो कि सेक्टर “बी” का उप प्लाट क्र० ३ धारण किए हुए हैं एवं प्रस्तावित सड़कें एवं बगीचों के काम में आनेवाले क्षेत्र के अन्तरित माप से ६२४ वर्ग गज यानी कि ५२१-६६४ वर्गमीटर हैं जो प्लाट माप से करीब १६-२६६-०० वर्गमीटर भूमि के बड़े टुकड़े का भाग हैं। यह वर्णित उप प्लाट निम्नप्रकार से विश्वास हुआ है। अर्थात्—उत्तर में या ओर अन्तरक श्रीनगर सोसाएटी का सेक्टर “अ”, दक्षिण में या ओर ३० फीट सेक्टर “बी” श्रीनगर सोसाएटी का सर्विस रोड, पूर्व में या ओर ३० फीट सेक्टर “बी” का सेक्टर “बी” का प्लाट क्र० ४।

वि० २० गुप्ते,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई।

तारीख : 5 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1974

निर्देश मं० श्र० ई० 2/907/1904/74-75—अतः, मुझे,
वि० २० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2
बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ के अधिन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि अन्धाई भम्पति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/-रुपए में अधिक है और जिसकी
मं० सब प्लाट मं० 12 सेक्टर “बी” है, जो चेम्बूर, में स्थित
है (और इसमें उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तप पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिये सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीनगर को-आप० हाऊसिंग सोमाइटी लिमिटेड ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती इन्द्रमती एच० पुरन्वरे । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्थलोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री
उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम सागर चेम्बूर
में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है एवं प्रस्तावित सड़कों एवं बांधों
के काम में आने वाले क्षेत्र के अतिरिक्त माप से 750 वर्गगज यानी
कि 627 वर्गमीटर है, जो प्लाट माप में करीब 16,266.00 वर्ग-
गज के भूमी के बड़े टुकड़े का भाग है । यह वर्णित उप-प्लाट
निम्न प्रकार में विरा हुआ है : अर्थात्

उत्तर में या और 30 फीट सर्विस रोड ।

दक्षिण में या और 90 फीट निर्धारित रोड ।

पूर्व में या और ले आऊट स्कीम के सेक्टर “बी” का प्लाट क्र०

13।

पश्चिम में या और ले आऊट स्कीम के सेक्टर “बी” का बगीचा ।

वि० २० गुप्ते,
सहायक प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई ।

तारीख : 5 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

: 269-ब० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/906/1903/74-75—अतः मुझे, वि० २० गुप्ते सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सब प्लाट सं० 5 सेक्टर, "बी" है, जो चेन्नौर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रृदृ किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे जारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब० की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीनगर को० आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड।
(अन्तरक)

2. श्री एम० रामस्वामी।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह सूचना जारी किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या भैदान का वह समाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला, बम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम सागर, चेन्नौर में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर "बी" का उप प्लाट क्र० 5 धारण किए हुए हैं एवं प्रस्तावित सङ्के एवं ब्रगीबों के काम में आनेवाले क्षेत्र के अतिरिक्त 616 वर्गगज यानी कि 514-976 वर्गमीटर हैं जो प्लाट माप से करीब 16,266.00 वर्गगज भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है। यह वर्णित उप-प्लाट निम्न-प्रकार से घिरा हुआ है : अर्थात्—

उत्तर में या और अन्तरक श्रीनगर सोसाइटी का सेक्टर "अ"।

वक्षिण में या और 30 फीट सेक्टर "बी" श्रीनगर सोसाइटी का सर्विस रोड।

पश्चिम में या और सेक्टर "बी" का प्लाट क्र० 4।

पूर्व में या और सेक्टर "बी" का प्लाट क्र० 6।

वि० २० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई।

तारीख : 5 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1974

निर्देश मं० अ० ई० 2/905/1902/74-75—अतः मुझे वि० २० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सध प्लाट सं० 13 सेक्टर “बी” है, जो चेम्बूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीनगर को-आप० हाऊसिंग सोमाइटी लिमिटेड +
(अन्तरक)
2. श्री पी० ए० नारायण० | (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्पद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला अम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम भागर चेम्बूर में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर “बी” उपल्लाट क्र० 10 धारण किए हुए हैं एवं प्रस्तावित सड़के एवं बगीचों के काम से आनेवाले क्षेत्र के अतिरिक्त 875 वर्गमंज यानी कि 731-50 वर्गमीटर हैं, जो प्लाट माप से करीब 16,266.00 वर्गमंज भूमि के अड़े टुकड़े का भाग हैं। यह वर्णित उपल्लाट-निम्न प्रकार से विरा हुआ है : अर्थात्—उत्तर में या ओर सेक्टर “बी” श्रीनगर को-आप० हाऊ० सो० लिमि० का 30 फीट सविस रोड़। दक्षिण में या ओर निर्धारित 90 फीट रोड़ 1 पूर्व में या ओर ले आऊट स्कीम का प्लाट नं० 141 पश्चिम में या ओर ले आऊट स्कीम का प्लाट नं० 12।

वि० २० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई।

तारीख : 5 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1974

निवेश सं० अ० ई० 2/904/1901/74-75—यतः मुझे,
वि० २० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-२ बम्बई आयकर आयुक्त (निरीक्षण), 1961 (1961
का 43) की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सब प्लाट सं० 10 सेक्टर “बी” है, जो चेम्बूर,
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीनगर को-आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड ।
(अन्तरक)
2. श्री जी० आर० वारियर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

एप्पेलीकेशन:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मेंदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के प्रस्तुम सागर, चेम्बूर में स्थित मौजूद पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर “बी” उपप्लाट क्र० १० धारण किए हुए हैं एवं प्रस्तावित सड़के एवं बगीचों के काम में आनेवाले भेत्र के अतिरिक्त ६९.४ वर्गगज यानी कि ६८०-१८४ वर्गमीटर है जो प्लाट माप से करीब १६,२६६.०० वर्गगज भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है। यह वर्णित उपप्लाट निम्न प्रकार से घिरा हुआ है : अर्थात्—उत्तर में या ओर ले आऊट स्कीम का उपप्लाट क्र० ९। दक्षिण में या और ले आऊट स्कीम का उपप्लाट क्र० ११। पूर्व में या और सेक्टर “बी” का ३० फीट सर्विस रोड / पर्श्चम में या और ट्रम्प की जायदाद।

वि० २० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-२, बम्बई।

तारीख : 5 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269 घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/903/1900/74-75—अत मुझे,
विं २० गुल्मी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज २ बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ब के अधीन सम साधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सब प्लाट स० 2 सेक्टर “बी” है, जो चेम्बूर
मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से बर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-12-1973

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीडॉक्टर विलेका के अनुसार अन्तरित की गई है और पुनः यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सक्र बमाना; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को जिम्हे भारतीय आयन्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिए सक्र बनाना।

और असः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-फ के शब्दों में पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीनगर को० आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड ।
(अन्तर्रक्त)
 2. श्री वी० एम० अकबर्ति (अन्तर्रक्त)

को यह सूखना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के व्यञ्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यथि कोई हौं, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षीय को धी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूचनाएँ के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया गया है।

अनस ची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि रजिस्ट्री
उपजिला एवं जिला बम्बई नगर एवं उपनगर के पेस्टम सागर,
चेम्बूर में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जो कि सेक्टर "बी" का
उपप्लाट क्र० 2 धारण किए हुए है, एवं प्रस्तावित सड़के एवं बगीचों
के काम में आनेवाले क्षेत्र के अतिरिक्त 684 वर्गगज यानि कि
571-824 वर्गमीटर है जो प्लाट माप से करीब 16,26600
वर्गगज भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है। यह वर्णित उपप्लाट निम्न
प्रकार से विधा हुआ है : अथवा—

उत्तर में या और ले आऊट स्कीम का उपप्लाट क्र० 10।

दक्षिण में या ओर ले आऊट स्कीम का बगीचा।

पूर्व मे और सेक्टर “बी” का 30 फीट सविम रोड

पश्चिम में या और द्रुस्ट की जायदाद ।

दिं २० गुर्जे,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, बम्बई।

तारीख : 5 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रह्लाद शार्दूल टी० एन० एस० ——
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई का कार्यालय
बम्बई, दिनांक 6 अगस्त, 1974

निर्देश सं. अ० ई० 2/911/1908/74-75—यथा; मुझे,
वि० आर० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 186 टी० पी० एस० नं० 2 सी० टी०
मं० नं० 1613 है, जो विलेपाले (पूर्व) में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
उपाबद्ध अनुसूची में अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में घास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने
के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपद्धारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवानजी रामजी पटेल, 2. राजाभाई भगवानजी
पटेल, 3. कानजी भगवानजी पटेल, 4. पान्चाभाई भगवानजी
पटेल। (अन्तरक)

2. विलेश्वर दर्शन को-आप० हार्डसिग सोसाइटी लिमिटेड।
(अन्तरिती)

3. मेम्बर्स (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनावाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनावाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग साथ में उस
परस्थित गृह-वाटिका मकान अथवा निवास-गृह सहित जो कि बहुतर
बम्बई क्षेत्र में रजिस्ट्री जिला बम्बई उपनगर, रजिस्ट्री उपजिला
बान्द्रा के वीक्षित रोड, विलेपाले (पूर्व) में स्थित, मौजूद एवं पड़ा
हुआ है, जो कि डाऊन प्लानिंग स्कीम क्र० 2। विलेपाले का
प्लाट क्र० 186 धारण किए हुए है, माप से 947-30 वर्गमीटर
यानी कि 1133 वर्गज के समकक्ष या लगभग है तथा विलेपाले
तालुका अंधेरी का शहर सर्वेक्षण क्र० 1613 धारण किए हुए है
एवं म्युनिसिपल “के” बाई क्र० 374 (1 एवं 2) दीक्षित रोड
का गली क्र० 13 एवं 13 ए धारण किए हुए हैं तथा निम्न प्रकार
से विवर हुआ है अर्थात् :—

पूर्व में या ओर बसतीदेवी प्रल्हादराय दालभिया को जायदाद।

परिक्षम में या ओर म्युनिसिपल नाला और उसपार टी० पी०
एम० नं० 2 का अंतिम प्लाट नं० 187।

उत्तर में या ओर विक्षित रोड नाम से ज्ञात पद्धिक रोड।

दक्षिण में या ओर टी० पी० एस० नं० 2 का अंतिम प्लाट नं०
183 की जायदाद द्वारा।

वि० आर० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई।

तारीख : 6 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनपक, 6 अगस्त 1974

निर्देश सं० श्र० ई० 2/909/1906/74-75—यतः मुझे,
वि० ५०८५, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2,
बम्बई, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लाट क्र० 186 टी० पी० एम० न० 2 सी० टी० म० न० 1613 है, जो विलेपालैं (पूर्व) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायनिय, बम्बई 1 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल मिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यधारी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहनलाल दामुदेव सिंगटिया। श्रीमती मिलाकुमारी मोहनलाल मिंगटिया। (अन्तरक)

2. सचिव श्री पान्चाभार्द्ध भगवानजी पटेल, 2. कान्चीभार्द्ध भगवानजी पटेल, 3. राजाभार्द्ध भगवानजी पटेल, 4. भगवानजी रामजी पटेल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैततात्त्वी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए नागीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या भौदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग साथ में उस पर स्थित गृहवाटिका मकान अथवा निवास गृह सहित जो कि बृहत्तर बम्बई थोल में रजिस्ट्री जिला बम्बई उपनगर, रजिस्ट्री उपजिला बाद्दा के दीक्षित रोड, विलेपालैं (पूर्व) में स्थित, मौजूद एवं पड़ा उपग्रह है, जो कि टाऊन प्लानिंग स्कीम क्र० 2, विलेपालैं का प्लाट क्र० 186 धारण किए हुए है, माप से 947-30 वर्गमीटर यानी कि 1133 वर्गमीटर के समकक्ष या लगभग है विलेपालैं सालुका अधेरी का शहर सर्केशण क्र० 1613 धारण किए हुए है एवं म्युनिसिपल “के” वार्ड क्र० 374 (1 एवं 2) दीक्षित रोड का गली क्र० 13 एवं 13ए धारण किए हुए है तथा निम्न प्रकार से विरा हुआ है ग्रथात्—

पूर्व में या और बंसतीदेवी प्रलहादराय दालभिया की जायदाद। पश्चिम में या और म्युनिसिपल नाला और उम पार क्र० पी० एस० न० 2 का अंतिम प्लाट न० 183 (187)।

उत्तर में या और दिक्षित रोड नाम से जात पट्टिक रोड। दक्षिण में या और टी० पी० एस० न० 2 वा अंतिम प्लाट न० 183 की जायदाद द्वारा।

वि० २० गुले,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 6, बम्बई

तारीख: 6-8-1974

मोहर।

प्रूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 2 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अर्जन ई० सं० 3/394/74-75—यतः मुझे, आर० जी० नेहरूकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 169 और भर्वे 16 (अंश) है, जो पहाड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कठीन करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के पारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. मेसर्स लक्ष्मी ग्रसबेसट्स प्राइवेट्स लिमिटेड, श्रीनिवास हाऊस, बाड़बाय रोड, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरक)

2. श्री नटवरलाल सोमानी, प्रगवाल निवास ब्लाक नं० 3, माटुंगा तेलंग रोड, बम्बई-19। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए यह आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनबाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तब सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का यह तमाम टुकड़ा जिसका प्लाट नं० 169 गांव पहाड़ी, गोरेगांव (पश्चिम) तालुक बोरीबली, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई उपनगर मध्ये बृहस्पत बम्बई में स्थित और भौजूद है और जिसका सर्वेक्षण नं० 161 (अंश) और माप में 830 वर्गमीटर समकक्ष 693-96 वर्गमीटर या आमपास है और इस प्रकार घिरा है अर्थात् :—

पूर्व की ओर से 30 फीट और मार्ग द्वारा।

पश्चिम की ओर से प्लाट नं० 172 द्वारा।

उत्तर की ओर से प्लाट नं० 170 द्वारा।

दक्षिण की ओर से प्लाट नं० 168 द्वारा।

मार० जी० नेहरूकर,
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 2-8-1974

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अर्जन ई० सं० 3/394/74-75—यत्. मुझे, आर० जी० नेहरुकर, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 169 और सर्वे० 16 (अंश) है, जो पहाड़ी में स्थित है (अंगूर हस्से उपागढ़ अनुसूची में और पूर्ण घट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सब रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के प्रावृद्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—246 GI/74

1. मेसर्स लक्ष्मी असेंबली प्राइवेट्स लिमिटेड, श्रीनिवास हाऊस, वाडबाय रोड, फोर्ट, बम्बई-1 (अन्तरक)

2. श्री नटवरबाल सोमानी, अग्रवाल निवास, ब्लाक न० 3 माटुंगा, तेलंग रोड, बम्बई-19। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया मुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा जिसका प्लाट नं० 169 गांव पहाड़ी, गोरेंगांव (पश्चिम) तालुका बोरीबली, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई उपनगर अभी बुहनर बम्बई में स्थित और मौजूद है और जिसका सर्वेक्षण नं० 161 (अंश) और माप में 830 वर्गमीटर समकक्ष 693-96 वर्गमीटर या आमपाम है और इस प्रकार घिरा है अर्थात् :—

पूर्व की ओर से 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा।

पश्चिम की ओर से प्लाट नं० 172 द्वारा।

उत्तर की ओर से प्लाट नं० 170 द्वारा।

दक्षिण की ओर से प्लाट नं० 168 द्वारा।

आर० जी० नेहरुकर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 2-8-1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त, 1974

निदेश सं० अर्जन ई० सं० 3/395/74-75—यतः मुझे, आर० जी० नेरुकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 154 और सर्वे० सं० 161 है, जो पहाड़ी, गोरेगाव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर, बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेरसर्म लक्ष्मी श्रावेमटम प्राइवेट्स लिमिटेड, श्रीनिवास हाऊस, बाडबाय रोड, फोर्ट, बम्बई-1 (अन्तरक)

2. श्री हरीमोहन मुन्द्रा, केश्म आफ विजय ट्रेडिंग कारपोरेशन, 21 ए, आम्हणवाडा रोड, विण भवन, किंज सर्कल, बम्बई-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 154, सर्वे० सं० 161, एम० जी० रोड, बान्नु नगर, गोरेगाव (पश्चिम), माप में 693-84 वर्गमीटर समक्ष 830 वर्गजग्ज।

आर० जी० नेरुकर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 2-8-1974
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त, 1974

निदेश सं० अर्जन ई० सं० 3/396/74-75—यतः मुझे,
आर० जी० नेऱुरकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेज-3 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी प्लाट मं० 184 मर्वे० सं० 16 (अंश) है, जो
पहाड़ी, गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सब रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण,
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य गे वर्म के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितो)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं :

अ धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 19 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स लक्ष्मी असबेसटम प्राइवेटस लिमिटेड, श्रीनिवास हाऊस, आडब्ल्यू रोड, फॉर्ट, बम्बई-1। (अन्तरक)

2. श्री सागरमल सेथीया, श्री फथेहचंद कुंडालिया के अर आफ सी० सेथीया एण्ड कं० फारेबीज स्ट्रीट, बम्बई-1 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख अ० र स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी २ कड़े या जमीन का भाग या जमीन जिसका प्लाट नं० 184, जो गांव पहाड़ी, गोरेगांव (पश्चिम) तालुका बोरीवली, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बांद्रा जिला बम्बई उपनगर, अभी बूहसर बम्बई में स्थित और मौजूद है जिसका क्रमांक 161 (अंश) और माप में ८५० वर्गगज ममक्ष ७१०-७० वर्गमीटर है और इस प्रकार धिरा है :—अर्थात्—पूर्व की ओर से ३० फीट चौड़े रोड द्वारा, पश्चिम की ओर से प्लाट नं० १८७ द्वारा, उत्तर की ओर से प्लाट नं० १८५ द्वारा, दक्षिण की ओर से अंशतः प्लाट नं० १८३ और अंशतः प्लाट नं० १८८ द्वारा।

आर० जी० नेऱुरकर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 2-8-1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बैंगलूर का कार्यालय
 बैंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 1974

निर्देश सं० सि०आर० 62/2013/73-74/एस० क्य०(बी)—
 यतः, मुझे, आर० क्रिणामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बैंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सभ्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० स्थावर सम्पत्ति न० 42, 53, और 52 43 है, जो इन्डस्ट्रियल मर्केट, राजाजीनगर, बैंगलूर (अनुसूची में पूरा विवरण दिया गया है) में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 दिसंबर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अप्रिलिखित किए गए हैं।
 अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती एन० कामेश्वरी पत्नी एन० जयराम,
- (2) जे० राजाराम,
- (3) जे० काशीनाथ,
- (4) श्रीमती जे० रमा देवी,

- (5) जे० कमला,
- (6) जे० विमला, न० 550, VIII मैन रोड, मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3,
- (7) जे० कल्याणी पत्नी नागराजन, न० 51, 13 श्रास, मल्लेश्वरम, बैंगलूर-1।
- (8) जे० जयलक्ष्मी पत्नी श्री गोपाल, न० 550, VIII मैन, मल्लेश्वरम, बैंगलूर। (अन्तरक)
- 2. मै० बैंगलूर माइल और कें इन्डस्ट्रीज (पी०) लिमिटेड, I मैन रोड, एन० टी० पेट, बैंगलूर-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. सैट न० 42 और 53 जिसकी सीमा है

$$100' \times \frac{392+390-2}{2}$$

शेड्स, गोडाउन्स, इमारतें, आफिम रूम्स, स्टोर रूम्स, बाइलर, पेड़, बाबड़ी, बाटर कनेक्शन्स, इलैक्ट्रिक कनेक्शन्स, फिटिंग्स, फिक्सचर्स और अन्य मशीनें समेत।

2. सैट न० 43 व 52 जिसकी सीमा है

$$100' \times \frac{392+393}{2}$$

शेड्स, गोडाउन्स, इमारतें, आफिम रूम्स स्टोर रूम्स, बाइलर, पेड़, बाबड़ी, बाटर कनेक्शन्स, इलैक्ट्रिक, कनेक्शन्स, फिटिंग्स, फिक्सचर्स और अन्य मशीनें समेत।

आर० क्रिणामूर्ति,
 मक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, बैंगलूर।

दिनांक : 22 जुलाई 1974

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बैंगलूर का कार्यालय

बैंगलूर दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सि० आर-62/2222/73-74—यतः
मुझे, आर० किण्णमूर्ति, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाध्य ग्रन्थसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच स्थ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-सिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने के लिए सुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अष्टि:—

1. श्री डी० सैयद इस्माइल, नं० 28, सैन्ट जान्स चर्च,
रोड, बैंगलूर
(अम्तरक)
2. श्री जी० रामच्छा रेडी, नं० 157, डोमलूर, बैंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग २१३, बैंगलूर, जिसकी सीमा $59' \times \frac{59+41}{2}$ है।

आर० किण्णमूर्ति,
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर।

दिनांक : 9 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II बैगलौर

बैगलौर, दिनांक 2 जुलाई 1974

निर्देश स० सी० आर० 62/2021/73-74 ए० सी० क्य०
(बी०)—यत्, मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, महायक आयकर आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 19 है, जो आलबर्ट स्ट्रीट, रिचमंड, टाउन, बैगलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बैगलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1973 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गद्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती शान्त शीला बी० शेट्टी W/O के० बी० शेट्टी, न० 6, आशाले पार्क, महात्मा गान्धी रोड, बैगलौर,

(2) सरोजिनी एम० हेगडे पति श्री मोहनदास एन० हेगडे, न० 37-8, कनिमाहन्थाम शास नोड, बैगलौर (अन्तरक)

2. श्री संयद अब्दुल रशीद साहेब, न० 88, न्यू बैगलौर सिटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह न० 19, आलबर्ट स्ट्रीट, रिचमंड टाउन, बैगलौर।

आर० कृष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैगलौर।

दिनांक 2 जुलाई 1974।

मोहरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, बैंगलौर

बैंगलौर, दिनांक 2 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/2020/73-74 एक्य० (बी०)
यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) बैंगलौर, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 18 है, जो आलबर्ट स्ट्रीट, रिचमंड^ड
टाउन, बैंगलौर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती शान्ता गीला बी० गेट्री पत्नि के० बी०
शेट्री, नं० 6, श्राशने पार्क, महात्मा गान्धी
रोड, बैंगलौर

(2) मरंजिनी ए० हेगडे, पत्नि श्री मोहनदाम
ए० हेगडे, नं० 37-8, कनिङ्हमाम, क्रास रोड,
बैंगलौर
(अन्तरक)

2. श्री अनीउर-रहमान माहेब, ताज होटल, ओलड पुर
होम रोड, बैंगलौर
(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत की खुली जगह नं० 18, आलबर्ट स्ट्रीट, रिच-
मंड टाउन, बैंगलौर

आर० कृष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, बैंगलौर।

दिनांक 2 जुलाई 1974 .

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज,

बैंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश स० सि० आर० 62/1994/73-74/एक० (बी०)—
यत्, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त,
(निरीक्षण), बैंगलूर
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० 136 है, जो ओल्ड तालुक क्षेत्री रोड,
बैंगलूर मे स्थित है (और इसमे उपावड़ अनुसूची मे और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गान्धीनगर, बैंगलूर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 दिसम्बर,
1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियो)
के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व मे कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दो मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण मे, मै आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्—

1. श्री इशक यूसुफ, न० 54, नावैली रोड, सिविल
स्टेशन, बैंगलूर, (अन्तरक)

2. श्रीमती गुलबानू रजाक, न० 10, न्यू है स्कूल रोड,
विश्वेश्वरपुरम, बैंगलूर-4 (अन्तरिती)

3. मौ० क० एच० शामा राव एप्ड सन्स, 136, ओ० टी०
सी० रोड, बैंगलूर मिटी। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित मे किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

एव्हरीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय मे दिया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति न० 136, ओल्ड तालुक क्षेत्री रोड,
बैंगलूर सिटी।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूर।

एस० ए० आर।

दिनांक 9 जुलाई 1974।
मोहर।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज,
बैंगलौर, क्रिनांक 11 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1992/73-74/पक्ष्य० (बी०)—
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) बैंगलौर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 79/2 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर बैंगलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यनान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्दि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वधने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपत्ति:—

7-246 GI/74

1. श्री आर० दण्डरथ, नं० 157, डोमलूर, बैंगलौर
(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्गमा पत्नी श्री शिवरुद्रपा पाटिल
नहर गंज, गुलबग्ह (अन्तरिती)

3. श्री आर० सी० मनचन्दा, 79/2, ननदीदुर्ग रोड,
बैंगलौर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वसर्वी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभृत हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 79/2, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर में स्थित है।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलौर।

दिनांक : 11 जुलाई 1974

मोहर :

प्रश्न आई० टी० पृत० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज,

बैंगलौर दिनांक 11 जुलाई 1974

निवेदा मं० सी० आर० 62/1990/73-74/एक्य० (बी०) —
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलौर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 79/4 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आ० दूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाडी नगर बैंगलौर में भारतीय रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1973 को पूर्वोंवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्न विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह फि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोंक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री आर० गुरु रेडी, नं० 157, डोमलूर, बैंगलौर (अन्तरक)

2 श्रीमती प्रमिला बैयहट्टी, मुमुक्षी श्री चन्द्रच्छा पाटेल, नं० 20 कम्प्युटर रोड, बैंगलौर (अन्तरिती)

3 श्री टी० जी० मैथ्य (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयाद्वारा शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 79/4 जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर-6 में स्थित है।

आर० कृष्णमूर्ति,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलौर।

दिनांक : 11 जुलाई 1974।
मोहरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर का कार्यालय,

बैंगलूर दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश मं० सि० भार० ग० 62/1989/73-74—यतः,
मुझे, आर० क्रिणमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेज, बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
मं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर,
बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 3 दिसंबर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री आर० गुरु रेडी, नं० 157, डॉमलूर, बैंगलूर
(अन्तरक)

2 श्री मैथ्यद अद्वुल हफीज, नं० 1-ग, वोर ड्यान्क
रोड, बैंगलूर-१
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जगह न० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर (बेनसन
क्राम रोड के अंकित) जिसकी सीमा $45' \times \frac{72' + 60'}{2}$ है।

आर० क्रिणमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूर।

दिनांक : 9 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ- (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1974

निदेश स० सी० आर० 62/1989/73-74/एन्य० (बी०)—
यत्, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 दिसंबर 1973 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अतरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्री डी० सैम्यद इस्माईल, नं० 28, सैन्ट जान्स चर्च रोड, बैंगलूर
(अन्तरक)

2 श्री आर० दग्गरथ, न० 157, डोमलूर, बैंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह न० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर जिसकी सीमा 39' 9" X 65' 6" है।

आर० कृष्णमूर्ति,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर।

दिनांक : 9 जुलाई 1974

मोहर .

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी आर० 62/1988-सी०/73-74—यत्,
मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित भाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमती में ऑर पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकूर्न अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर
बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 14 दिसम्बर 1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूर्त विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपक्ष निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपमारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सैयद इस्माईल, नं० 28, मेन्ट जान्स चैर्च रोड,
बैंगलूर (अन्तरक)
2. श्री आर० राधव रेड्डी, नं० 157, डोमलीर, बैंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे;

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमती

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर जिसकी
सीमा 59'X50' है।

आर० कृष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 9 जुलाई 1974।

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुका (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 5 मितम्बर 1974

निर्देश मं० एम० आर० इन्डौर 15-12-73—यतः, मुझे
एम० एफ० मुन्ही, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और
जिसकी मं० 69 काट्जू कालोनी इन्डौर मे स्थित
है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वरित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हन्दीर मे भारतीय
रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
11-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलिय
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
मे कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधेश्याम पुत्र श्रीहरिश्चोमल 10/6 जवाहर मार्ग,
इन्डौर (अन्तरक)
2. श्री घनश्याम दाम पुत्र श्री छन्नाराम 10/6 जवाहर
मार्ग, इन्डौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई है, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 69 काट्जू कालोनी इन्डौर।

एम० एफ० मुन्ही,

गधम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 5-9-1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज,

बैंगलूरु दिनांक 9 जुलाई, 1974

निवेश सं० सी० प्रा० 62/1988-बी०/ 73-74 यत, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूरु आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी स० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड बैंगलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता

अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बैंगलूरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन 14-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

१ श्री श्री० मैयद इस्माइल न० 28, मैन्ट जोन्स चॅं रोड
बैंगलूरु
(प्रत्यक्ष)

२ श्री श्रार० राधव रेडी न० 157 डॉमलर बैंगलूरु
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह न० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूरु जिसकी सीमा 46'5"—45' है।

आर० कृष्णमूर्ती
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूरु

तारीख 9-7-1974
मोहर —

प्रलूप आई० टी० एम० एस०.....
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलूर
 बैंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1974

निदेश सं ०सी० आर० 62/1988 प/73-74—यतः मुझे,
 आर० कृष्णमूर्ती, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी संख्या 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है
 (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 14-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
 विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
 अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
 रितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
 कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के
 अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961
 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
 प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
 छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये
 गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री डी० सैयद इम्माईल नं० 28, सैन्ट जान्स चर्च रोड,
 बैंगलूर
 (अन्तरक)
2. श्री आर० गाघव रेडी नं० 157, डामलूर, बैंगलूर
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-
 द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 में किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर जिसकी सीमा
 59' 9" X 45' + 35' है।

2

श्रा० कृष्णमूर्ती
 सकाम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख 9-7-1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एम०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज,

बैगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1973

निवेश स० सी० आर० 62/1987 डी०/73-74 एक्य० (बी)
यत., मुझे, आर० कृष्णमूर्ती, सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण)
बैगलूर आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है
और जिसकी स० 79 है, जो ननदीद्वारा रोड बैगलूर में स्थित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैगलूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
14-12-1973 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह वि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क.) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने गा उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख.) ऐसी किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—246 GI/74

1 श्री ई० सैयद हस्माइल न० 28, मैन्ट जोस्स चर्च रोड,
बैगलूर-1 (अन्तरक)

2 श्री आर० गूरु रेडी न० 157 बैगलूर-7
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या ताम्बवधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास निखित
मे किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किये गये आक्षेपो, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क मे यथापरिभावित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह न० 79, ननदीद्वारा रोड, बैगलूर जिसकी सीमा
59'×50' है।

आर० कृष्णमूर्ती
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैगलूर

तारीख 9 जुलाई, 1974
माहर —

प्रूलप आई० टी० एन० एम०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलौर

बैंगलौर दिनांक 9 जुलाई, 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1987- सी०/73-74 पक्ष्य० (बी)
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ती सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
बैंगलौर आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर में स्थित है (श्री
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलौर में भारतीयरजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाथा गया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री डी० सैयद इस्माईल नं० 28, सेन्ट जान्स चर्च रोड,
बैंगलौर (अन्तरक)
2. श्री श्रार० गुरु, रेहीन० 157 डोमलूर बैंगलौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणीय अधीक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर सिकी सीमा 45' 46, 6" है।

आर० कृष्णमूर्ती
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज बैंगलौर

तारीख:— 9-7-1974

मोहर:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैगलूर वा कार्यालय,

बैगलूर दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश सं० सि० आर०-62/1987-बी०/73-74 एसीक्य० (बी)।—
यतः मुझे, आर० क्रिणमूर्ति, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैगलूर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- स्पष्ट से अधिक है और जिसकी सं० 79
है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैगलूर में स्थित है (और इसमें
उपावस्थ अनुमूल्य में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
श्रद्धिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैगलूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्षण विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रस: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डी० सैयद इस्माईल, नं० 28, सैन्ट जॉन्स चर्च रोड,
बैगलूर (अन्तरक)

2. श्री आर० गुरु, रेडी, नं० 157, डोमलूर, बैगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्पंचांशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उमकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधान सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ध्याकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड बैगलूर जिसकी सीमा 46' 6'' वै 59' है।

ग्रार० क्रिणमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैगलूर

तारीख: 9 जुलाई, 1974
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर का आर्योदाय

बैंगलूर दिनांक 9 जलाई 1974

निर्देश सं० सि० आर०-62/1987-ए/73-74—यतः,
मम्म, आर० किण्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है
और जिसकी सं० 79 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में
स्थित है (और इससे उपावश्च अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैंगलूर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन 3 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री डी० सैयद इस्माईल, नं० 28, सेन्ट जान्स चर्च रोड,
बैंगलूर
(अन्तरक)

2. श्री बी० गरु रेही, न० 157, डोमलूर, बैंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति को द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निधित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 79, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर, जिसकी
मीमा 41'X 59' है।

आर० किण्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर।

दिनांक: 9 जुलाई 1974।

मोहर :

प्रस्तुप आर्ड० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर का कार्यालय
बैंगलूर दिनांक 9 जुलाई, 1974

निर्देश सं० सि० आर०-62/1987/73-74—यत., मुझे,
आर० क्रिष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज बैंगलूर आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी
स० प्लाट नं० 79 है, जो ननदीपुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बैंगलूर में भाग्यी रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेष के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के प्रवृद्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लो० संयद इस्माईल, न० 28, सैन्ट जोन्स चर्च रोड,
बैंगलूर (अन्तरक)
2. श्री जी० रामच्या रेडी, न० 157, डोमलूर, बैंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई
हो, की सुनबाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अतिरिक्ती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है
आक्षेपों की सुनबाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं० 79, ननदीपुर्ग रोड, बैंगलूर जिमकी सीमा
40' X 65½' ।

आर० क्रिष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बैंगलूर

तारीख: 9 जुलाई 1974

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, बैंगलौर

बैंगलौर, दिनांक 11 जुलाई, 1974

निवेश सं० सी० आर० 62/1980/73-74 ए०सी०ष्ट०
(बी०) यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलौर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 79/3 है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के [अधीन दिसंबर, 1973]

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. आर० राधव रेडी, नं० 157, डोमलूर बैंगलौर-7 (अन्तरक)

2. श्रीमती एम० मजमा बैंगम पत्नी डा० जमील प्रहमद, नं० 79/3, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 79/3, ननदीदुर्ग रोड, बैंगलौर।

आर० कृष्णामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेज, बैंगलौर

तारीख:— 11-7-1974

मोहर:—

(जो लागू न हो उमे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलौर

बैंगलौर दिनांक 16 जूलाई, 1974

निदेश स० सी० आर० 62/1974/ 73-74 एक० (बी)
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
बैंगलौर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
शौर जिमकी स० 17 ए है, जो कुमाराकृष्ण रोड, बैंगलौर में स्थित
है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलौर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एस० भानू, (2) मूरली भानू श्रवयस्क द्वारा
ममरेश्वर की के० एम० भानू नं० ६, श्री कृष्ण" 1 काम, जयमहल
प्रम्मेश्वर, बैंगलौर - 6
(अन्तरक)

2. श्री मती परमिला देसाई डा० पि० आर० देसाई हेल्प
एण्ड फैमिली प्लानिंग सर्विसेस एण्ड इनवेस्टमेन्ट (पी) लिमिटेड
नं० 441 कुमारा कृष्ण रोड, बैंगलौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए एतद-
द्वारा कार्यवाहीयाँ शुरू करता हूँ।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुम्मी जगह नं० १७ ए कुमाराकाट के और, कुमारा कृष्ण रोड
बैंगलौर, बैंगलौर जिमकी मीमा ७७×
$$\frac{53+111}{2}$$

ग्राह० कृष्णमूर्ति
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बैंगलौर

तारीख :— 16-7-1974

मोहर :—

(जो लागू न हो उसे काट दिजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 16 जुलाई, 1974

निवेश सं० सी० आर० 62 /1973/73-74/एक्स०० (बी) —
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बंगलौर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० 17 है, जो कुमारकाट से आउट, कुमार कृष्ण रोड, बंगलौर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बंगलौर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः शब्द, धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री के० एस० भानू

(2) मुरुशी भानू प्रब्रह्मस्क द्वारा संरक्षक श्री के० एस० भानू,
न० 6, "श्री कृष्ण" जयमहल एकमटेजन, बंगलौर-६ (अन्तरक)

2. श्रीमती परिमला देसाई आफ पी० आर० देसाई, हेल्थ
एण्ड फैमिली प्लानिंग मरविसेस एण्ड डल्वेस्टमेन्ट्स (पी) लिमिटेड
न० 44, कुमारकृष्ण रोड, बंगलौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैर के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह न० 17, कुमारकाट से आउट कुमारकृष्ण रोड,
ग्राउन्डस, बंगलौर जिमकी सीमा 60 फीट × 40 फीट है।

आर० कृष्णमूर्ति
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख :— 16-7-1974

मोहर :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलौर

बैंगलौर, दिनांक 16 जूनाई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1972/73-74 ग्रंथु० (बी) —यतः
 मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलौर
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 269-वा०
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी
 सं० 9 है, जो कुमारा कृष्ण रोड बैंगलौर में स्थित
 है (ओर इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बैंगलौर में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिसम्बर 1973
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
 गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
 यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
 है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिं था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-वा० के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा० की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
 9—246GT/74

1. श्री के० एस० असोक (2) अरविन्द असोक सेशाद्री अवगत द्वारा सरकार के० ग्रंथु० ग्रंथोक नं० 6 कुमाराकाट कुमारा-कृष्ण रोड, है ग्राउन्डम, बैंगलौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती परिमला देमाई डा० पी० आर० देमाई हेत्थ पण्डि फैमिली प्लानिंग सर्विसेम पृष्ठ इन्वेस्टमेंट (पी) लिमिटेड नं० 44, कुमाराकृष्ण रोड, बैंगलौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उपर सम्पन्न के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हैं, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 9 जो कुमाराकाट ने आउट, कुमाराकाट रोड, है ग्राउन्डम, बैंगलौर में स्थित है और जिसकी सीमा 40' : 70' है।

आर० कृष्णमूर्ति
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलौर

तारीख : 16-7-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/AP - 1045/74-75--
यत., मुझे, डी० पैस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी न० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 8054
दिसम्बर, 1973 में लिखा है जो मकानपुर में स्थित है (आँग इमरे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के
अनुसार अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपत्, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से वर्णित नहीं
किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नलनी दत्ता पत्नी श्री मत्यदेव दत्ता लाडोबाली
रोड, जालंधर तथा श्रीमती म्बनंत्र पत्नी श्री पैस० पी०
कृष्णा, नाजान नगर, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) मैमर्ज हीरो इन्टरप्राइजेज (प्रा०) लि० द्वारा
जोड़इंट मैनेजर विजय सेठी मार्फत पैस० पी० कारपोरेशन
11 शास्त्री मार्कीट, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि न० 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोन्मताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में मचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैमा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 8054 दिसम्बर,
1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० पैस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 जून, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 29 जून, 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/AP-1046/74-75—यतः, मुझे,
झौ० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखन न० 8053
दिसम्बर, 1973 में लिखा है जो मकानसूदपुर में स्थित है (और इसमें
उपांडव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के आधीन दिसम्बर, 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षृश्यमान
प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्षृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती लक्ष्मी देवी भारद्वाज पत्नी श्री पी० पी०
भारद्वाज मार्फत श्री शाम कुमार भारद्वाज पुत्र

श्री सतपाल भारद्वाज वासी सेट्ल टाउन, जालंधर
मार्फत मैसर्ज सतपाल पंडित एंड कम्पनी, प्रापरटी
डीलर्ज जालंधर। (अन्तरक)

- (2) मैसर्ज हीरो इन्टरप्राइजेज (प्रा०) लिमिटेड,
जालंधर मार्फत श्री विजय मेठी जोइंट मैनेजर मार्फत
मैसर्ज ए० पी० कारपोरेशन, II, शास्त्री मार्केट,
जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना की गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के तिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर्मी जैसा कि रजिस्ट्रीटूट विलेख न० 8053 दिसम्बर,
1973 को रजिस्ट्रीटूट अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

झौ० ए० ए० गुप्ता
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 29 जून, 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर दिनांक 29 जून, 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/AP-1047/74-75—यतः
मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०
भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7991
दिसम्बर, 1973 में लिखा है, जो नजदीक टांडा गोड जालंधर
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन दिसम्बर,
1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 26-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनजीत सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह अमर सिंह
सुपुत्र श्री संता सिंह, गांव गायपुर रसूलपुर तथा

बलबन्न सिंह सुपुत्र श्री साधू सिंह सुपुत्र श्री
संता सिंह, मौहल्ला क्रूणा नगर, नकोदार जिला
जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री गुरबक्ष मिह, गुरदेव मिह, सुपुत्र श्री अमर सिंह
सुपुत्र श्री गंडा मिह लम्बगंदार गांव रेड़।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है
(वह व्यक्ति जिसके अधिकारी में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7991 दिसम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 जून, 1974
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 29 जून 1974

सं० एएसआर० /जुल० /ए पी०-1048/74-75—
यतः मुझे डी० ग्र०० गुना आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 7533 दिमाह्वर 1973 में लिखा है जो गाव माहल सूबेदार में स्थित है (ग्रीग हमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारीत रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शब्दीन दिमाह्वर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल सम्भलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, बो, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स यूनिवर्सिट लैड एण्ड फाइनेंस (प्रा०) लिमिटेड दिलकुशा मार्केट, जालंधर मार्केट श्री नौनिहाल मिहू मैनेजिंग डाइरेक्टर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तेज कौर पत्नी श्री दर्शन मिहू सुपुत्र श्री नाभ मिहू, गांव चरार, तहसील जालंधर।

(अन्तर्गती)

(3) जैमा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आप्यो यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 7533 दिमाह्वर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
मक्तम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 29 जून, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जून, 1974

निरेश सं० ए प्र० आर०/जुन०/ग०पी०-1049/74-75

यतः मुझे दी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी म० भूमि का प्लाट जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8289 दिसंबर, 1973 में लिखा है जो शहीद उधम सिंह नगर जालंधर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नामांक्य, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसंबर, 1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर्गत (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए गुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, म, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमीर चन्द सुपुत्र श्री अत्तर मिह भाफंत श्री अत्तर मिह बोध गज मछी मण्डी, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री मीना गम राधेश्याम सुपुत्रान मेहर चन्द सुपुत्र नन्द नाल माफंत मेसर्स सहदेव टूल, ई-72 इन्डिस्ट्रियल प्रिया, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो मन्त्रिति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मन्त्रिति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ग्रेसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8289 दिसंबर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 9 जून, 1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1974

निर्देश म० ASR/JUL/AP-1050/74-75—यत् मुझे,
झौ० पम० गुरुना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी
म० धरती का टकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीड्युक्ट विलेख नं० 8318
दिसम्बर, 1973 में निखा है जो मोहल्ला गुरगोपाल नगर,
जालधर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अन्तर्गती में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पायीक्षण,
जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीवैण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीड्युक्ट विलेख के अनुमान
अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने
के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

ओर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित विषय गण
है।

अतः अब धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परमजीत सिंह और तजिदर सिंह, अमृतपाल सिंह,
पुत्र दी गुरगोपाल सिंह पुत्र श्री वर्ग्याम सिंह, गरहा
वहां अब गाव दकोहा नहमील जालधर।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती गुरनाम कौर पल्ली श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री
मेहगा सिंह वामी खैरा माजा नहमील जालधर।

(अन्तर्गती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में अधोहस्ताक्षर
जानता है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो मम्पत्ति में सचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह मम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त नम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त नम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तन्मध्यंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विभी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिपिन में
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर नम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और शान नियन किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा नम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभायित हैं, वही
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृती

धरनी का टकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीड्युक्ट विलेख नं० 8318
दिसम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालधर में निखा
है।

झौ० पम० गुरुना

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 जून, 1974

मोहल्ला

प्रलूप आई० टी० एन० एस —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1974

निर्देश मं० ASR/JUL/AP-1051/7-I-75—यतः, मुझे,
डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू० मे॒ अधिक है और
जिसकी सं० भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8317
दिसम्बर, 1973 मे॒ लिखा है जो मोहनला गुरगोपाल नगर, जालंधर
मे॒ स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर मे॒ भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री परमजीत मिह, तेजिन्द्र मिह, अमृतपाल सुपुत्रान
गुरगोपाल भिंग सुपुत्र वर्णियाम मिह, गुड़ बेहड़ा और
वामी गाव दकोहा नहसील जालंधर। (अन्तर्गत)
- (2) प्रीतम मिह सुपुत्र महेंद्र मिह सुपुत्र कन्हैया मिह वासी
बंग माझा नहसील जालंधर। (अन्तर्गती)
- (3) जैगा किनं० 2 में है।
(नह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी
जानता है।)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखना हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में रुचिवह है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
बीं जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8317
दिसम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर मे॒ लिखा
है।

डी० एम० गुप्ता
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 29 जून, 1974

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 ग्रग्गस्त 1974

निर्देश सं० ए० सी० 32/आर०-II/कलकत्ता/74-75—
यतः मुझे आर० ए० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी पलाट सं० 11 है, जो 8 पं. आलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ प्रूफेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के

अधीन 27-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—246 GI/74

श्री मुख्यमंत्री जिन्डान, 8 पं. आलिपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)।

श्रीमती शारदा देवी टांडिया, 8 पं. आलिपुर रोड, कलकत्ता। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 पं. आलिपुर रोड, कलकत्ता के पलाट सं० 11 (6 तला) का अभिवाजित आधा हिस्मा।

आर० ए० बुटानी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
पि-13, चोरांगी स्क्यॉपर, कलकत्ता-1।

तारीख : 30-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II कलकत्ता

फलकसा, दिनांक 30 अगस्त, 1974

निर्देश सं० पमि-३०/आर-कलकत्ता /74-75—यत्, मुझे आर० एन० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 601 है, जो ब्लाक-ओ न्यू आलिपुर, कलकत्ता मे० स्थित है और इसमे० उपाबद्ध अनुसूची मे०, और पुर्ण रूप मे० वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के बार्यालय मब रजिस्ट्रार, अलिपुर मदर मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे० कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना।

श्रीर. यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे०, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री स्वरूप कुमार जाना,
डाकघर श्रीर गांधी—कोन्टर्ड, जिला—मेदिनेपुर।

अन्तरक

श्री सत्येन्द्रा नाथ मजुमदार,
718, ब्लाक-पि,
न्यू आलिपुर, कलकत्ता।

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्विंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 601, ब्लाक, ओ, न्यू आलिपुर, कलकत्ता मे० स्थित
3.78 कट्टाम नाम की खानी भूमि।

आर० एन० बुटानी,
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 30-8-1974 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर.

प-13-नोरंगी स्क्योर, कलकत्ता

प्रस्तुत आई० टी० पं० ए० स० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० मि०-२७/आर-॥/कलकत्ता/७४-७५—यत्, मुझे
आर० पं० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और
जिसकी सं० 107 है, जो अलिपुर रोड, मौजा चेतला, थाना
न्यू अलिपुर जिला 24 परगना में स्थित है और इसमें उपाबद्ध
अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकॉर्ट श्रिकारी के
कार्यालय जोन्ट सब रजिस्ट्रार आफ अलिपुर बेहाला में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908—1908 का 16 के अधीन
14-12-1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ
पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त
सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण
मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्न-
लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुप्रसान्ना दास, आलायस मुभाम चन्द्र दास,
स्व. गति लाल दास का पुत्र ।

(2) श्रीमती उषारानी दास, स्वर्गीय गवी लाल दास की
पत्नी ।

(3) श्रीमती कमला दास स्वर्गीय गवी लाल दास की पत्नी,

(4) श्रीमती उमा रानी बसु, श्री अस्त्र कान्ती बसु की पत्नी
सब 242 पं० पं० राय रोड, थाना बेहाला, जिला 24
परगना का ।

ग्रन्तरक

श्री मोहन चन्द्र दत्ता, म्ब० हरिपद दत्ता का पुत्र ।

1, चैनला हाट रोड,

थाना—आलिपुर, जिला 24 परगना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उम्मीद सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

प्रत्येक आयकर अधिसूचित किया जाना है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

107 स०, आलिपुर रोड, मौजा चेतला, थाना न्यू आलिपुर,
जिला 24 परगना में स्थित 4 कट्टा, 3 चिट्ठाक नाम का भूमि ।

आर० पं० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II

पि-13, चोरगी स्कोर्प, कलकत्ता-1

तारीख : 30-8-1974

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1974

निर्देश सं० एस०आर/भोपाल 10-72-73— अनः मुझे
श्री एम० एफ० मुन्ही, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 84 है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), नजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकूट प्राधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-12-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों)
के भीतर तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या ब्रन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाबूलाल जैन (बिनोद) पुत्र श्री दीलतराम जैन
चौक भोपाल (अन्तरक)

2. श्री बानामल पवद्या पुत्र श्री श्रीपाल जैन चौक भोपाल
(अन्तरिती)

3. श्री शिखर चंद जैन पुत्र श्री हुकमचंद जैन चौक भोपाल
(म० प्र०) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किय जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थानकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 84 दो मंजिला जुमेराती, भोपाल

एम० एफ० मुन्ही,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 5-9-74

मोहर :

प्रॅलप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर का कायलिय

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/AP-1052/74-75—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० धर्ती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7715 दिसंबर, 1973 को लिखा है जो धौल कलां में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण हृष्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन दिसंबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सतिन्दर मिह पुत्र श्री नरिन्दर सिंह सरकारिया गाव धौल कलां नहसील और जिसा अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री मेजर सिंह, जरनैल सिंह, लखवीर मिह, गुरनाम सिंह रणजीत मिह पुत्र श्री जागीर सिंह गाव खैराबाद
(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो मम्पत्ति में सचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर्ती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7715 दिसंबर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 29 जून, 1974

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 3 अगस्त 1974

निर्देश सं० ८० सि० ३७/आर० II/कल/74-75—यत् मुझे
आर० प्र० बुटानि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स० ८० है, जो आलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित
है और इससे उपावढ़ ग्रनुसूची में और पर्याप्त रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार अफ एंसुरेंस कलकत्ता में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-1908 का 16 के
अधीन 28-12-1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थात् शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गए हैं।

अतः, एवं, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री राजीव जिल्ला ८ ए, आलीपुर रोड, कलकत्ता । (अन्तरक)

श्री प्राणनाथ कश्यप फ्लैट न० ५५, एमैसडर एपार्टमेंट्स १६/ए, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरिती) ।

श्री राजीव जिल्ला ८ ए आलीपुर रोड, कलकत्ता (वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वे अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० ८ ए आलीपुर रोड, कलकत्ता मकान के नाम
“जिल्ल हाउस उनला, फ्लैट न० १२, इसका अधिभक्त ग्राधा शंश।

वी० पी० मित्तल
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख : 3-6-1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायकर आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 3 मितम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर० इन्डौर 15-12-73—अन्, मुझे,
एम० एफ० मुशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० मकान
न० 17 है, जो इन्डौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, इन्डौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 11-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनिमित्तित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमला बाई तुला परकर विष्वास श्री भालचन्द्रा
शास्त्री तुलापुरकर इन्डौर (अन्तरक)

2. श्री गोपी नाथ गने पुन श्री राम चन्द्र गव गने मकान
न० 38 सिक्कड़ मुहल्ला इन्डौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनसीपल म० 17, पलाट न० 41, नारायण बाग कालोनी,
इन्डौर (म० प्र०)।

एम० एफ० मुशी
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, कलकत्ता का कार्यालय
कलकत्ता, चितांक 30 अगस्त 1974

निवेश सं० एसि-35/आर-II/कस्कता/74-75--यत, मुझे
आर० एल० बुटानी आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना सम्पत्ति के राजपत्र में प्रकाशन की गई है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10/2, है, जो अलिपुर पार्क प्लैम, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफएसुरेन्स बालकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफ्लूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमती शकुन्तला जैन
- (2) श्री चम्पालाल जैन
2. राजा बुडमन्ट स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरक)
- 2. श्री रामानन्द श्रगरवाला,
8, मदन मोहन वर्मन स्ट्रीट,
कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10/2, अलिपुर पार्क प्लैस, कलकत्ता में स्थित, 9 कट्टास, 5 चिट्ठाकास, 34 वर्गफीट नाप का जमीन का अभिवाजिन पांच का एक हिस्मा ।

प्रार० एल० बुटानी,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, पि-13, चोरंगी स्कोर्पेट, कलकत्ता-1
तारीख: 30-8-1974
मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज II कलकत्ता का कार्यालय
कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त, 1974

निर्देश मं० एसि-३१/आर-II/कलकत्ता/७४-७५—यतः, मुझे आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 11 है, जो 8ए०, अलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्पृष्ट से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफएशुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्चवांश प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—246 GI/74

अन्तरक

श्री मुरलीधर जिन्डाल,
8 ए०, अलीपुर रोड,
कलकत्ता ।

अन्तरिती

श्रीमनी गिर्जा देवी टॉटिया,
8ए०, अलिपुर रोड,
कलकत्ता ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति जो, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8ए०, अलीपुर रोड, कलकत्ता का प्लाट सं० 11 (सात तला) का अभिवाजित आधा हिस्सा।

आर० एल० बुटानी,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्र्झ रेज-II
पि-13, चोरंगी स्कोर्यर, कलकत्ता

तारीख : 30-8-1974

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश मं० ए० मि०-३४/आर०-II/कलकत्ता/७४-७५—

यतः मुझे आर० ए० बुटानी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10/2 है, जो आलिपुर पार्क प्लेस, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती शकुन्तला जैन, (2) श्री चम्पालाल जैन, 2, राजा बुडमन्ट स्ट्रीट, कलकत्ता । (प्रत्यक्ष)
2. श्री ओमप्रकाश गुप्ता, 14-ए, सरकार लेन, कलकत्ता । (प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10/2 आलिपुर पार्क प्लेस, कलकत्ता में स्थित, 8 कट्टास, 5 चिट्ठाकर 34 वर्ग फीट नाम का, जमीन का आभिवाजि पांच में एक हिस्सा ।

आर० ए० बुटानी
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, पि-13, चोरंगी स्कोर्पर, कलकत्ता-1

तारीख : 30-8-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० इस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1974

निदेश सं० आई० ग० सी०/एक्य०/।/एम० आर०-III/फेब्र०
II/1673/74-75/2508—यतः, मुझे, डी० बी० लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 28-ए है, जो कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-2-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ह्रौदी किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के विविध में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छान या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-ए के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम;
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं० आनंदा प्रदेश इलैक्ट्रिकल इक्यूपर्मेट का०, प्रो० मै०
इलैक्ट्रिक कामन्ड्रक्षण प्र० इक्यूपर्मेट का० लि०, 28-ए, कस्तूरबा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. कुमारी कल्पना जाजू (नाबालिंग) ग्रपने पिता व
गाजियन श्री श्राव० एन० जाजू द्वारा, निवासी 7, श्री राम रोड,
दिल्ली। (अन्तरिती)

3. मै० बर्मा शैल आयल स्टोरेज व डिस्ट्रीब्यूटिंग का०,
28-ए, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-ए में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायकाद नं० 28-ए, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली की
ग्रनेक्सी-2, की पहली मंजिल में 250 वर्ग फुट जगह तथा भूमि
में अविभाजित 1/120वां हिस्सा तथा 1/120 वां हिस्सा अन्य
चौजों में जैमे कि बाथरूम, लिफ्ट व एयर कन्डीशन यूनिट आदि-
आदि।

डी० बी० लाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख : 6 सितम्बर 1974

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1974

निर्देश सं० पृ० आर० देवाम—अतः, मुझे, पृ० पृ० मुंशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सरबे नं० 132 है, जो कालू खेड़ी देवास में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-12 1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर्रक (अन्तर्रकों) और अन्तर्रिती (अन्तर्रितियों) के बीच तथ्य पाया गया गए अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्रक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यष्टियों, अर्थात्—

1. (1) श्री नारायण मिह पुत्र रघनाथ मिह (2) मनोहर सिह पुत्र हरि सिह (3) मोहन सिह पुत्र हरि सिह राधा गंज देवास (अन्तर्रक)

2. मेसर्स स्टील टर्गवस आफ इंडिया प्रा० लिमिटेड 27/34 इंडस्ट्रियल स्टेट पोलो ग्राउन्ड इन्डौर (अन्तर्रिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्रिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम कालू खेड़ी के खाते पैकी सं० न० 132/1 पैकी रकम 4. 66 लगान रुपए 13. 56।

पृ० पृ० मुंशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 3-9-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 31 जुलाई, 1974

निर्देश सं० ग प्रम आर०/जुल०/ग पी०-1054/74-75-
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- स० से अधिक है
और जिसकी संख्या सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
8205, दिसम्बर 1973 में निखा है, जो पोलीस लाईन रोड,
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उगाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में भारतीय रजिस्ट्रोबारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के
लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कर्मपाल सिंह सन्धू सुपुत्र उधम मिह सन्धू, बासी
सलाला तहसील, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री पुरुषोत्तम देव धीर सुपुत्र राम सहाय धीर, होमिया रपुर
रोड, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अहस्थोनाथरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8205 दिसम्बर
1973 द्वा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों, जालन्धर में निखा है।

डी० एम० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 जुलाई, 1974

मोहर:

प्रस्तुत आई०टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1974

निदेश सं० आई०टी० एन० एस०/एक्य०/१/एम० आर०-III/फेब
II/1672/74-75/2508—यत., मुझे, दी० बी० लाल
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 28-ए है, जो कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेच के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० ग्रान्था प्रदेश इलैक्ट्रिकल इक्यूपमेंट का०, प्र०० मै०
इलैक्ट्रिक कांस्ट्रक्शन एण्ड इक्यूपमेंट द० लि०, 28-ए,
कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. कुमारी आभा जाजू (नाबालिंग) अपने पिता व गांजियन
श्री आर० एन० जाजू द्वारा, निवासी 7, श्री राम रोड, दिल्ली
(अन्तरिती)

3. मै० बर्मा गैल आयल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग क०,
28-ए, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद न० 28-ए, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली की
अन्तर्वसी-2, की पहली मंजिल में 250 वर्ग फुट जगह तथा भूमि
में अविभाजित 1/120 वां हिस्सा तथा 1/120 वां हिस्सा अन्य
चीजों में जैसे कि बाथरूम, लिफ्ट व एयर कन्डीशन प्रॅनिट
आदि-आदि।

डी० बी० लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 सितम्बर 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर० गवालियर 15-12-73—यतः,
मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है और जिसकी सं० म० न० 9/460 है, जो ग्नालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गवालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-21-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकूर विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित लट्टेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के प्रावृद्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुरेश चन्द्र पुत्र श्री रामधन वैध्य पाटनकर बाजार लष्कर गवालियर (अन्तरक)

2. श्री गमस्वरूप मिधल पुत्र श्री कन्हैयालाल (2) श्री मदन लाल मिधल पुत्र श्री कन्हैया लाल चिट्ठनी की गोत लष्कर गवालियर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 9/460 तीन मंजिला पाटन कर बाजार लष्कर गवालियर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेंज, भोपाल

तारीख 3-9-1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

(अन्तरक)

श्री गंगीय जिदल, 8 ए, आलीपुर रोड, कलकत्ता, (अन्तरक)।

श्री प्राणनाथ कश्यप' प्लैट नं 55, ग्रावैंसड़र एपर्टमेन्ट
66/ए, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरक्ति)।

श्री रजीव जिदल 8 ए, आलीपुर रोड, कलकत्ता । (वह व्यक्ति/
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसा
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में प्रयोगिक भाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं 8 ए० आलीपुर रोड कलकत्ता मकान किनाम
जिंदल हाउस इतला, फ्लैट नं 15, इसका अक्षिक्त आधा
शंश।

सी० वी० गुप्ते,
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV,
कलकत्ता

तारीख : 3-6-74

मोहर :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रलेप आई० टी० प८० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालिय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मिनम्बर 1974

निर्देश सं० पाम० आर० इन्डौर 31-12-73—अन्तः, मुझे
एम० प८० मुन्ही आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी
मं० 18/1 है, जो पाम० जी० रोड इन्डौर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्डौर में भारतीय रजिस्ट्री-
कर्ता अधिनियम, 1908 (18908 का 16) के अधीन
19-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यहतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अन्तः अब धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—246GI/74

1. श्रीमती रानी रामा कुमारी गाहबा पनि रानी सुवेरनः
गमजेर जंग बहादुर, 18 महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री टाकुर दाम पुत्र चिमन दास, 865 हरी फाटक मह
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ति नं० 18/1 महात्मा गांधी मार्ग इन्डौर, प८०८०—
4729 स्कैप्यर फीट।

पाम० प८० मुन्ही
मध्यम प्राविकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 5-9-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ज, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 मिन्हम्बर 1974

निर्देश सं० आई० ए० मी०/प्रकृ०/१/एम० आर०-III/
फेब०-II/1671/74-75/2508—यतः मुझे, डी० वी० नाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और
जिसकी स० 28-ए है, जो कम्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्त विलेख के अनुसार अन्तर्गत
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा याया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने
के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कार अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अधार 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अनः अय, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) ८ अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

१ मैं० पान्धा प्रदेश इलैक्ट्रीकल हैक्यूपमेट कारपोरेशन, प्रो०
मै० इन्डिक्ट्रिकल कन्सल्टेंट्स एण्ड इक्यूपमेट क० नि० 28-ए, रम्तूरबा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली । (अन्तरक)

२. श्री रम्ल बाजपाई (नामालिंग) अपने निम्न व गार्जियन
श्री उमेश नारायण नाजगेयी द्वारा निम्नी १० सी० ई० फैक्ट्री
देहली रोड, सोनीपत, हरियाणा । (प्रत्यक्षित)

३. वर्मा शैल अंगूष्ठ मटोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स क०, २८-ए,
रम्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके प्रधिरोग
में सम्पन्न है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद-
धारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखिल में किये जा सकें।

एतद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

प्रष्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में व्यापारिभावित है, वही अर्थ होगा, जो
इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 28-ए, रम्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली की
श्रेणीकरणी-2 की निचली मंजिल में 500 वर्ग फुट जगह तथा
भूमि में अविभाजित 1/60वां दिस्पा तथा अन्य चीजों में जैमें
फि बाथरूम, लिफ्ट व एयरकंडीशन युनिट आदि आदि ।

डी० वी० नाल
नश्वर गणितारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-ज, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 6-9-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायव आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज-1/2, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनाः 6 भित्त्वा 1974

निझ म० दृ० ५० न००/एक्य०/१/एम० आर०-III/फैब० II/1670/74-75/2508— १ मुंजे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० में अधिक है और जिनकी म० 2-ए० है, जो उन्हें गार्धी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और . . उपार्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) गंजमूर्दी। ता प्रधिकारी ने कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-२-1974

का पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत यिन्हें को अनुमान अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गे दिए दृश्यमान प्रतिफल का आद्वह प्रतिष्ठान अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया एम अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधान कर देने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथो को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैं आनंदा प्रदेश दलैक्टिकल एक्यूपमेट का०, प्र०० नै० लौकृकृ काम्मट्कणन एण्ड एक्यूपमेट कम्पनी लि० २४-ए० कस्तूरबा गार्धी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरह)

2. श्रीमती प्रमिला भूवलका पत्नी श्री सी० के० भूवलका निवासी ई० सी० ई० फैक्ट्री, देहली रोड, सोनीपत, हरियाणा। (अन्तरिती)

3. मैं वर्मा जैल प्रायल स्टोरेज १४७ टिस्टीब्यूटिंग न०, १४८, कस्तूरबा गार्धी मार्ग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

तो यह सूचना जागी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के निए एन्द्रद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाग निवित्त में किये जा सकें।

एन्द्रद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई तो लिए तारीख और रथान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एन्द्रद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद न० २८-० कस्तूरबा गार्धी मार्ग, नई दिल्ली की अन्तर्क्षी-२ की निवासी मन्जिल में ५०० वर्ग फूट जगह तथा भूमि में अविभाजित १/६०वा हिंग्सा तथा १/६०वा हिंग्सा अन्य चौंजों में जैसे कि बायचूम, तिपट वायर कन्डीशन यूनिट आर्ड-आर्ड।

डी० बी० लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेज-१, दिल्ली / नई दिल्ली

तारीख: 6-9-1974

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनाक 6 मित्रभर 1974

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०/एम० आर०-III/फॅब० II/1675/74-75/2508—प्रत. मुझे, डॉ. वी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सम्पत्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प० 28-ग है, जो कम्तूरबा गाधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौं हमें उपावढ अनमूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1974 की

पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तर्गती (अन्तर्गती) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की

उम्मीद (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं आनंद्रा प्रदेश इन्डियन इक्विपमेंट वा०, प्र०० मैं इनैक्युक वास्ट्रेशन एण्ड इक्यूपमेंट कम्पनी लि०, 28-ए कम्तूरबा गाधी मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मैं शाह चैरिटेबल ट्रस्ट (ट्रस्टी श्री एन० पी० शाह, श्री एम० एम० शाह, श्री एच० पी० शर्मा के द्वारा) 55 लॉमडाउन गोड, कलकता (अन्तर्गती)

3. बर्मा गैल आरन स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग ल०, 28-ए कम्तूरबा गाधी मार्ग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पन्न है)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उनर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद न० 28-ए कम्तूरबा गाधी मार्ग, नई दिल्ली की अनेक्सी-2 की पहली मर्जिल में 500 वर्ग फुट जगह तथा भूमि में अविभाजित 1/60वा हिस्सा तथा 1/60वा हिस्सा अन्य चीजों में जैसे कि बाथ रूम, लिफ्ट व एयर कन्ट्रोल यनिट आदि-आदि।

डॉ. वी० लाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख : 6-9-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, नारीख 29 अगस्त 1974

निर्देश म 0 183/एकुरे III/74-75/हाव—यतः मुझे पन्न० के० बालनुभवनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी मं० ७८ है, जो गिरीश घोष रोड, बेलुर, थाना बाली, जिला हावड़ा में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दि रजिस्ट्रार प्राफॅश्योरेंस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-73 वो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेश के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास वरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसे जाना चाहिए था, छिपाने के लिए गुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपषारा (1) अ केंद्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक)

श्री व्रह्मदत्त लुनजुनवाला, 12, मुरलीधर मेन लेन, कलकत्ता-7

(अन्तरिती)

श्री गमनिवास गुप्त, 105/21 गिरीश घोष रोड, बेलुर, थाना लिल्या, हावड़ा।

वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

श्रीमती मुश्तिला जैसवाल, 19/1 निदामागर स्ट्रीट, कलकत्ता-9 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत नियत जारी और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 9 कट्टा 14 छटाक और 15 स्क्रेन पुट जमीन माथ उस पर धिरा प्राचीर, मर्नाटरि प्रीभि चेम्बर, पक्का दियालवाला आफिस घर, मिट्टर घर, शेड और गोडाउन और अन्नाच्य स्टोकचर वा फिटिंग जो पौर मं० ७३ गिरीश घोष रोड, बेलुर, थाना बाली, जिला हावड़ा पर अर्वास्थन और जो सब-रजिस्ट्रार हावड़ा द्वारा दलिल सं० 3885/1973 में रजिस्ट्री हुआ।

पन्न० के० वालनुभामनियन,

सक्षम प्राधिकारी,

गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता ।

तारीख : 29-8-74

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 जुलाई, 1974

निर्देश स० ए० एम० बा०/जुल०/ए० पी०-653/74-75—यतः
मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन
सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० सम्पत्ति
जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 8306 दिसम्बर,
1973 में लिखा है जो नंगल खुरद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर, 73 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उम्मेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
भागी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री आनंद मरुप सुपुत्र अमोलक राम सुपुत्र गगा राम, गाँव नंगल खुरद (भोगपुर भुलोबाल गोड पर)। (अन्तरक)

(2) मर्सर अमोलक राईस एण्ड जनरल मिल्ज है० या० दिल्ली । सी-81 साउथ एक्सटेशन पार्ट 2, नई दिल्ली द्वाग श्री कुन्दन लाल सुपुत्र श्री सलामत राय, ह० न० ई० जी० 1027 मोहल्ला गोविन्दगढ़, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी आकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन्त्रित किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—हस्तमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 8306 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सम्म प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 जुलाई, 1974

मोहर।

प्रस्तुता आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
26६-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई, 1974

निवेश मं० ए प्र० आर०/जुल०/ए पी०-1056/74-
75—यतः मुझे दी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 26६-घ के अधीन सभ्यम प्रधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी म० सम्पर्न जैसा कि रजिस्ट्रीकून विलेख नं० 8122,
8123, 8124, 81 '5, 8126 दिसम्बर 1973 मे लिखा है,
जो दिल्कुला मार्किट, जालधर मे स्थित है (और इसमे उपावड
अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जालधर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 टा 16) के अधीन दिसम्बर 1973, को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ता
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए गतिष्ठ, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 26६-ग के अनुसरण मे, मै, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26६-घ की
रपदारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्री नर्म मिह मानन पुत्र श्री बमंत मिह, 389 लाजपत
नगर जालधर। श्री धकर मिह पुत्र श्री बल मिह, श्री मर्वन मिह
जाहन पुत्र श्री गुरपाल सिह, श्री जागीर मिह पुत्र श्री प्रताप मिह,
मार्फत मैनेजमेन्ट आर्क्स, दिल्कुला मार्किट, जालधर।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री मौनिन्दर मिह, कुलदीप सिह पुत्र श्री रेशम
मिह यामी, गाव लितग, त० नकोदर। (अन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 मे है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
मे अधोहस्ताक्षरी जानता है।)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे
हिनबढ है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबढ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क मे पथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8122, 8123,
8124, 8125 और 8126 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, जालधर मे लिखा है।

श्री० एस० गुप्ता,
सभ्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 जुलाई, 1974

मोहर :

प्र॒ल॒प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिसाक 31 जुलाई, 1974

निवेद सं० ८ एम शार०/ग पी०-१०५५/७४-७५— यत
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-पये से अधिक है और जिसकी
संख्या भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख
नं० 2996 दिसम्बर 1973 में लिखा है, जो त्यानन्द नगर,
अमृतसर में स्थित है (प्रौढ़ इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकूट प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेद प्रशाण मुपुत्र कुलजास मल सथा श्रीमती राजशती
पन्नी श्री वेद प्रशाण, गुर बाजार, कुन्ना उपना, अमृतसर।
(अन्तर्गत)

2. श्री जगदीण नाल नारग मुपुत्र श्री अमी वद नारंग, कोट
खजाना, गली कट्टीगा, अमृतसर। (अन्तर्गत)

3. जैसा कि न० २ मे है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे
अधोहस्ताक्षरी जाना है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखना हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जाना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-
द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप मदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ना प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 2996
दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीटरी प्राधिकारी अमृतसर में लिखा
है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख 31 जुलाई, 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त 1974

निवास म० ए० मि० 33/आर० II /कल०/74-75—यह
मुझे आर० एन० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
म० 85 है, जो एम० एन० राय रोड, माउथ मुवाकिन मुनिसिपलिटि
कड़ाजा डि० 24 परगनाम में स्थित है और इसमें उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को
के कार्यालय रजिस्ट्रार अकाउंटरेस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908-1908 का 16 के अधीन 14-12-73
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूल्य
यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिली (अन्तरितयों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसमें बदलने के लिए सुकार बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की इष्टधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—246GI/74

श्री बेगराज शर्मा एम० जि० रोड, जनपाइगडि पश्चिम
बगल (अन्तरक)।

मेरमं श्री गोमिन्द्र प्रोपरटी गड ईन्डेप्रेंट (पि) लि०
2, बाबू रोड कलकत्ता (अन्तरिली)।
भाडा दिया (1) पि० के० अन्नवती (ग्राउंड फ्लोर) (2) निर्मल
शील (फार्वर्ड फ्लोर)। (वह व्यक्ति जिसके आधिभोग में
सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वल्पीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-के व्यापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 85 ए० एन० राय रोड माउथ मुवाकिन मिउवि-
मिपालिदि, कड़ाजा डि० 24 परगनाम।

आर० एन० बुटानी
मक्षम प्राधिकारी,
(नहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज II कलकत्ता

तारीख 30-8-1974

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं:—

1. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड-1, इंसानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 700-50-1250 (परिशोधन सम्भव)। आयु:—वरीयत: 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता:—यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। वायरान संरचना अभिकल्पन में 4 वर्ष का अनुभव।

2. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड-1, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 700-50-1250 (परिशोधन होना है)। आयु:—वरीयत: 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता:—वैज्ञानिक/यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। निर्माण/श्रोवर हाल/अनुरक्षण के दौरान विमान इंजन के निरीक्षण का 3 वर्ष का अनुभव।

3. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रेड-1, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 750-50-1250। (परिशोधन सम्भव): आयु:—वरीयत: 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यताएँ:—वैद्यत् इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री 1 जनित्र सेटों, विद्युत् शक्ति उपस्कर या वायु क्षेत्र प्रकाश उपस्कर का 4 वर्ष का अनुभव।

4. दो बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड-1, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 700-50-1250 (परिशोधन सम्भव)। आयु:—वरीयत: 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता:—इलैक्ट्रोनिकफी में विणेपज्जता सहित इलैक्ट्रोनिकी/वूर-संचार/वैद्यत् इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। अथवा रेडियो/वायरलेस/दूर संचार में विशेषज्ञता सहित भौतिकी में पद्धतीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री। रेडार संस्थापन/संचार और दिग्चालन उपस्कर के निरीक्षण/परीक्षण/परिचालन और अनुरक्षण में 4 वर्ष का अनुभव।

5. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रेड-1, रक्षा इलैक्ट्रोनिक अमूल्यधान प्रयोगशाला, हैंडरायाद, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी—अनिश्चितकाल तक चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 700-50-1250 (परिशोधन सम्भव)। आयु:—वरीयत: 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यताएँ:—दूर संचार इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। अथवा इलैक्ट्रो० के विषय सहित भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री। भवार या रेडार पद्धतियों से संबद्ध अंकीय परिवर्थिकी में अभिकल्पन और विकास कार्य का 4 वर्ष का अनुभव तथा समकालित परिपथ संप्रययणों का प्रकृष्ट ज्ञान।

6. दो बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रेड-1, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 700-50-1250 (परिशोधन सम्भव)। आयु:—वरीयत: 40 वर्ष से

कम। अनिवार्य-योग्यताएँ: यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। यांत्रिक घटकों और इलैक्ट्रो० उपस्कर सम्बन्ध, ऐंटेना मीनारों की संरचना/परीक्षण/निरीक्षण या समान संरचनात्मक कार्य में दायित्व पूर्ण हैसियत से 4 वर्ष का अनुभव।

7. छह बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड-11, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु:—वरीयत: 30 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यता:—सभी पदों के लिए (वर्ग 1 और 11): इलैक्ट्रोनिकी में क्लियोपज्जता सहित इलैक्ट्रो०/दूर संचार/वैद्यत् इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। अथवा रेडियो/वायरलेस/दूर संचार में विशेषज्ञता सहित भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री। वर्ग 1 (3 पद): रेडार संस्थापन/संचार और दिग्चालन उपस्कर के निरीक्षण/परीक्षण/परिचालन और अनुरक्षण में 2 वर्ष का अनुभव। वर्ग 11 (3 पद): लाइन संचार पद्धतियों जैसे मल्टी चैनल कैरिंग्रार, बी० एफ० तार, अंकीय आंकड़े संचार पद्धतियों के निरीक्षण/परीक्षण/परिचालन और अनुरक्षण में 2 वर्ष का अनुभव।

8. सिविल इंजीनियरी का एक आल्याता, राजकीय पाली टेक्निक, गोवा, बमन और दियु सरकार। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु:—40 वर्ष। अनिवार्य-योग्यता:—सिविल इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। 2 वर्ष का व्यावसायिक/अध्यापन अनुभव।

9. एक सहायक निवेशक (प्रौद्यगिकी), अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड, वाणिज्य मंत्रालय। (पद अस्थायी, चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु:—35 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएँ:—शातु इंजीनियरी में डिग्री। अलौह उद्योगों में 3 वर्ष का अनुभव।

10. तीन बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड-II, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु:—वरीयत: 30 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यताएँ:—यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। (ii) ऐंटेना मीनारों अथवा समान संरचनात्मक निर्माणों की रचना/परीक्षण/निरीक्षण का 2 वर्ष का अनुभव।

11. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रेड-11, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना सम्भव)। वेतन:—रु. 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु:—वरीयत: 30 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यताएँ:—इलैक्ट्रोनिकी इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा इलैक्ट्रोनिकी के विशेष विषय सहित भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री। (ii) आयुधों के विकास/उत्पादन/निरीक्षण का 2 वर्ष का अनुभव।

12. एक वरिष्ठ बैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड-II, तकनीकी विकास तथा उत्पादन (आयु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक छलना सम्भव) : वेतन :—रू 400-40-800-50-950। (परिशोधन होना है) : आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यताएँ :—रसायन इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। आयुभों के विकास/उत्पादन/निरीक्षण का 3 वर्ष का अनुभव।

13. तीस कनिष्ठ बैज्ञानिक अधिकारी, वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक छलना सम्भव)। वेतन :—रू 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। (परिशोधन)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यताएँ :—इंजीनियरी में विशेषज्ञता सहित इलैक्ट्रॉनिकी श्रीराम अवधार/विद्युत इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

14. एक अग्नि शमन एवं सुरक्षा अधिकारी, नवीन यतीकोरिन अस्थरगाह, जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक छलना सम्भव)। वेतन :—रू 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—35 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएँ :—मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मैट्रिक। अग्नि शमन इंजीनियर संस्थान की स्नातकता या सह-सदस्यता या राष्ट्रीय अनिग्नशमन शमन सेवा कालेज, नागपुर, का उप्रति डिप्लोमा तथा अग्निग्नशमन सेवा में दायित्वपूर्ण हैमियत में 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

15. सिविल इंजीनियरी का एक सहायक आड्याता, राजकीय पालीटेक्निक, प्रणाली। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक कलना सम्भव)। वेतन :—रू 375-25-500-30-590-द० रो०-30-650। (परिशोधन पूर्व वेतनमान)। आयु :—35 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएँ :—सिविल इंजीनियरी में डिग्री अथवा सिविल इंजीनियरी में राष्ट्रीय प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा तथा 5 वर्ष का व्यावहारिक या अध्यापन अनुभव।

16. एक वरिष्ठ बैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड-I, नौ रसायन तथा आधु बैज्ञानिक प्रयोगशाला, रक्षा मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक छलना सम्भव)। वेतन :—रू 700-50-1250। (परिशोधन पूर्व)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अनिवार्य-योग्यताएँ :—भौतिक रसायन, विज्ञान/भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की एम० एस०-सीम डिग्री। सक्षारण के क्षेत्र में अनुसंधान तथा विकास कार्य का 4 वर्ष का अनुभव।

17. एक रसायनक (वरिष्ठ), भारतीय भू-विज्ञान संबंधण, इस्पात और खान मंत्रालय। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक छलना सम्भव)। वेतन :—रू 700-50-1250। (परिशोधन पूर्व)। अनिवार्य-योग्यताएँ :—रसायन विज्ञान या प्रयुक्त रसायन विज्ञान में एम० एस०-नी० डिग्री। चट्टानों, खनियों, धातुकों, मिट्टी, कोयला, कैस और पेट्रोलियम उत्पादों से सम्बद्ध विश्लेषणात्मक कार्य तथा बहु मूल्य धातुओं को परखने और प्रदर्शक तथा विरल तत्त्वों के निर्धारण का 7 वर्ष का अनुभव तथा विश्लेषण की आधुनिक यंत्र-चालन विधियों का अनुभव।

18. एक वरिष्ठ तकनीकी सहायक, गोआ, दमन तथा विद्यु सरकार। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक छलना सम्भव)। वेतन :—रू 350-25-500-30-590-द० रो०-30-830-35-900। (परिशोधन पूर्व वेतनमान)। आयु :—30 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएँ :—भू-विज्ञान में 'मास्टर' डिग्री या भारतीय स्कूल, धनबाद, से प्रयुक्त भू-विज्ञान में डिप्लोमा। खानों के भूवैज्ञानिक, अन्वेषण या खनिज अन्वेषण/विश्लेषण तथा खानों और खनिजों के विकास से सम्बद्ध सरकारी विभागों में 2 वर्ष का अनुभव।

19. एक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (शिशु रोग विज्ञान), सामान्य अस्पताल, चांडीगढ़। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक छलना सम्भव)। वेतन :—रू 850-50-1000/50-1250। आयु :—45 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएँ :—(i) कोई मान्य मेडिकल योग्यता। (ii) शिशु रोग विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यताएँ जैसे, एम० डी० या एम० आर० सी० पी०, एफ० आर० सी० पी० (कनाडा)। (iii) स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने के बाद उक्त विशेषज्ञता में 5 वर्ष का अनुभव।

20. एक रोग विज्ञानी, स्वास्थ्य सेवा निवेशालय, पणजी, गोआ। (पद अस्थायी, छलते रहना सम्भव और अस्ततः स्थायी)। वेतन :—रू 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। (परिशोधन)। आयु :—30 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएँ :—(i) वही जो उपर्युक्त भद्र संख्या 19 (i) में है। अथवा गोआ मेडिकल स्कूल की डिग्री (मेडिको-सिर्जरी)। अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नेशिप का समापन।

21. गणित का एक आख्याता, राजकीय पालीटेक्निक, गोआ, दमन और दिल्ली सरकार। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक छलना सम्भव)। वेतन :—रू 400-450-30-600-35-670-35-950। (परिशोधन पूर्व वेतनमान)। आयु :—40 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएँ :—गणित में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री। मान्यताप्राप्त कालेज या उत्तर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र प्रदान करने वाली संस्थाओं में 2 वर्ष का अध्यापन अनुभव।

22. एक कंमरामैन. फिल्म प्रभाग, सूखना और प्रसारण मंत्रालय। 'पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक छलना सम्भव)। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित, न मिलने पर अनुसूचित जन जातियों के स्थानेश्वरी दोनों के न मिलने पर अनारक्षित। वेतन :—रू 475-25-500-30-680। आयु :—45 वर्ष। अनिवार्य-योग्यताएँ :—मैट्रिक तथा माथ में चलन-चित्र फोटोग्राफी का 5 वर्ष का अनुभव। अथवा सिनेमा (चलन-चित्र फोटोग्राफी) में डिग्री/डिप्लोमा तथा माथ में चलन-चित्र फोटोग्राफी का अनुभव।

*आयोग के कायलिय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अनिम तारीख 21 अक्टूबर, 1974 (विवेश, अंडमान, निकोबार और लक्ष्मीप के उम्मीदवारों के लिए 4 नवम्बर, 1974)।

पदों श्रादि के बारे में उपर्युक्त संक्षिप्त सूचना है। आवेदन-पत्र और विवरण के लिए सचिव, सघ लोक सेवा शायोग, नई दिल्ली-110011 को बिना टिकट के अपना पता लिखे हुए लिफाके (23×10 मी. मी.) के साथ सद सख्त्या, पद का नाम और विज्ञापन सख्त्या का हवाला देते हुए लिखें।

आयु 1-1-1974 तक की गिनी जाएगी। (विस्थापित, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और सरकारी कर्मचारियों को, जहाँ अन्यथा न बताया गया हो, आयु-मीमा में छूट सम्भव)।

आयाग, उचित समझे तो, योग्यताओं में छूट दे सकता है।

**CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE
REFORMS)**
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th August 1974

No PF/B-127/74-AD 1—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby promotes Shri Biswajit Shah, Sub-Inspector as Inspector of Police in Calcutta Branch of the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation in a temporary capacity with effect from the afternoon of 8th July 1974 until further orders.

No. PF/N-71/74-AD 1—Deputy Inspector General of Police Special Police Establishment, hereby promotes Shri N K Bose Sub-Inspector as Inspector of Police in Calcutta Branch of the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation in a temporary capacity, with effect from the afternoon of 8th July, 1974 until further orders.

G L AGARWAL, Administrative Officer,
for Deputy Inspector General of Police
S P E.

New Delhi-1, the 1974

No. PF/D-10/74-AD V.—The President is pleased to appoint on deputation Shri D. C Vajpai, an I.P.S. officer of West Bengal Cadre, as Supdt of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from forenoon of 8th August, 1974, until further orders.

Shri M K Banerji (Bandopadhyaya) I.P.S. West Bengal was relieved of his duties as SP/CBI/SPE on the forenoon of 8th August, 1974. His services were placed back at the disposal of the State Government.

G I AGARWAL, Administrative Officer(E)
C B I

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL**

New Delhi-110001, the 24th August 1974

No E-38013(1)/2/74-Ad 1—The President is pleased to appoint Shri P P Singh, IPS (Bihar-1956), to the post of Deputy Inspector General Central Industrial Security Force, Eastern Zone with Headquarters at Calcutta with effect from the Afternoon of 2-8-74 vice Shri N. C Pal, IPS (West Bengal-1951), who has been repatriated to his State with effect from the Afternoon of the same date.

The 26th August 1974

No E-38013(3)/6/74 Ad 1—On transfer to office of DIG (F 7)) Central Industrial Security Force, Calcutta, Shri B A Devaya relinquished charge of the post of Asstt. Commandant No 9th Bn Central Industrial Security Force, Dighaghata (Patna) with effect from the afternoon of 6-8-1974.

No E-38013(3)/6/74-Ad 1—On transfer from Patna Shri B A Devaya is appointed as Assistant Commandant (JAO), Eastern Zone, Central Industrial Security Force, with Headquarters at Calcutta with effect from the Forenoon of 7th August, 1974 and assumed the charge of the post with effect from the same date.

उच्च प्रारम्भिक वेतन योग्यताओं के अनुमार दिया जा सकता है।

आवेदन-शुल्क भारतीय पास्टल आर्डर के स्पष्ट में श्राठ रु० (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए दो रु०), विदेश के उम्मीदवार भारतीय दूतावास में शुल्क जमा करें।

पकेत —रु० जा०—अनुसूचित जाति, रु० ज० जा०—अनु-
सूचित जन जाति, रु० य०—अनिवार्य योग्यताएँ।

श्रोक चन्द्र वधोपाध्याय
सचिव,
सघ लोक सेवा शायोग।

No E-38013(3)/9/74-Ad 1—On transfer from Border Security Force, at his own request Shri R. M. Upadhyay Assistant Commandant 58 Battalion, Border Security Force is appointed as Asstt. Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel City, with effect from the forenoon of 20th July 1974 and assumed the charge of the post with effect from the same date.

L. S. BISHT, J.G.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-1, the 20th August 1974

No 2/19 74 Admin.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri O P Yadava I.A.S as Officer on Special Duty in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 14th August, 1974 until further orders.

B. V. DIGHE
Under Secy. (Admn.)
for Central Vigilance Commission

SOUTHERN RAILWAY

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

Shri V. Padmanabhan, a permanent member of the subordinate Railway Audit Service in the Office of the Chief Auditor, Southern Railway is promoted to officiate as Audit Officer with effect from 31-7-74 until further orders. This promotion is provisional.

S P NARAYANA CHETTY
Chief Auditor

**DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS**

New Delhi, the 23rd August 1974

No A 17011(24)/74-A 6—Shri G. S. Munshi, permanent Examiner of Stores and officiating Assistant Inspecting Officer (Tex) in Bombay Inspection Circle of D G S & D, retired from Government service on the afternoon of 30-6-1974 on attaining the age of superannuation.

No A 1/1(657)—Shri H R Diwanjee permanent Superintendent and officiating as Assistant Director of Supplies in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July 1974 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 24th August 1974

No A 1/1(536).—Shri R. H. Benjamin permanent Superintendent and officiating as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July 1974 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-17011(72)/74-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri G. Ganapati, Examiner of Stores in the office of the Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Bombay with effect from the afternoon of the 5-8-74, until further orders.

S. K. JOSHI
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd August 1974

No. 11(10)/70-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri C. Ramanujacharyulu as Audience Research Officer, All India Radio, Bhopal in a temporary capacity with effect from the 1st August 1974 until further orders.

No. 5(27)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. G. Das, Transmission Executive, All India Radio, Tezu to officiate as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 31st July 1974 and until further orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration.
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th August 1974

No. 9-10/74-Admn.I.—The Director of Administration and Vigilance, Directorate General of Health Services hereby appoints Kumari Leelama Abraham to the post of Clinical Instructor, College of Nursing, New Delhi with effect from the forenoon of the 16th February, 1974, on an *ad hoc* basis and until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF COOPERATION)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

N.H.IV Faridabad, the 28th August 1974

No. F.4-6(15)/74-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Jaman Lal has been appointed as Assistant Marketing Officer, Group II on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection, at New Delhi with effect from 6-7-74 (F.N.), until further orders.

No. F.4-4(12)/74-A.F.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri G. Gopala Rao has been appointed as Deputy Senior Marketing Officer, Group II, on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection, at Madras with effect from 29-7-1974 (F.N.), until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser

Bhabha Atomic Research Centre
PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 20th July 1974

No. PA-81(44)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Yogendra Kanaiyalal Thakore, a temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

The 12th August 1974

No. PA/79(11)/72-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Laxman Balajee Gawde, a permanent Upper Division Clerk and a temporary Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assis-

tant Personnel Officer on a temporary basis in the same Research Centre, with effect from the forenoon of May 18, 1974, until further orders.

The 13th August 1974

No. PA 70(9)/74-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/79(20)/73-R-IV, dated February 17, 1974, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Thath Jamnadas Asnani, a permanent Assistant Personnel Officer and temporary Administrative Officer-I, in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Administrative Officer-II, in the same Research Centre, as under :—

- (i) On an *ad hoc* basis from 1-4-74 (F.N.) to 17-5-74 (AN).
- (ii) On a regular basis from 18-5-74 (F.N.), until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd August 1974

No. A32013/5/74EA.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Dhingra, Assistant Aerodrome Officer to the post of Aerodrome Office in the Civil Aviation Deptt., on a purely *ad-hoc* basis with effect from the 14th August, 1974 AN and until further orders. Shri Dhingra is posted at Headquarters.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 24th August 1974

No. A. 32013/12/73-EC.—The President is pleased to approve extension of *ad-hoc* appointment of the undermentioned Technical Officer, in the Civil Aviation Department as Senior Technical Officer upto the 31st October, 1974 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier :

1. Shri P. L. Modgil
2. Shri M. S. Krishnan
3. Shri C. R. Narasingham
4. Shri A. Narendra Nath
5. Shri O. C. Alexander
6. Shri C. V. Venkatesan
7. Shri S. V. Iyer
8. Shri R. C. Roy Chowdhury
9. Shri S. Ramachandran
10. Shri S. K. Chandra
11. Shri G. V. Koshy
12. Shri P. R. Suryanandan
13. Shri N. K. Nanu.

S. GUPTA
for Director General of Civil Aviation

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 28th August 1974

No. E(1)04246.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. P. Loganathan, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 30th May 1974 and until further orders.

Shri A. P. Loganathan, Offg. Assistant Meteorologist has been posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

NOOTAN DAS, Meteorologist
for Director General of Observatories

UNIVERSITY OF DELHI

Delhi, the 15th July 1974

No. IA/72-73/16257.—The annual accounts of the University of Delhi for 1972-73 alongwith the Audit Report thereon are hereby published for information as required under Section 39(ii) of the Delhi University Act 1922 (Act VIII of 1922).

Sd./- ILLEGIBLE
Registrar.

Statement No. 1

Balance Sheet of the University of Delhi as on 31-3-1973

31-3-1972 Rs.	ASSETS	31-3-1973 Rs.
2,86,27,215	1. Buildings	3,13,23,883
44,99,840	2. Furniture and Equipment	60,60,611
58,75,286	3. Science Apparatus	59,81,034
96,10,721	4. Books and Periodicals	1,09,62,227
53,388	5. Sports Materials and Trophies	53,388
	6. Gifts/Donations	
1,55,50,010	(a) Ford Foundation	1,87,72,060
	(b) Scientific equipment imported under \$ 12 Million Indian Higher Edu. Loan	7,62,031
30,26,446	(c) Other Agencies	27,98,874
	7. Accrued Receipts	
2,09,480	(a) Fees from Students	2,48,208
—	(b) Delhi University Computer Centre-1620/II	8,359
1,37,708	(c) Licence fee Dividend etc.	1,64,831
20,11,842	8. (a) Maintenance Grant Investment Account	10,00,000
18,968	(b) Accrued Interest	11,938
1,69,43,949	9. (a) Provident Fund Investment Account	1,94,40,850
2,58,694	(b) Accrued Interest	3,19,289
9,38,000	10. Depreciation Reserve Fund Investment Account	8,88,000
—	11. Publication Fund Investment Account	25,000
1,00,000	12. Reserve Fund Investment Account	—
30,000	13. Vice-Chancellors' Students Fund Investment Account	30,000
21,000	14. Delhi School of Economics Students Welfare Fund Investment Accounts	—
20,000	15. Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarship Fund Investment Accounts	21,500
4,75,000	16. Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Investment Account	5,15,000
6,77,100	17. Sir Shankar Lal Endowment Fund Investment Account	6,77,100
4,15,000	18. Sir Shankar Lal Institute of Music Endowment Fund Investment Account	4,95,000
96,000	19. Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Investment Account	1,03,000
8,10,290	20. Other Endowment Funds Investment Account	9,48,290
60,000	21. Science caution Money Investment Account	60,000
—	22. Miscellaneous Account—Library Deposit Investment Account	30,000
—	23. Accrued Receipts—Delhi University Computer Centre—360/44	9,53,579
14,000	24. Advances	
6,56,227	(a) Permanent Advance	16,750
85,940	(b) Other Advances	8,11,828
	(c) Conveyance Loan	2,34,864
37,33,566	25. Cash	
4,00,643	(a) Cash at Bank	64,13,084
	(b) Cash at First National City Bank, New York out of Ford Foundation Grant (\$ 26,562.98)	1,99,222
7,69,314	26. Sundry Debtors	
99,150	(a) University Press Account to Maintenance Grant Account	7,68,613
	(b) University Press Account to Miscellaneous Account	99,150
9,62,24,777		11,11,97,563

Certified that the Grants have been utilised for and on the purpose for which they were sanctioned and paid.

Foot Note:-

The accrued receipts, as shown in the Balance Sheet, did not include a sum of Rs. 44,998.22 outstanding on account of Royalty due to the University as per royalty statement for the half year ended 30-6-1971 received from M/s Asia Publishing House, Bombay. After serving a legal notice to appoint an arbitrator on their behalf, the publisher agreed to pay the outstanding amount in monthly instalment of Rs. 5,000/- each. Out of the above amount due on 31-3-1973, an amount of Rs. 20,000/- has so far been remitted by the publisher. Royalty statements upto half year ended 31-12-1972 have also since been received since then and the amount still due to the University as on 31-12-73 was Rs. 26,778.89.

Deputy Finance Officer
University of Delhi

Internal Audit Officer
University of Delhi

Finance Officer
University of Delhi

Treasurer
University of Delhi

UNIVERSITY OF DELHI
Balance Sheet of the University of Delhi as on 31-3-1973

31-3-1972		LIABILITIES	31-3-1973
			Rs.
4,77,11,411	1	Grants	5,31,61,201
	2	Gifts/Donations	
1,59,50,653		(a) Ford Foundation	1,89,71,282
30,26,446		(b) Scientific equipment imported under \$ 12 Million Indian Higher Education Loan	7,02,031
		(c) Other Agencies	27,98,874
49,61,309	3	Excess of Income Over Expenditure	57,50,838
1,73,07,055	4.	(a) Provident Fund Account	
2,011		(b) Contributory Provident Fund A/c	1,98,50,919
2,840		(c) General Provident Fund Account	
		(d) Contributory Provident Fund Account refundable to University Grants Commission	3,26,202
1,64,952		(e) Interest Account	2,23,341
9,79,028	5	Depreciation Reserve Fund Account	11,95,396
22,789	6.	Professorship Fund Account	57
32,339	7.	Publication Fund Account	46,749
36,088	8.	Vice-Chancellor's Students Fund Account	30,541
21,000	9.	Delhi School of Economics Students Welfare Fund Account	—
1,00,000	10.	Reserve Fund Account	—
23,922	11.	Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarship Fund Account	24,659
5,59,443	12.	Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Account	5,55,400
6,99,955	13.	Sir Shankar Lall Endowment Fund Account	7,01,719
5,18,353	14.	Sir Shankar Lall Institute of Music Endowment Fund Account	5,26,547
1,30,693	15.	Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Account	1,14,513
8,96,451	16.	Other Endowment Funds Account	10,68,768
5,51,262	17.	Deposit Account of Science caution Money and Library Deposit	5,28,378
	18.	Deposit Account of Contractor Security	2,03,768
12,70,050	19.	Deposit Account of Scholarships	12,08,779
2,99,593	20.	Deposit Account of Research Schemes	3,95,405
37,577	21.	Deposit Account of Prizes and Endowment	37,577
42,701	22.	Deposit Account of Grants for Construction of Constituents Colleges	—
3,58,051	23.	Other Deposit Account	1,92,154
10,067	24.	Delhi University Computer Centre—360/ 44	16,40,940
1,07,340	25.	Conveyance Loan Fund Account	2,74,800
2,00,380	26.	Suspense Account	4,06,000
2,01,018	27.	Accrued Payments	2,00,665
9,62,24,777			11,11,97,563

Certified that the Grants have been utilized for and on the purpose for which they were sanctioned and paid

Deputy Finance Officer
 University of Delhi

Internal Audit Officer
 University of Delhi

Finance Officer
 University of Delhi

Treasurer
 University of Delhi

Note :—Balance Sheet of the Delhi University Press as on 31-3-1973 is appended

UNIVERSITY OF DELHI

Notes on Accounts

1. The "excess of income over expenditure" of Rs. 57,50,838/- exhibited in the University Balance Sheet as on 31-3-1973 is arrived at as under:—

	Rs.
Opening Balance	49,61,309
Less : (i) Inclusion of excess amount due to separation of Press Account from Maintenance Grant Account in the Balance Sheet as on 31-3-1972	701
	<u>49,60,608</u>
(ii) Erroneous inclusion of Permanent Advance under "Excess of income over expenditure" in the Balance Sheet as on 31-3-1966-since adjusted	250
	<u>49,60,358</u>
(iii) Accrued receipts relating to the year 1970-71 though realized during the years 1971 & 1972 but not accounted for in the Balance Sheet as on 31-3-1971 and 1972 respectively-since adjusted	14,622
	<u>49,45,736</u>
(iv) Inclusion of more accrued receipts in the Balance Sheet as on 31-3-1971 and 31-3-1972 respectively—since adjusted	4,354
	<u>49,41,382</u>
(v) Realization of accrued receipts relating to the Post-Graduate (Evening) Classes during the year 1972-73	3,637
	<u>49,37,745</u>

UNIVERSITY

Income and Expenditure

INCOME

	Rs. Ps.	Rs. Ps.
I. Maintenance Grant Account		
1. Grants	1,57,58,912-00	
Less : Capitalized Expenditure	<u>22,73,641-92</u>	1,34,85,270-08
2. Fees from Students	57,51,211-09	
Less: Realized of last years	<u>43,123-00</u>	57,08,088-09
3. Licence fee, Dividend etc.	2,85,200-39	
Less : Realized of last years	<u>22,194-02</u>	2,63,006-37
4. Library Receipts		1,02,029-73
5. Miscellaneous Receipts	5,20,154-91	
Loss : (i) Realization of accrued interest	18,968-42	
(ii) Realization of accrued receipt of Delhi University Computer Centre 1620/II	65-00	19,033-42
		5,01,121-49
6. Accrued Receipts		
(i) Fees from Students	96,409-00	
(ii) Delhi University Computer Centre 1620/II	5,400-98	
(iii) Licence fee Dividend etc.		49,316-76
(iv) Accrued Interest transferred from Maintenance Grant Interest Account		11,938-33

(vi) Prior period adjustments	1,19,426
	48,18,319
Add. (i) Excess of Income over expenditure/Fees relating to the Institute of Post-Graduate (Evening) Studies merged with the University with effect from 1-4-1972	1,34,578
(ii) Excess of Income over Expenditure as per Income & Expenditure statement for the year 1972-73	7,97,941
Closing Balance	57,50,838

2. The 'Loss' of Rs. 3,25,940/- exhibited in the University Press Balance Sheet as on 31-3-1973 is arrived at as under:—

Opening Balance	2,46,635
Add value of machinery written off during 1971-72 not taken into account during 1971-72 under Press Account.	11,527
	2,58,162
Add for the year 1972-73	67,778
Closing Balance	3,25,940

Sd/- Deputy Finance Officer, University of Delhi, Delhi-7	Sd/- Internal Audit Officer, University of Delhi, Delhi-7	Sd/- Finance Officer University of Delhi, Delhi-7	Sd/- Treasurer University of Delhi, Delhi-7
---	---	---	---

Statement No. 3

OF DELHI

Account for the year 1972-73

EXPENDITURE			
	Rs.	Ps.	Rs.
1. Maintenance Grant Account			
1. General Administration			
(i) Pay & Allowances			26,45,786-33
(ii) Other charges		41,77,789-36	
Add : accrued during 1972-73		39,405-59	42,17,194-95
2. Faculty of Arts & Social Sciences			
(i) Pay & Allowances			34,81,453-27
(ii) Other charges		3,38,515-65	
Less : accrued of last year since discharged during 1972-73		12,034-43	
		3,26,481-22	
Add : accrued during 1972-73		14,437-03	3,40,918-25
3. Faculty of science			
(i) Pay & Allowances			26,74,439-86
(ii) Other charges		4,61,990-79	
Less : accrued of last year since discharged during 1972-73		1,25,413-61	
		3,36,577-18	
Add : accrued during 1972-73		90,676-98	4,27,254-16
4. Faculty of Law			
(i) Pay & Allowances			5,26,338-14
(ii) Other charges		15,493-18	
Add accrued during 1972-73		4,511-69	20,004-87
5. Faculty of Music & Fine Arts			
(i) Pay & Allowances			2,43,603-06
6. Faculty of Mathematics			
(i) Pay & Allowances			2,24,212-19
(ii) Other charges		11,93-77	
Less : accrued of last year since discharged during 1972-73		912-00	
		11,001-77	
Add accrued during 1972-73		585-00	11,586-77
7. Faculty of Medical Sciences & Technology :			
(i) Pay & Allowances			59,675-06
(ii) Other charges		89,995-81	
Less accrued of last year since discharged during 1972-73		229-13	
		89,766-68	
Add accrued during 1972-73		346-38	90,113-06

Rs. P. Rs. P.

II. Plan Development Account

Dy. Finance Officer
University of Delhi

**Internal Audit Officer
University of Delhi.**

		Rs. Ps.	Rs. Ps.
8.	Faculty of Management Studios		
	(i) Pay & Allowances		2,35,820-74
	(ii) Other charges		59,122-18
9.	Library		
	(i) Pay & Allowances		5,63,569-74
	(ii) Other charges	1,14,225-78	
	Less: accrued of last year since discharged during 1972-73	82-80	
			1,14,142-98
	Add: accrued during 1972-73	1,473-68	1,15,616-66
10.	W.U.S. Health Centre		
	(i) Pay & Allowances		1,94,185-94
	(ii) Other charges	2,60,265-16	
	Less accrued of last year since discharged during 1972-73	21,081-54	
			2,39,183-62
	Add: accrued during 1972-73	487-20	2,39,670-82
11.	Gandhi Bhawan		
	(i) Pay & Allowances		9,505-86
	(ii) Other charges	5,329-81	
	Less: accrued of last year since discharged during 1972-73	72-86	
			21-48
	Add : accrued during 1972-73		5,278-43
12.	Proctor's office		
	(i) Pay & Allowances		8,268-03
	(ii) Other charges		316-81
13.	Hindi Medium Implementation Board.		
	(i) Pay & Allowances		3,881-19
	(ii) Other charges		137-70
14.	University Athletic Association		
	(i) Pay & Allowances		55,208-07
15.	Delhi University Students' Union		
	Other Charges		1,164-98
16.	Scholarships and Exhibitions		
		2,12,377-78
17.	Grants.		
	(i) University Purposes	9,550-00	
	(ii) Academic purposes	85,959-53	95,509-53
18.	Works, Maintenance & Repairs		
	(i) Pay & Allowances		5,08,500-03
	(ii) Other charges	12,58,327-10	
	Less : accrued of last year since discharged during 1972-73	41,192-16	
			12,17,134-94
	Add : accrued during 1972-73	48,720-00	12,65 854-94
19.	Printing & Binding done through University Press		2 54,959-45
20.	Miscellaneous		8,29,204-11
			<u>1,96,20,732-96</u>

II. Plan Development Account

1.	Fourth Plan Schemes		14,85,020-67
	(i) Pay & Allowances		9,155-55
2.	Outside Fourth Plan Schemes :		
	(i) Pay & Allowances		12,48,911-23
	(ii) Other charges		5,21,712-48
3.	Centres for advanced Studies & Research :		
	(i) Pay & Allowances		8,87,237-13
	(ii) Other charges		6,15,728-13
4.	Miscellaneous schemes		15,447-44
	(i) Other charges		

III. Excess of Income over ExpenditureFinance Officer
University of Delhi.Treasurer
University of Delhi

Statement No. 6

UNIVERSITY OF DELHI
Cash Balance as on 31-3-1973
(as per cash Books)

Name of Account	Rs. Ps.
I. MAIN ACCOUNTS	
1. Maintenance Grant Account	37,49,284-83
2. Plan Development Account	3,10,901-63
3. Capital Account	12,012-80
4. Miscellaneous Account	8,23,825-25
Total—I	48,96,024-51
II. OTHER ACCOUNTS	
1. (i) Provident Fund Account	1,25,601-94
(ii) Contributory Provident Fund Account	2,15,600-48
(iii) General Provident Fund Account	(—)27,080-78
(iv) C.P.F. A/c refundable to University Grants Commission	3,26,201-72
2. Depreciation Reserve Fund Account	3,07,396-48
3. Professorship Fund Account	57-00
4. Publication Fund Account	21,749-23
5. V.C. Students Fund Account	541-08
6. Dr. Gokal Chand of Gujarat loan Scholarship Account	3,158-68
7. Sir Sri Ram Chair in Physics End. Fund A/c	40,459-82
8. Sir Shankar Lall End. Fund Account	24,618-84
9. Sir Shankar Lall Institute of Music Endowment Fund Account	31,547-00
10. Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Account	11,513-57
11. Other Endowment Funds Account	1,20,477-86
12. Science Caution Money Account	38,353-73
13. (i) C.S.I.R. Scholarships Account	1,84,901-73
(ii) U.G.C. Scholarships Account	52,024-98
14. Conveyance Loan Fund Account	39,935-89
Total—II	15,17,059-25
Total—I & II	64,13,083-76
1. Cash at Bank at First National City Bank New York out of Ford Foundation	1,99,222/-

Statement No. 20(a)

UNIVERSITY PRESS
Balance Sheet as on 31-3-1973

As on 31-3-1972	ASSETS	As on 31. 3. 1973
Rupees		Rupces
2,02,320 Machinery, furniture and equipment		1,96,343
1,90,348 Composing Material		2,00,434
8,04,367 Accrued Receipts		8,56,301 (1)
89,278 Stock in Hand		80,992
26,700 Work in progress and not billied for		5,700
500 Permanent Advance		500
49,576 Cash at Bank		39,090
2,46,635 Loss		3,25,940
— Festival Advance		0,980
16,09,724		17,06,280
<i>Liabilities</i>		
1,62,442 (i) U.G.C. Special Grant for purchase of Press		1,62,442
2,25,979 (ii) Grant out of Block Grant		2,25,979
<i>Sundry Creditors</i>		
99,150 (i) Miscellaneous Account		99,150
7,69,314 (ii) General Fund Account		7,68,613
3,50,000 Loan from Miscellaneous Account		4,50,000 (2)
2,839 Deduction from Salary Bills (Deposit A/c)		0,096
16,09,725		17,06,280

Note: 1. The amount of accrued receipts outstanding as on 30-9-1973 was Rs. 3,44,356/- relating to the period upto 31-3-1972 and Rs. 1,11,867/- for the year 1972-73, amounting to Rs. 4,56,223/-. Out of this amount, records relating to an amount of Rs. 2,19,910/- for the period prior to 1967-68 are not available and a sub committee of the Press Management Board is looking into the matter.

2. An amount of Rs. 1.5 lakhs has since been repaid to miscellaneous account as on 30-9-1973.

Statement No. 20(b)

PROFIT AND LOSS A/C OF UNIVERSITY PRESS FOR 1972-73

Opening Stock as on 1-4-1972

	Rs.	Ps.	Rs.		Rs.	Ps.	Rs.	
1. Paper Material	84,054	00	89,278	00	By printing & binding	4,24,283	73	
2. Binding Material	5,224	00			(amount billed for)			
Work in progress	26,700	00	26,700	00	Sale of Waste Paper cutting	10,514	18	
EXPENSES:								
Pay & Allowance	3,47,091	02			Miscellaneous Receipts	51	15	
P. F. Contribution	2,471	32					4,34,849	06
E.S.I. Contribution	12,712	32	3,81,274	66	Work in progress and not billed for		5,700	00
MATERIALS:								
Paper	53,288	09			STOCK IN HAND			
Binding	16,489	02	69,777	11	(i) Paper	74,679	83	
					(ii) Binding	6,312	05	
							80,991	88
OTHER CHARGES :								
1. Contingency	16,861	82						
2. Rent, Rate & Taxes	5,170	80						
3. Postage	156	70			Loss		67,778	15
4. Factory Licence Fee	100	00						
			22,289	32				
Total	5,89,319	09					5,89,319	09

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the foregoing accounts and Balance Sheet of the University of Delhi and obtained all the information and explanations that I have required and subject to the observations in the Audit Report appended, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these accounts and the Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the University according to the best of my information and explanations given to me as shown by the books of the University of Delhi, Delhi.

New Delhi
Dated: 22nd April, 1974

Sd/
(P.N. JAIN)
Accountant General, Central Revenues

AUDIT REPORT ON THE ACCOUNTS OF DELHI UNIVERSITY FOR THE YEAR 1972-73

1. Unrealised tuition fees, royalty etc.

An Amount of Rs. 14.22 lakhs due to the University remained unrealised as on 31st March, 1973. The details are as under:
(In lakhs of rupees)

Tuition fees from students	2.48
Licence fee, dividends etc.	1.65
Computer Centre	9.62
Royalty	0.47
Total	14.22

Of the unrealised amount of Rs. 14.22 lakhs, Rs. 3.16 lakhs were outstanding as on 31st March, 1972.

Of the outstanding tuition fees of Rs. 2.48 lakhs, Rs. 1.51 lakhs were due for recovery as on 31st March, 1972. An amount of Rs. 0.26 lakh was due from students who had left the Universities.

The University stated (April, 1974) that, of the unrealised amount of Rs. 14.22 lakhs, Rs. 9.54 lakhs had been recovered by 25th March, 1974.

2. Contingent advances

Contingent advances paid upto March, 1973 to various departments of the University remained unadjusted till 31st July, 1973 as per details given below:

1964-70	0.43
1970-71	0.42
1971-72	1.10
1972-73	4.01
Total	5.96

The University stated in April, 1974 that Rs. 3.75 lakhs had been adjusted by then.

3. Physical verification of stores etc.

Physical verification of stores and stock, required to be done yearly since 1964 in the Zoology Department. The verification last done in 1968 and 1969 in the Physics and Chemistry departments respectively disclosed shortages of stores etc. valued at Rs. 5.90 lakhs which are yet to be regularised. The University stated (March, 1974) that shortages in the Chemistry department of consumable stores and glassware valued at Rs. 3.55 lakhs were written off in June, 1973. Shortages for the balance of Rs. 2.35 lakhs were under investigation by Departmental committee, set up by the Executive Council.

Physical verification of the books in the University's library conducted for the first time in July, 1972 disclosed shortages of 53,677 books. The University stated (March, 1974) that the Librarian was taking action to re-verify the books and his report was awaiting.

Sd/
(P.N. JAIN)
Accountant General, Central Revenues,

New Delhi, 22nd April, 1974

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL
EXCISE

Bombay-400038, the 23rd August 1974

No. 4.—Shri Mani Kant Sohal is appointed as Appraiser in the Bombay Custom House with effect from 9-7-1974 (F.N.) and until further orders.

No. 6.—Shri Amar Krishna Biswas is appointed as Appraiser in the Bombay Custom House with effect from 17-7-1974 (F.N.) and until further orders.

The 23rd August 1974

No. 7.—Shri Probanjan Kumar Mishra is appointed as Appraiser in the Bombay Customs House with effect from 25-7-1974 (F.N.) and until further orders.

The 22nd August 1974

No. 8.—Shri Suresh Narain Prasad is appointed as Appraiser in the Bombay Custom House with effect from 10-7-1974 (F.N.) and until further orders.

M. R. RAMACHANDRAN
Collector of Customs

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

Office of the Engineer-in-Chief

New Delhi, the 26th August 1974

No. 5/2/71-ECI.—The President is pleased to appoint Shri A. V. Krishna Rajendra, formerly Assistant Engineer (Elect) Central Elecct. Sub-Division No. III, C.P.W.D., Madras, on the results of the Engineering Services Examination, held in 1972 on probation to the Central Electrical Engineering Services Class I, in the Central P.W.D. against a temporary post of Asstt. Executive Engineer (Elect.) with effect from 14-3-1974 (F.N.).

No. 5/2/71-ECI.—The President is pleased to appoint Shri Lal Chand Raha, on the result of the Engineering Services Examination held in 1972, on probation in C.E.S. Class I, in the Central P.W.D., against a permanent post of Asstt. Executive Engineer (Civil) with effect from 18-7-74 (F.N.)

DHAN RAJ
Dy. Director of Administration

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 23rd August 1974

No. 15.—Shri V. S. Saxena, Asstt. Personnel Officer (Class II), Northern Railway, has finally retired from service w.e.f. 31-7-74 A.N.

C. S. PARMESWARAN
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
In the matter of the Companies Act, and of CHIRKUNDA
ROLLING MILLS PRIVATE LIMITED

Patna, the 23rd August 1974

No. 9(975)73-74,2467.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

the name of the CHIRKUNDA ROLLING MILLS PRIVATE LIMITED has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies

Hyderabad, the 26th August 1974

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/S STAR MOVIETONE PRIVATE LIMITED

No. 386/T(506).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/S STAR MOVIETONE PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/S ALLWYNS COFFEE COMPANY PRIVATE LIMITED

Hyderabad, the 26th August 1974

No. 433T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of M/S ALLWYNS COFFEE COMPANY PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies

Kanpur, the 26th August 1974

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/S ANUPAM SHOE COMPANY PVT. LTD.

No. 8/102/2943.LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/S ANUPAM SHOE COMPANY PVT. LTD. unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. C. BASU
Registrar of Companies

In the matter of the Companies Act, 1956 and In the
matter of SOWBAGYA CHIT FUNDS PRIVATE
LIMITED

(Section 445 of the Companies Act, 1956)

No. 6134/Clinq.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 15th February 1974, passed in C.P. No. 75 of 73 the company SOWBAGYA CHIT FUNDS PRIVATE LIMITED, was wound up.

P. ANNAPURNA
Addl. Registrar of Companies

FORM ITNS—

(2) Sri Ramanand Agarwala 8, Madan Mohan Burman St, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No. AC-35/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/2 situated at Alipore Park Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 29-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala Jain (2) Sri Champalal Jain both of 2, Raja Woodmunt St, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in piece of land measuring 8 Cottahs, 5 Chittacks & 34 sq. ft. at 10/2, Alipore Park place Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date . 30-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE, CALCUTTA-1**

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No. AC32/R-II/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 11 situated at 8A, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 27-12-73.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Murlidhar Jindal 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Mrs. Sarda Devi Tantia 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 ('43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in flat No. 11 of (6th floor) 8A, Alipore Road, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 30-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No. AC-30/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. L. Butani, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 601 situated at Block "O", New Alipore, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Sub-Regist. at Alipore Sadar, Calcutta on 13-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Swarup Kumar Jana P. O. & Vill Contai Dist. Midnapur (West Bengal).

(Transferor)

- (1) Sri Satyendra Nath Mazumdar, Advocate 718, Block P, New Alipore, Calcutta.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot of land measuring 3.78 cottahs comprising of Plot No. 601, Block "O" New Alipore, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta-1.

Date . 30-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8317 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Paramjeet Singh, Tejinder Singh, Amrit Pal s/o Shri Gur Gopal Singh s/o S. Waryam Singh of Gurah Vehnda mesently R/o Vill. Dakota Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh s/o Shri Mehanga Singh s/o Shri Kanhai Singh R/o Khaira Majha Teh. Jullundur (Transferee)

Date : 29th June 1974

Seal :

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

FORM ITNS—

(2) Sunderdas S/o Shri Chattaram,
R/o 47, Jairampur Colony, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
Bhopal

Bhopal, the 5th September 1974

ReL No. SR/INDORE/15-12-73.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 69, Katju Colony House, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Radheshyan S/o Shri Hariyomal,
R/o 10/6 Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 69, Katju Colony, House, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5.9.1974

Seal :

FORM I T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No. AC-31/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Flat No. 11 situated at 8A, Alipore Rd., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office Registrar of Assurances, Calcutta on 27-12-1973 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Murlidhar Jindal, 8A, Alipore Rd., Calcutta.
(Transferor)
- (2) Mrs. Ginni Devi Tantia, 8A, Alipore Rd., Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in flat No. 11 (7th floor) of 8A, Alipore Rd., Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta-1.

Date 30-8-1974.

Seal .

FORM ITNS—

- (2) Smt. Tej Kaur w/o Shri Darshan Singh s/o Shri Labh Singh V Charchar Teh. Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1048/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 7533 of December, 1973 situated at Vill. Muhal Subedar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s Universal Fin & Finance (P) Ltd, Dilkusha Market, Jullundur through Shri Naunihal Singh Managing Director. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7533 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 29th June 1974

Seal:

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th August 1974

Ref. No. AC-29/R-II/74-75.—Whereas, I, R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 107 situated at Alipore Road, Mouza Chetla, P.S. New Alipore Distt. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Joint Sub Registrar of Alipore, Behala on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Suprasanta Das Alias Subhas Ch. Das s/o Late Goti Lal Das
- (2) Sm. Usarami Das, wife of Late Goti Lal Das.
- (3) Sm. Kamala Das, wife of late Goti Lal Das.
- (4) Sm. Umarani Basu wife of Sri Arun Kanti Basu. All of 242, S. N. Roy Road, P. S. Behala, Distt. 24-Parganas.

(Transferors)

2. Sri Mohan Chandra Dutta S/o Late Hari Pada Dutta I, Chetla Hat Road, P. S. Alipore, Dt. 24-Parganas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date & place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Cottabs 3 Chittacks at No. 107, Alipore Road, Mouza Chatla, P. S. New Alipore, Dt. 24-Parganas.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta-1.

Date . 30-8 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1046/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 8053 of December, 1973 situated at Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Smt. Lakshmi Devi Bhardwaj w/o Shri P. P. Bhardwaj through Shri Sham Kumar Bhardwaj s/o Shri Sat Pal Bhardwaj R/o Central Town, Jullundur c/o M/s Sat Pal Pandit & Co., Property Dealers, Jullundur. (Transferor)

(2) M/s Hejo Enterprises (P) Ltd. Jullundur through Shri Vijay Sethi, Joint Manager c/o M/s S. P. Corporation, 11, Shastri Market, Jullundur. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8053 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Ghanshyamdas Chattaram,
R/o 10/6 Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th September 1974

Ref. No. SR/INDORE/15-12-73.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 69, Katju Colony House, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-12-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radheshwan S/o Shri Hariyomal,
R/o 10/6 Jawahar Marg, Indore.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 69, Katju Colony, House, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5.9 1974
Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Sivasaillam Stores,
S/Sri I. S. Mohanarao, 2 S. Krishnarao, 3. S. Narayana Rao, 4. Smt. S. Papai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 18th July 1974

Ref. No. J. No. T(1866)/73-74.—Whereas, I, K. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 48-19-11 Asilmetta Junction, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

31-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Esso Eastern INC,
17, Jamshedji Tata Road, Bombay-400020.
(Transferee)

16—246GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam Dist.—Town Survey No. 630—Block No. 25—Allipuram Ward—Door No. 49-19-11—Municipal Asst. No. 31230 Asilmetta—Adjacent to the Main Road leading Waltair Station.

North : Sri Krishna Motor Engineering Workshop
South : Station Road
East : 35 feet lane
West : Major Venkalah's Building.

K. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 24-7-1974

Seal :

Form No 1 T N S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref No ASR/JUL/AP 1047/74-75—Whereas I, D. S Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No 7991 of December, 1973 situated at Near Tanda Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manj Singh s/o Shri Amar Singh, Shri Amar Singh s/o Shri Santa Singh of Village Raipur Rasulpur and Balwant Singh s/o Shri Sadhu Singh, Sadhu Singh s/o Shri Santa Singh of Mohalla Krishan Nagar, Nakodar Distt Jullundur
(Transferors)

- (2) Shri Gurbux Singh, Gurdev Singh s/o Shri Amar Singh s/o Shri Ganda Singh Lamberdar of Vill. Reru. (Transferees)
- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 7991 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur

D. S GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferor)(2) Shri P. N. Chakraborty.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Bombay-20. the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/903/1900/74-75.—Whereas, I. V. R. Gupte,
the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II Bombay,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. II of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-12-1973,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Pestom Sagar in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-lot No. II of Sector 'B' and containing by admeasurement 684 sq. yds. or thereabouts equivalent to 571.824 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-lot is bounded as follows that is to say : On or towards the North by Sub Plot No. 10 of the said layout scheme On or towards the South by Garden of the said layout scheme and On or towards the East by 30 ft. Service Road of 'B' Sector and On or towards the West by : Trust property.

V. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5th August, 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd July 1973

Ref. No. CR.62/2013/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 42, 53, 52 and 43 situated in Industrial Suburb, Rajajinagar, Bangalore (full detailed in schedule), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore on 22-12-73, for an apparent considera-

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. N. Kameswari w/o Late Dr. N. Jaraman,
2. Shri J. Rajaram,
3. Shri J. Kashinath,
4. Smt. J. Ramadevi,
5. Smt. J. Kamala,
6. Smt. J. Vimala,
No. 550, 8th Main Road, Malleswaram, Bangalore.
7. Smt. J. Kalyani w/o Nagarajan,
No. 54, 13th Cross, Malleswaram, Bangalore.
8. Smt. J. Jayalakshmi w/o Shri Gopalan,
550, 8th Main Malleswaram, Bangalore.

(Transferor)

- (2) M/s. Bangalore Oil and Cake Industries (P) Ltd.,
I Main Road, N.T. Pet, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. Site No. 42 and 53 measuring $100 \times \frac{392+390}{2}$ with sheds, godowns, buildings, office rooms, store rooms, boilers, trees, well, water connections, electric connections, fittings, fixtures and machineries.
2. Site No. 43 and 52 measuring $100 \times \frac{392+393}{3}$ with sheds, godowns, buildings, office rooms, store rooms, boilers, trees, well, water connections, fittings and fixtures and other machineries.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore-27

Date : 22-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE CALCUTTA-I

Calcutta-I, the 30th August 1974

Ref. No AC-34/R-II/Cal/74-75 —Whereas, I, R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 10/2 situated at Alipore Park Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Ac, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Registrar of Assurances, Calcutta on 29-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferee; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shakuntala Jain (2) Sri Champalal Jain
Both of 2, Raja Woodmunt St., Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Omprakash Gupta, 14-A, Sarker Lane, Calcutta.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in piece of land measuring 8 Cottahs, 5 Chittacks & 34 sq. ft. at 10/2, Alipore Park Place, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta-I.

Date 30-8-1974.

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore-27, the 16th July 1974

Ref. No. CR.62/1973/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, situated at Kumaracot layout, Kumarakrupa Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on December 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. S. Bhanu, 2. Shri Murali Bhanu minor by Guardian Shri K. S. Bhanu, No. 6, Sri Krishna 1st Cross, Jayamahal Extension, Bangalore-6. (Transferor)

- (2) Shrimati Parimala Desai of Dr. P. R. Desai, Health and Family Planning Services and Investment (p) Ltd., No. 44, Kumarakrupa Road, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 17, Kumaracot layout, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore measuring 60'×40'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 16-7-1974.
Seal :

FORM ITNS —————

(2) Shri Syed Abdul Hafeez, No. 1-A, Bore Bank Road,
Bangalore-1, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
 BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1989-A/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3697) on 3-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Guru Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cacant site in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore measuring 45'×72'+60' facing Benson Cross Road, Bangalore.

2

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.
Seal :

FORM TTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1994/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 136, situated at Old Taluk Katcheri Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexure hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore on 20-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ishak Yousuf,
No. 54, Lavellee Road,
Civil Station,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Gulbano Razak,
No. 10, New High School Road,
V. V. Putam, Bangalore-4.

(Transferee)

(3) M/s. K. H. Shama Rao and Sons,
No. 136, O.T.C. Road,
Bangalore.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 136, Old Taluk Cutchery Road,
Bangalore City.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 9-7-1974

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
BANGALORE**

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/2222/73-74/ACQ(B).—Whereas, I R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore, (Document No. 4346) in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. Syed Ismail
No. 28 St. John's Church Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri G. Ramaiah Reddy,
No. 157, Domlur,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot of land measuring 59'×52'+41' in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore. 2

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
12th MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 27th July 1974

Ref. No. F. 2108/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Door No. situated at New T.S. No. 1205 (Part), T.S. Ward No. I, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on 13-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri C. B. Venkatesan, 2. Shri C. B. Srinivasan, 3. Shri C. B. Suresh, S/o late Bashyam Iyer, Nos. 1 and 2, Arts College Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt M Ayesha Khani Ammal, W/o Shri K. S. K. Mohamed Haneefa, 7/17 State Bank Road, Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 19 cents bearing New T.S. No. 1205 (Part) (T.S. Ward I) situated on the Huzur Road, Coimbatore

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6

Date 27-7-1974

Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Mohanlal Basudeo Sigtia
Smt. Leelakumari Mohanlal Sigtia,

(Transferor)

(2) S/Shri I. Panchabhai Bhagwanji Patel, 2. Kanjibhai Bhagwanji Patel, 3. Rajabhai Bhagwanji Patel 4. Bhagwanji Ramji Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Bombay-20, the 6th August 1974

Ref. No. AR-II/909/1906/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 186, TPS No II, City S. No. 1613 situated at Vile Parle (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 12-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon, situate lying and being and being at Dikshit Road, Vile Parle (East) in Greater Bombay Area in the Registration District Bombay Suburban Sub-District Bandra bearing Plot No. 186 of Town Planning Scheme No. II, Vile Parle containing by measurement 947.30 square metres equal to 1133 sq. yds. or thereabouts and bearing City Survey No. 1613 of Vile Parle Taluka Andheri and bearing Municipal 'K' Ward No. 374 (1 & 2 Street Nos. 13 and 13A of Dikshit Road and bounded as follows :—That is to say On or towards the East by the property belonging to Basantidevi Prahladrai Dalmiya; On or towards the West by the Municipal Nalla and beyond that by Final Plots No. 187 of T.P. Scheme No. II; On or towards the North by the Public Road known as Dikshit Road; and On or towards the South by the property bearing Final Plot No. 183 of T.P. Scheme No. II.

V. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6th August, 1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri R. Dasarath, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. ¹ CR.62/1989-A/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document 3706) on 3-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot of land in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore measuring 39'-9" by 65'-6".

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Sagarmal Sethia,
Shri Fatehchand Kundalia,
C/o C. Sethia & Co., Forbes Street,
Fort, Bombay-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Bombay 20, the 2nd August 1974

Ref. No. AR/III/396/74-75.—Whereas, I, R. G. Nerurkar, the inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 184 S. No 161 (Part) situated at Pahadi, Goregaon (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office, Bombay on 12-12-1973, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/ Laxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreenivas House, Waudby Road, Fort,
Bombay-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the bearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of parcel of land or ground being Plot No. 184 situate lying and being in the Village Pahadi Goregaon (West) Taluka Borivali in the Registration Sub-District Bandra, District Bombay Suburban now in Greater Bombay bearing Serial No. 161 (part) and admeasuring 850 sq. yds. equivalent to 710.70 sq. metres and bounded as follows : that is to say on or towards the East by 30 feet wide Road, on or towards the West by Plot No. 187, on or towards the North by Plot 185 on or towards the South partly by Plot No. 183 and partly by Plot No. 188.

R. G. NERURKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 2nd August, 1974

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1988-B/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore (Document 3901) on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri R. Raghava Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferee).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore, measuring 46'-5"×45'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal .

FORM ITNS

(2) Shri R. Raghava Reddy, No 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1988-C/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3902) on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Syed Ismail, No 28, St John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore measuring 59'X50'

R KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

W | V -

Date : 9-7-1974.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II—2nd Floor
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 380009

Ahmedabad-380009, the 19th July 1974

Ref. No. 117 Acq 23-186/6-1/71-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No 9 and Garage No. 5 of Purohit Apartments situated at Sayaji-ganj Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Baroda on 10-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manubhai Dahyabhai Purohit, Advocate, Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferor)

- (2) Maharaj Kumari Vijaya Kumari Bhawani Pratap Singh and minor Rajkumar Sumer-singh represented by his father Bhawani Pratapsingh, 9, Purohit Apartment, Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 and Garage No. 5 of Purohit Apartments bearing Municipal Census No. Sa/2749/1 (old) and Sa/13-251 (New) a Sayaji-ganj Baroda as described in the Sale Deed bearing Registration No. 4664 of December 1973 of Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 19th July 1974

Seal .

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/905 1902/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. 13 of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Shri P. A. Narayanan.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Pestom Sagar in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-Plot No. 13 of Sector 'B' and containing by admeasurement 875 sq. yds. or thereabouts equivalent to 731.50 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-plot is bounded as follows that is to say: On or toward the North by 30 ft. Service Road of 'B' Sector of Shrinagar Co-op Hsg. Soc. Ltd.; and On or towards the South by proposed 90 ft. road and On or towards the East by Plot No. 14 of the said layout scheme; and On or towards the West by Plot No. 12 of the said layout Scheme.

V. R. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Bombay

Date : 5-8-1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri C H Ramkrishnan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
AAYAKAR BHAVAN M. KARVE MARG
BOMBAY-20

Bombay-20 the 5th August 1974

Ref No AR-II/947/1930/74-75.—Whereas, I, V R Gupte, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Sub Plot No 3 of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 26-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shrinagar Co-op Housing Society Ltd
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being Chembur Peshawar Sagar in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub Plot No 3 of Sector 'B' and containing by admeasurement 624 sq yds or thereabouts equivalent to 521.664 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,226.00 sq yds or thereabouts. The said Sub-Plot is bounded as follows that is to say. On or towards the North by 'A' Sector of the Vendors (Shrinagar Society), On or towards the South by 30 ft Service Road of 'B' Sector, On or towards the East by 30 ft Service Road of 'B' Sector and On or towards the West by Plot No 4 of 'B' Sector

V R GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Bombay

Date 5th August 1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/907/1904/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. 12 of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 6-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

(2) Smt. Indumati H. Purandare.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Pestom Sagar, in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-Plot No. 12 of Sector 'B' and containing by admeasurement 750 sq. yds. or thereabouts equivalent to 627.00 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-plot is bounded as follows that is to say: On or towards the North by 30 ft Service Road; On or towards the South by proposed 90 ft. Road; On or towards the East by Plot No. 13 of Sector B of the said layout scheme, and On or towards the West by Garden of Sector B of the said layout Scheme.

V. R. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5th August, 1974

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

FORM ITNS—

(2) Billeswar Darshan Co-op Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 6th August 1974

Ref. No. AR-II/911/1908/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 186 T.P.S. No. II, City S. No. 1613 situated at Vile Parle (E). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 12-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S Shri 1. Bhagwanji Ramji Patel, 2. Rajabhai Bhagwanji Patel, 3. Kanji Bhagwanji Patel, 4. Panchabhai Bhagwanji Patel.

(Transferors)

(3) Members.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALI, that piece or parcel of land of ground with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon, situate, lying and being and being at Dikshit Road, Vile Parle (East) in Greater Bombay Area in the Registration District Bombay Sub-District Bandra bearing Plot No. 186 of Town Planning Scheme No. II, Vile Parle containing by admeasurement 947.30 square metres equal to 1133 sq. yds. or thereabouts and bearing City Survey No. 1613 of Vile Parle Taluka Andheri and bearing Municipal 'K' Ward No. 374 (1 & 2) Street Nos. 13 and 13A of Dikshit Road and bounded as follows :—That is to say On or towards the East by the property belonging to Basantidevi Prahladrai Dalmiya; On or towards the West by the Municipal Nalla and beyond that by Final Plot No. 187 of T.P. Scheme No. II; On or towards the North by the Public Road known as Dikshit Road; and On or towards the South by the property bearing Final Plot No. 183 of T.P. Scheme No. II.

V. R. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 6th August, 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri G. Ramaiah Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1987-A/73-74/ACQ(B).—Whereas I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing plot of land in premises No. 79 situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3702) on 3-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore, measuring 40' by 65'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20**

Bombay-20, the 2nd August 1974

Ref. No. AR/III/394/74-75.—Whereas, I, R. G. Nerurkar the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 169, S. No. 161, situated at Pahadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office Bombay on 12-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Laxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreenivas House, Waudby Road, Fort,
Bombay-1.

(Transferor)

(2) Natwaiyal Somani,
Agrawal Niwas, Block No. 3,
Matunga, Talang Road, Bombay-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece and parcel of land or ground being plot No. 169 situate lying and being in the village Pahadi Goregaon (West) Taluka Borivali in the Registration sub-District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing Survey No. 161 (P.L.) and admeasuring 830 sq yds. equivalent to 693.96 sq. metres or thereabout and bounded as follows that is to say:

On or towards the East by 30 ft. wide Road,
On or towards the West by Plot No. 172,
On or towards the North by Plot No. 170,
On or towards the South by Plot No. 168.

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay.

Date : 2nd August, 1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/948/1951/74-75.—Whereas, I. V. R. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub Plot No. 4 of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shri Govind Manjunath Kamath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being Chembur, Pestom Sagar, in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-Plot No 4 of Sector 'B' and containing by admeasurement 616 sq. yds. or thereabouts equivalent to 514.976 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-plot is bounded as follows that is to say : On or toward, the North by : A Sector of the Vendors (Shrinagar Society); On or towards the South by : 30' Service Road of 'B' Sector of Shrinagar Society; On or towards the East by : Plot No. 3 of 'B' Sector and On or towards the West by Plot No. 5 of 'B' Sector.

V. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 5th August, 1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/949/1952/74-75.—Whereas, J. V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. 6 of Sector B situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shri C. H. Ramnath

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Peston Sagar, in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub Plot No. 6 of Sector B and containing by admeasurement 616 sq. yds. of thereabouts equivalent to 514.976 sq. mtrs. excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yards or thereabouts. The said sub-plot is bounded as follows that is to say: On or towards the North by 'A' Sector of the property of the Vendors the Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.; On or towards the South by 30 ft. Service Road of 'B' Sector of the said layout. On or towards the East by Plot No. 5 of 'B' Sector; and On or towards the West by Plot No. 7 of the said 'B' Sector.

V. R. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 27th July 1974

Ref. No. F. 2124/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. situated at Ritz Hotel, Coonoor (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Coonoor on 24-12-1973 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person, namely :—

- (1) The Ritz Private Ltd.
199, Churchgate Reclamation,
Bombay-20

(Transferor)

(2) The Highfield Tea & Rubber Industries
Private Ltd
Coonoor.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and to the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building, fittings, furniture, etc.) admeasuring 7.00 5/16 acres bearing R. S. No. 911/1 and 912 known as "Ritz Hotel", Coonoor.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date : 27-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Ramswamy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/906/1903/74-75.—Whereas, I, V. R Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub Plot No. 5 of Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground situate lying and being Chembur, Pesticom Sagar, in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-Plot No. 5 of Sector 'B' and containing by admeasurement 616 sq. yds. or thereabouts equivalent to 514.976 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-Plot is bounded as follows that is to say: On or towards the North by Sector A of the Vendors (Shrinagar Society) and On or towards the South by 30 ft. Service Road of 'B' Sector of Shrinagar Society and On or towards the East by Plot No. 4 of 'B' Sector and On or towards the West by Plot No. 6 of 'B' Sector.

V. R. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5th August, 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Sivasailam Store,
S/Sri 1. S. Mohanrao, 2. Krishnarao, 3. S. Natayana-
rao, 4. Smt. S. Papai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 24th July 1974

Ref. No. J No. I(1866)/73-74.—Whereas I, K. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 48-19-11 situated at Asilumetta Junction Visakhapatnam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Visakhapatnam on 31-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Esso Eastern INC.
17 Jamshedji Tata Road,
Bombay-400020.

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam Dist.—Town Survey No. 630—Block No. 25—Allipuram ward—Door No 48-19-11—Municipal Asst. No. 31230—Asilumetta—Adjacent to the main Road leading Waltair Station.

North : Sri Krishna Motor Engineering workshop
South : Station Road
East : 35 feet lane
West : Major Venkaiah's building.

K. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada

Date : 24-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 6th August 1974

Ref. No. 2123/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 19 situated at Gongalamman Koil Street, Erode-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Erode on 27-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Smt. Thayarammal W/o T. Shanmugam Pillai,
No. 29, Madhava Krishnan Street
Erode.

(Transferor)

(2) 1 Smt. Fiviri Devi and
2 Shri Shah Indermal,
No. 19 Gongalamman Koil Street,
Erode

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3-89 cents (with building) and bearing T.S. No 140 situated at Door No. 19, Gongalamman Koil Street Erode

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madras-6

Date : 6-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1987-B 73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3705) on 3-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri R. Guru Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant site in Premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore measuring 40'-6" by 59'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

(3) Sri Rajiv Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta

Person in occupation of the property

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE-II, P-13 CHOWRINGHEE
 SQUARE, CALCUTTA 1

Calcutta 1, the 3rd September 1974

Re: No AC-37/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R L Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value No 8A situated at Alipore Road, Calcutta exceeding Rs 25 000/- and bearing No 8A situated at Alipore Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Registrar of Assurances Calcutta on 28.12.1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) Sri Rajiv Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta
 (Transferor)
- (2) Sri Prannath Kayshap, Flat No 55, Ambassador Apartments 61/A, Park Street Calcutta
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided one half equal share on the second floor being Flat No 15 in the building known as "Jindal House" at premises No 8A, Alipore Road, Calcutta

R L BUTANI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range-II,
 P-13 Chowringhee Square, Calcutta-1

Date 3-9-1974

Seal

FORM ITNS

(2) Shri R. Gurn Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore-7.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1987-D/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3905) on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in Premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore measuring 59'×50'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri R. Guru Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1987-A/73-74/ACQ(B).—Whereas I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3704) on 3-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Vacant site in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore, measuring 41'×59'.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

R. KRISHNAMOORTIY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2**
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 27th July 1974

Ref. No. F.3103/73-74.—Whereas, I A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, Door No. situated at New Survey No. 94-2 (0-88 cents), Alangudi Village, Alangudi Taluk, Trichy District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alangudi on 29-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sarvashri I. Mohamed Yussoof Rowther; 2. Gulam Maithleen Rowther; 3. Syed Abbas Rowther; 4. Syed Ibrahim Rowther; and 5. Mohamed Ibrahim Rowther, Alangudi, Trichy District.

(Transferor)

(2) Shri P.K.S. Kader Sahib Rowther,
S/o Shri P. K. Syed Ibrahim Rowther
Alangudi (Trichy District)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building well and trees, etc.) admeasuring 88 Cents (eighty-eight cents) and bearing New Survey No. 94-2, Assessment No. 10 situated at Door No. 13, Alangudi (Trichy District).

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-2.
Madras-6

Date : 27-7-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri G. R. Warrier.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Bombay-20 the 5th August 1974

Ref. No. AR-II/190/1901/74-75.—Whereas I, V. R. Gupte, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub Plot No. 10 Sector 'B' situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bombay on 6-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrinagar Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Pestom Sagar in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Sub-Plot No. 10 of Sector 'B' and containing by admeasurement 694 sq. yds. or thereabouts equivalent to 580.184 square metres excluding the area to be used for the proposed roads and gardens which plot forms portion of larger piece of land admeasuring 16,266.00 sq. yds. or thereabouts. The said Sub-Plot is bounded as follows that is to say : On or toward, the North by Sub Plot No. 9 of the said layout scheme. On or towards the South by Sub Plot No. 11 of the said layout Scheme. On or towards the East by 30 ft. Service road of 'B' Sector and On or towards the West by Trust property.

V. R. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 5th August, 1974
Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Bhartiya Udyog, through Pratap Chand, partner, 77/6, Coolie Bazar Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 1st August 1974

Ref. No. 73/Acq./KNP/73-74/1346.—Whereas, I. Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77/6 situated at Coolie Bazar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 27-12-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Anand Prakash,
Smt. Suman Gupta,
Smt. Reshma Gupta, and
Shri Om Prakash,
All residents of 7-198 Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferees)

(1) Shri Bindu Charan Gupta,
77 5, Coolie Bazar, Kanpur;
Shri Chaman Lal Agarwal,
112/210, Swaroop Nagar, Kanpur;
Shri Rajendra Kumar Gupta,
76/359-A, Coolie Bazar, Kanpur;
M/s. Dharam Chand Dwarka Das,
77/6, Coolie Bazar, Kanpur.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing municipal No. 77/8, situated at Coolie Bazar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

Y. KHOKHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-8-74

Seal :

FORM ITNS—

(3) Shri T. G. Mathew,
79/4, Nandidurga Road,
Bangalore.

[Person(s) in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 11th July 1974

Ref. No. CR.62/1990/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79/4 situated at Nandidurga Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore on December, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri R. Guru Reddy,
157, Domlur, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Dr. Pramila Byahatti,
D/o Shri Chandappa Patel,
No. 20, Kasturba Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 79/4, situated on Nandidurga Road, Bangalore-6.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore-27

Date : 11-7-1974

Seal :

Form No. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1974

Ref. No. 169/Acq.R-III/74-75/Hooghly.—Whereas, J. L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza Dirghanga, P.S. Serampur, Dist. Hooghly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances Calcutta on 10-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kailash Chandra Sengupta,
2. Ganesh Ch. Sengupta.
3. Smt. Bela Sengupta w/o Kailash Ch. Sengupta.
All of 19, Jatindra Rd., Calcutta.

4. Sm. Kanaklata Sengupta w/o Sailesh Ch. Sengupta, Panbazar, Gauhati, Assam, and residing at 19 Jatindra Road, Calcutta.
All partners of a transfers under the name and style of Baidyabati Ice and Cold Storage.

(Transferor)

(2) Magra Cold Storage Pvt. Ltd. of 69, Ganesh Ch. Avn., Calcutta-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece and parcel of land measuring 5 bighas 4 cottahs 0 chittak 9 sq. ft. in Mouza Dirghanga, J.L. No. 4 Touji No. 144, P.S. Serampur, Dist. Hooghly and presently being Holding No. 77/51, G.T. Road, in Ward No. 3 under Baidyabati Municipality, P.S. Serampur, Dist. Hooghly together with building staff quarters, machineries, Ice-plant & office-furniture etc. registered by deed No. 7236 of 1963 with the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III.

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date : 2nd August 1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Road, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri R. Raghava Reddy, 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR 62/1988-A/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3903) on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to carry every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site measuring 59'-9"×45'-+35' in premises No. 79,

Nandidurga Road, Bangalore

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 9-7-1974.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 11th July 1974

Ref. No. CR.62/1922/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79/2 situated at Nandidurga Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on December, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Dasarath,
157, Domlur, Bangalore
(Transferor)
- (2) Shrimati Sangamma w/o Shri Shivasharanappa
Patil, Nehru Gunji, Gulbarga.
(Transferee)

(3) Shri R. C. Manchanda,
79/2, Nandidurga Road,
Bangalore.

[Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No 79/2, situated on Nandidurga Road, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore-27

Date : 11-7-1974

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE**

Basgalore, the 2nd July 1974

Ref. No. CR.62/2021/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19, Albert Street situated at Richmond Town, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on December, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Shantha Sheela B. Shetty, w/o Shri K. B. Shetty, No. 6, Ashley Park Mahatma Gandhi Road, Bangalore.
2. Smt. Sarojini N. Hegde, w/o Shri Mohandas N. Hegde, No. 37-8, Cunningham Cross Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Syed Abdul Rasheed Saheb,
No. 88, New Ramboor Bazar,
Bangalore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building site bearing No. 19, Albert Street, Richmond Town, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date : 2-7-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Laxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreenivas House Waudby Road, Fort,
Bombay-1.

(Transferor)

(2) Natwarlal Somani.
Agrawal Niwas, Block No. 3,
Maunga, Talang Road, Bombay-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece and parcel of land or ground being plot No. 169 situated lying and being in the village Pahadi Goregaon (West) Taluka Borivali in the Registration sub-District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing Survey No. 161 (Pt.) and admeasuring 830 sq. yds. equivalent of 693.96 sq. meters or hereabout and bounded as follows that is to say :

- On or towards the East by 30 ft. wide Road.
- On or towards the West by Plot No. 172.
- On or towards the North by Plot No. 170.
- On or towards the South by Plot No. 168.

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 2-8-1974

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.
AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd August 1974

Ref. No. AR/III/394/74-75.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 169, S. No. 161, situated at Pahadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer Sub-Registrar's Office, Bombay on 12-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

12—246GI/74

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 9th July 1974

Ref. No. CR.62/1987-C/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. 79, situated at Nandidurga Road, Bangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 3904) on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. Syed Ismail, No. 28, St. John's Church Road, Bangalore, (Transferor)
- (2) Shri R. Guru Reddy, No. 157, Domlur, Bangalore. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant building site in premises No. 79, Nandidurga Road, Bangalore, measuring 43' X 46'-6".

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Amritsar.

Date : 9-7-1974.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE**

Bangalore, the 11th July 1974

Ref No CR 62/1980/73-74/ACQ(B) —Whereas, I, Shri R Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 79/3, situated at Nandidurga Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on December, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Shri Raghava Reddy, 157, Domlur, Bangalore-7
(Transferor)

(2) Shrimati M. Najma Begum w/o Dr Jameel Ahmed, No 79/3, Nandidurga Road Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No 79/3, Nandidurga Road, Bangalore

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date 11-7-1974
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Hari Mohan Moondra,
C/o. Vijay Trading Corp.
21-A. Brahmanwada Road, Vishnu Bhavan,
King Circle, Bombay-19.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
AAYAKAR BHAVAN M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd August 1974

Ref. No. AR/III 395/74-75.—Whereas, I, Shri R. G. the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay,

Nerurkar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 154 S. No. 161 situated at Pahadi, Goregaon (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Sub-Registrar's Office Bombay on 12-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Laxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreenivas House Waudby Road, Fort.
Bombay-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 154 S. No. 161; M.G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (West) admeasuring 693.84 sq. mts. equivalent to 830 sq. yds.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 2nd August, 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref No. ASR/AP-1052/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No 7715 of December, 1973 situated at Dhaul Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Satinder Singh s/o Shri Natinder Singh Sarkaria, Village Dhaul Kalan, Teh. & Distt. Amritsar. (Transferor)

(2) S/Shri Major Singh, Jarnail Singh, Lakhbir Singh, Gurnam Singh, Ranjit Singh s/o Shri Jagir Singh V. Khairabad. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7715 of December, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Amritsar

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM II NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st September 1974

Ref No SR/INDORE/15-12-73.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing House No 17, Narayanbagh, 75'x50' built up area 1565 sq ft, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 11.12.1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Smt Kamlabai Tulapurkar Widow of Late Shri Bhalchandra Shastri Tulapurkar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Gopinath Rane, S/o Shri Ramchandra Rao Rane, R/o House No. 38, Sikh Mohalla, Indore, M P

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 17 plot No. 41 Narain Bagh Colony, Indore.

M F MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date 39 1974

Seal :

FORM ITNS—

2. Smt Sarojini M. Hegde,
w/o Shri Mohandas N. Hegde,
No. 37-8, Cunningham Cross Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Aneesur Rehman Saheb,
Taj Hotel, Old Poor House Road,
Bangalore-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
BANGALORE

Bangalore, the 2nd July 1974

Ref. No. CR.62/2020/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18, Albert Street situated at Richmond Town, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivajinagar, Bangalore in December, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Shantha Sheela B. Shetty,
W/o Shri K. B. Shetty,
No. 6, Ashley Park, Mahatma Gandhi Road,
Bangalore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building site bearing No. 18 Albert Street, Richmond Town, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 2-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1054/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 8205 of December, 1973 situated at Police Lane Road, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Pal Singh Sandhu,
s/o Shri Udhamp Singh Sandhu,
R/o Salala Teh.
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Purshotam Dev Dhir,
s/o Shri Ram Sahai Dhir,
Hoshiarpur Road,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8205 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(2) Smt. Gurnam Kaur w/o Shri Pritam Singh s/o Shri Mehanga Singh R/o Khaira Majha Teh. Jullundur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref. No ASR/PUL/1050/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8318 of December, 1973 situated at Moh. Gur Gopal Nagar, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Paranjeet Singh & Tejinder Singh Amritpal Singh SS/o Sh. Gurgopal Singh s/o Shri Warvam Singh of Garha Vehnda now R/o Vill. Dakoha Teh. Jullundur. (Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8318 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Thakundas S/o Shri Chimandas,
865 Hari Phatak Mhow

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
Bhopal

Bhopal the 5th September 1974

No SR/INDORG 31-12-73—Whereas I M F Munshi, being the competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot No 18/1, Mahatma Gandhi Marg, Indore—Area 4729 sq ft with incomplete two floors situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to be following persons, namely —

- (1) Shrimati Rani Ramakumari Sahiba
W/o Rana Subaina Shamsher Jang Bahadur
18 Mahatma Gandhi Marg Indore
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 18/1 Mahatma Gandhi Marg Indore, Area 4729 sq ft with incomplete two floors

M F MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 5 9 1974
Scal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(()) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1057/74-75.—Whereas, I, D.S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 8419, 8420, 8421, 8422 and 8423 dated December, 1973, situated at Dilkusha Market Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Singh Mann s/o Shri Basant Singh, 389 Lajpat Nagar, Jullundur.
Shri Naunihal Singh s/o Shri Gurpal Singh
Giani Shankar Singh s/o Shri Bal Singh,
Shri Swaran Singh Johal s/o Shri Labh Singh,
Shri Jagir Singh s/o Shri Partap Singh,
s/o Management Officer, Dilkusha Market,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o Shri Jawand Singh,
Smt. Banti w/o Shri Jawand Singh,
Shri Gurdev Singh s/o Shri Jawand Singh,
Shri Joginder Singh s/o Shri Jawand Singh,
Shri Jawand Singh s/o Shri Ajjan Singh,
Village Gadowali, P.O. Samipur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8419, 8420, 8421, 8422 and 8423 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(()) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Rcf. No. ASR/Phl/AP-1060/74-75 --Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No 3610 of December, 1973, situated at V. Ganna Pind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phillaur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurditta Mal s/o Shri Jawala Dass,
s/o Shri Devi Ditta R/o Phillaur.
(Transferor)

(2) Shri Rachpal Singh s/o Shri Pitam Singh,
s/o Shri Malla Singh,
V. Haripur,
through Shri Gurmit Singh s/o Rulia Singh,
V. Aiyala Dhak.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3610 of December, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1974

Ref. No. IAC/ACQJ/SR-III/Fcb-II/1675/74-75/2508.—
Whereas I, D. B. Lal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28 A situated at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 18-2-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Andhra Pradesh Electrical Equipment Corp.; Prop. M/s Electric Construction & Equipment Co. Ltd., 28 A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

(2) M/s. Shah Charitable Trust
(through its Trustees Sh. L. P. Shah,
Sh. S. S. Shah & Sh. H. P. Sharma)
55, Lansdown Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) M/s. Burmah Shell Oil Storage & Distributing Co.
28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

500 sq ft. built up area on the ground floor of Annex-II building at 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi along with 1/60th undivided share in land and ground comprised in the said property together with right title and interest in the bathrooms, lifts isolators, LT/HT Switchgear busbar chambers, water reservoirs and water tanks airconditioning units, water cooling towers, electric motors and pumps and other things and articles of commons use convenience and amenities.

D. B. LAL.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 6.9.1974

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1045/74-75 —Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 8054 of December, 1973 situated at Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Miss Nalni Dutta w/o Sh. Satya Dev Datta of Lado-wali Road, Jullundur and Smt Savtanter w/o Sh. S. P. Krishna of Lajpat Nagar, Jullundur. (Transferor)

- (2) M/s Hero Enterprises (P) Ltd. through Joint Manager, Vijay Sethi c/o S. P. Corporation, 11, Shastri Market, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8054 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Stel Tubes of India Pvt. Ltd., R/o 27/34,
Industrial Estate, Polo Ground, Indore, M.P.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd September 1974

Ref. No. SR/DEWAS/31-12-73—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Village—Kalukhedi, Teh. & District, Dewas, Survey No. 132/1 Area 4.66 acres, situated at Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 17-12-1973, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Narayan Singh S/o Raghunath Singh, Dewas (2)
Shri Manoharsingh S/o Shri Harisinghji, Dewas (3)
Shri Mohansingh S/o Shri Harisinghji, Dewas, all r/o Radhagarj, Dewas,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Village at Kalukhedi, Teh. & District, Dewas—Survey No 132/1 Area 4.66 acres—Revenue 13.56

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 3-9-1974

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar the 29th June 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1049/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8289 of December, 1973 situated at Shahid Udhampur Singh Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Amrit Chand s/o Shri Attar Singh c/o Shri Attar Singh Bodh Raj of Sabzi Mandi, Jullundur.
(Transferor)

- (2) S/Shri Sita Ram, Radhey Sham SS/o Shri Mehar Chand s/o Shri Nand Lal c/o M/s Sehdev Tool, F-72 Industrial Area, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land as mentioned in the Registered Deed No. 8289 of December 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 29th June 1974

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1053/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 8306 of December, 1973 situated at V. Nangal Khurd, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anand Sarup s/o Shri Amolak Ram, s/o Shri Ganga Ram R/o Vill. Nangal Khurd, (on Bhogpur-Bullowal Road).

(Transferor)

(2) M/s Amolak Rice and General Mills, H.O. Delhi, C-81, South Extension Part-II, New Delhi through Shri Kundan Lal s/o Shri Salamat Rai, H. No. E C. 1027, Moh. Gobind Gaon, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above,

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property,

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8306 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(()) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 29th August 1974

Ref. No. 183/Acq. R-III/74-75/How.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 98, situated at Girish Ghosh Road, Belur, P. S. Bally, Dist. Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar, Howrah on 22-12-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Brahmadutt Jhunjhunwalla of 12, Murali Dhar Sen Lane, Calcutta-7.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Ram Niwas Gupta of 105/21, Girish Ghosh Road, Belur, P.S. Lilooah, Dist. Howrah.
(Transferor)
- (4) Smt. Sushila Jaiswal, 19/1, Vidyasagar St., Calcutta-9.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 9 cotta 14 chattaks and 15 sq. ft. more or less together with boundary walls, sanitary privy chamber, C.I. office room on pucca walls, meter rooms and sheds and godowns and other structures and fixtures standing thereon at Municipal premises No. 98, Girish Ghosh Road, Belur, P. S. Bally, Dist. Howrah and registered by Deed No. 3885 of 1973 with the Sub-Registrar, Howrah

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III.
Calcutta.

Date : 29-8-74

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd September 1974

Ref. No. SR/GWALIOR/15-12-73.—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House three storied at Patanka Bazar No. 9/460, Gwalior, situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 11-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Suresh Chandra S/o Late Shri Ram Dhan Vaishya R/o Patankar Bazar, Lashkar, Gwalior, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Ramswaroop Singhal s/o Shri Kanhaiyalal
(2) Shri Madanlal Singhal S/o Shri Kanhaiyalal, R/o Chithi-k-i-Goath, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House three storied at Patanka Bazar No. 9/460, Gwalior.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,

Bhopal.

Date : 3-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING,
3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1974

Ref No IAC[ACQ 1]SR-III]Feb II|1673/74-75|2508 —
Whereas I D B Lal being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 28 A situated at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on 28-2-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) M/s Andhra Pradesh Electrical Equipment Corp., Prop M/s Electric Construction & Equipment Co Ltd, 28 A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi (Transferor)
- (2) Km Kalpana Jaju (minor) by her father and natural guardian Sh M R Jaju r/o 7, Sri Ram Road New Delhi (Transferee)
- (3) M/s Burmah Shell Oil Storage & Distributing Co 28 A Kasturba Gandhi Marg, New Delhi [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

250 sq ft built up area on the first floor of Annex II building at 28-A Kasturba Gandhi Marg, New Delhi along with 1/120th undivided share in land and ground comprised in the said property together with right title and interest in the bathrooms lifts isolators LT/HT Switchgear, busbar chambers, water reservoir, water tanks, airconditioning units, water cooling towers, electric motors pumps and other things and articles of common use convenience and amenities

D B LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 6 9 1974

Seal

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 16th July 1974

Ref. No. CR.62/1972/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 situated at Kumarakrupa Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore in December, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. K. S. Ashok, 2. Aravind Ashok Seshadri minor by Guardian Dr. K. S. Ashok, No. 6, Kumaracot, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore-1. (Transferor)
- (2) Shrimati Parimala Desai, Chairman of Dr. P. R. Desai, Health and Family Planning Services and Investments (P) Ltd., No. 44, Kumarakrupa Road, Bangalore. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 9 in Kumaracot lay out, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore, measuring 40'x70'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore-27.

Date : 16th July 1974

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(()) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1056/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed Nos. 8122, 8123, 8124, 8125 and 8126 of December, 1973, situated at Dilkusha Market Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Singh Mann s/o Shri Basan Singh, 389 Lajpat Nagar, Jullundur.
Shri Shankar Singh s/o Shri Bal Singh,
Shri Swaran Singh Johal s/o Shri Labh Singh,
Shri Naunihal Singh slo Shri Gurpal Singh,
Shri Jagir Singh s/o Shri Partap Singh,
c/o Management Officer, Dilkusha Market, Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Mauninder Singh, Kuldip Singh,
ss/o Shri Resham Singh,
R/o V. Littran, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereon shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed Nos. 8122, 8123, 8124, 8125 and 8126 of December, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Parimala Desai, Chairman of Dr. P. R. Desai, Health and Family Planning Service and Investment, (P) Ltd, No. 44, Kumarakrupa Road, Bangalore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 16th July 1974

Ref. No. CR.62/1974/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17A situated at Kumarakrupa Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore in December 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri K. S. Bhanu 2. Murali Bhanu minor by Guardian Shri K. S. Bhanu, No. 6, Sri Krishna, 1st Cross, Jayamahal Extension, Bangalore-6. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 17A, Kumaracot layout, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore. measuring

2

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 16-7-1974.

Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA,
SQUARE, CALCUTTA-1**

Calcutta, the 30th August 1974

Ref. No. AC-33/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 85 situated at S. N. Roy Road South Suburban Municipality, Behala, Dt. 24-Parganas, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Registrar of Assurances, Calcutta, on 14-12-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Begraj Sharma M. G. Road, Japaiguri West Bengal.

(Transferor)

(2) M/s. Shree Govind Property & Investment (P) Ltd. 2, Brabourne Road, Calcutta-1.

(Transferee)

(3) Tenants (1) Sri P. K. Chakrabarty (Ground floor)
(2) Sri Nirmal Seal (1st floor).

Person in occupation of the property.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 85, S. N. Roy Road, South Suburban Municipality Behala, Dt. 24-Parganas, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta.

Date . 30-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) The Principal Officer,
Sardesai Brothers Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd July 1974

Ref. No. 116 Acq. 23-154/7-3/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 426 (Part) situated at Village; Devsar Tah. Gandevi Dist. Bulsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandevi on 3-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Satyavrata Narayan Sardesai (Karta of H.U.F.), Kamalabai Satyavrata Sardesai, Sumangal Satyavrata Sardesai, Suniti Satyavrata Sardesai.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereto shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 426 (Part) situated at village: Devsar Tal. Gandevi Dist. Bulsar admeasuring Acre —0— Guntha 26 i.e., about 28406 Sq. ft. as mentioned in the registered deed No. 450 of December 1973 of the Registering Officer, Gandevi.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING,
3RD FLOOR, NEW DELHI

4/14-A (3RD FLOOR) SAHIB SINGH BUILDING
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1974

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Feb-II/1670/74-75/2508.—
Whereas I, D. B. Lal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28-A situated at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereunto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28.2.1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) M/s. Andhra Pradesh Electrical Equipment Corp.; Prop. M/s. Electric Construction & Equipment Co. Ltd. 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Promila Bhuwalka
W/o Sh. C. K. Bhuwalka
R/o ECE Factory Premises, Delhi Road,
Sonepat, Haryana.
(Transferee)

(3) M/s. Burmah Shell Oil Storage & Distributing Co.
28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

500 sq ft. built up area on the ground floor of Annex-II building at 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi along-with 1/60th undivided share in land and ground comprised in the said property together with right title and interest in the bathrooms, lifts isolators, LT/HT Switchgear, busbar chambers, water reservoirs and water tanks airconditioning units, water cooling, towers, electric motors and pumps and other things and articles of commons use convenience and amenities.

D. B. LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi.

Date : 6.9.1974

Seal :

*Strike off where not applicable. ,

FORM ITNS—

(2) Sri Prannath Kayship, Flat No. 55, Ambassador Apartments, 61/A, Park Street, Calcutta.
(Transferee)

(3) Sri Rajiv Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta.
Person in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one-half equal share on the second floor being Flat No. 15 in the building known as "Jindal House" at premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 3-9-1974.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1**

Calcutta-1, the 3rd September 1974

Ref. No. AC-36/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing exceeding Rs. 25,000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 28-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Rajiv Jindal 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferor)

FORM ITNS—

(2) Smt. Harbans Kaur w/o Shri Pritam Singh,
s/o Shri Malla Singh,
V. Haripur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. & COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/Phil/AP-1058/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3606 of December, 1973, situated at V. Gunna Pind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillaur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harminder Lal, Jai Ram Dass,
s/o Shri Sant Ram and
Gurditta Mal s/o Jawala Dass,
R/o Phillaur.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.—

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land a, mentioned in the Registered Deed No. 3606 of December 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1974

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR-III/Feb-II/1672/71-75/2508.—
Whereas, I D. B. Lal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28-A situated at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28.2.1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Andhra Pradesh Electrical Equipment Corp; Prop. M/s. Electric Construction & Equipment Co. Ltd., 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, (Transferor)
- (2) Km. Abha Jaju (Minor) by her father and natural guardian Sh. R. N. Jaju, R/o 7, Sri Ram Road, New Delhi. (Transferee)
- (3) M/s. Burmah Shell Oil Storage & Distributing Co., 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

250 sq. ft. built up area on the first floor of Annex-II building at 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi along with 1/120th undivided share in land and ground comprised in the said property together with right title and interest in the bathrooms, lifts isolators, LT/III Switchgear busbar chambers water reservoirs and water tanks, airconditioning units, water cooling towers, electric motors, pumps and other things, and articles of commons use convenience and amenities.

D. B. LAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 6.9.1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/AP-1055/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 2996 of December, 1973 situated at Daya Nund Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in December 1973. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ved Parkash s/o Shri Kuljas Mal and Smt. Raj Rani w/o Shri Ved Parkash, Guru Bazar, Kucha Uppan, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Jagdish Lal Narang, S/o Shri Amin Chand Narang, Kt. Khazana, Gali Kattian, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 2996 of December, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Baboolal Jain (Vinod) S/o Shri Daulatram Jain, R/o Chouk Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Bagmal Paviya S/o Shri Shripal Jain, R/o Chouk, Bhopal.

(Transferee)

(4) Shri Kherdiar Jain s/o Shri Hukem Chand Jain, R/o Chowk, Bhopal.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th September 1974

Ref. No. IAC|ACQ|Bpl|74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 84, Double storeyed Jumerati, Bhopal, situated at Bhopal.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 10-12-1973,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) ~~facilitating the reduction or evasion of the inability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or~~
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 84 Double Storeyed, Jumerati, Bhopal.

M. F. MUNSHI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Bhopal.

Date : 5-9-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1974

Ref. No. ASR/Phil/AP-1059/74-75.—Whereas, I. D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3609 of December, 1973 situated at V. Ganna Pind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phillaur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jai Ram Dass s/o Shri Sant Ram,
R/o Phillaur.
(Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh s/o Shri Pritam Singh,
R/o V. Haripur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3609 of December, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING,
3RD FLOOR, NEW DELHI
4/14-A (3RD FLOOR) SAHIB SINGH BUILDING
ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1974

Ref No IAC/ACQ.I/SR-III/Feb-II/1671/74-75/2508.—
Whereas, I. D. B. Lal,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28-A situated at Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

on 28-2-1974,

at the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

~~(a)~~ facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

25—246GI/74

(1) M/s. Andhra Pradesh Electrical Equipment crops; Prop. M/s. Electric Construction & Equipment Co. Ltd. 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Rehul Vajpayi (minor) through his father and natural guardian Sh. Umesh Narain Vajpai, R/o E.C.E. Factory Premises, Delhi, Road Sonepat (Haryana).
(Transferee)

(3) M/s. Burmah Shell Oil Storage & Distributing Co. 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

500 sq. ft. built up area on the first floor of Annex-II building at 28-A, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi along-with 1/60th undivided share in land and ground comprised in the said property together with right title and interest in the bathrooms, lifts isolated LT/HT Switchgear, busbar chambers water reservoirs and water tanks airconditioning units, water cooling, towers, electric motors and pumps and other things and articles of commons use convenience and amenities.

D. B. LAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 6.9.1974

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 20th July 1974

Ref. No. 25-M/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31 situated at Makandoo Ganj, Pratapgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pratapgarh on 3-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Pt. Surendra Behari and others.

(Transferor)

(2) Shri Mangal Prasad and others.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning and given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house three storied bearing No. 31 is situated at Makandoo Ganj, Pratapgarh.

K. N. MISRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Lucknow

Date : 20th July 1974

Seal .

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

ADVT NO 38

APPLICATIONS ARE INVITED FOR THE FOLLOWING POSTS :

1. **SSO-I, Aero Dev Estt, B'Lore, Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Mech Engg. 4 yrs exp in Aircraft struct design.

2. **One SSO-I, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Aero/Mech Engg. 4 yrs exp in inspection of Aircraft Aero-Engine during mnfctr/overhaul/maintenance.

3. **One SSO-I, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 700—50—1250—(Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Elect Engg. 4 yrs exp on generating sets, elect power equipment or Airfield Lighting Equipment.

4. **Two SSOs-I, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Elecon/Telecom/Elect Engg with specialisation in Elecon, OR II Cl Master's Deg in Phy with specialisation in Radio/Wireless/Telecom, 4 yrs exp in inspection/testing/operation & maintenance of radar installations/communication & navigational equipment.

5. **One SSO-I, Def Elecon Res Lab, Hyderabad, Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Telecom Engg. OR II Cl Master's Deg in Phy with Elecon as one of the subjects. 4 yrs exp in design & dev work in digital circuitry related to communication or Radar Systems & thorough knowledge of integrated circuits applications.

6. **Two SSOs-I, D'te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. Eq. II Cl Deg in Mech Engg. 4 yrs exp in the fabrication/testing/inspection of mech components & assemblies for elecon equipment, antenna Towers or similar struct work in respon capacity.

7. **Six SSOs-II, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised). Age.—Pref below 30 yrs. EQ.—*For all posts (Cat I & II)*, II Cl Deg in Elecon/Telecom/Elect Engg with specialisation in Elecon. OR II Cl Master's Deg in Phy with specialisation in Radio/Wireless/Telecom. *For Cat I (3 posts)*: 2 yrs exp in inspection/testing/operation & maintenance of radar installations/communication & navigational equipment. *For Cat II (3 posts)*: 2 yrs exp in inspection/testing/operation & maintenance of line communication systems such as multichannel carrier, VF telegraph, digital data communication systems.

8. **One Lecturer in Civ Engg, Govt Polytechnic, Govt of Goa, Daman & Diu.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950 (Pre-revised scale). Age.—40 yrs. EQ.—II Cl Deg in Civ Engg. 2 yrs pref/teaching exp.

9. **One Ass't Dir (Techno), All India Handicrafts Board, Com Min.** (*Post temp likely to continue*). Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age.—35 yrs. EQ.—Deg in Metallurg. 3 yrs exp in non-ferrous industries.

10. **Three SSOs-II, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised). Age.—Pref below 30 yrs. EQ.—II Cl Deg in Mech Engg. 2 yrs exp in fabrication/testing/inspection of antenna towers or similar struct works.

11. **One SSO-II, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised). Age.—Pref below 30 yrs. EQ.—II Cl Deg in Elecon Engg. OR II Cl Master's Deg in Phy with Elecon as special subject. 2 yrs exp in dev/prod/inspection of Armaments.

12. **One SSO-II, D'Te of Tech Dev & Prod (AIR), Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 (To be revised). Age.—Pref below 30 yrs. EQ.—II Cl Deg in Chem Engg. 2 yrs exp in dev/prod/inspection of Armaments.

13. **Two JSOs, Aero Dev Estt, B'Lore, Def Min..** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). Age.—Pref below 30 yrs. EQ.—II Cl Deg in Elecon & Comm/Elect Engg with specialisation in Elecon.

14. **One Fire-cum-Safety Officer, Port of New Tuticorin, Shipping & Transport Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Age.—35 yrs. EQ.—Matrie of recog Univ. Graduateship or Associate Membership of the Inst of Fire Engrs OR Advanced Dip of National Fire Service College, Nagpur & 5 yrs pract exp in respon capacity in Fire Service.

15. **One Asstt Lecturer in Civ Engg, Govt Polytechnic, Panaji.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 375—25—500—30—590—EB—30—650 (Pre-revised scale). Age.—35 yrs. EQ.—Deg in Civ Engg. OR National Cert/Dip in Civ Engg & 5 yrs prof or teaching exp.

16. **One SSO-I, Naval Chem & Metallurg Lab, Def Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Pre-revised). Age.—Pref below 40 yrs. EQ.—II Cl M.Sc. in Physical Chem/Phy. 4 yrs exp in Res & Dev work in the field of corrosion.

17. **One Chemist (SR), Geolog Surv of India, Steel & Mines Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 700—50—1250 (Pre-revised). Age.—40 yrs. EQ.—M.Sc. in Chem or Applied Chem. 7 yrs exp in analytical work relating to rocks, minerals, ores, clays, coal, gas & petro products & of assaying of precious metals & determination of trace & name elements. Exp in modern instrumentation methods of analysis.

18. **One STA, Govt of Goa, Daman & Diu.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—830—35—900 (Pre-revised scale). Age.—30 yrs. EQ.—Master's Deg in Geol or Dip in Applied Geol from the Indian School of Mines, Dhanbad, 2 yrs exp in Geol inv in Mines or in Govt Depts dealing with Mineral inv/Regulation & Dev of Mines & Minerals.

19. **One SMO (Paediatrics), Genl Hospital, Chandigarh.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 850—50—1000/50—1250. Age.—45 yrs. EQ.—(i) A recognised medical qualification. (ii) Post-grad qualis in Paediatrics e.g. M.D. or M.R.C.P., F.R.C.P. (Canada). (iii) 5 yrs exp in the speciality after obtaining post-grad deg.

20. **One Pathologist, D'Te of Health Services, Panaji, Goa.** (*Post temp likely to continue & eventually made pmt*). Pay.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). Age.—30 yrs. EQ.—(i) Same as (i) in item 19 above OR Deg of Goa Medical School (Medico-Cirurgioa) & completion of Conapul rotating internship.

21. **(One Lecturer in Maths, Govt Polytechnic, Govt of Goa, Daman & Diu.** (*Post temp likely to continue indef*). Pay.—Rs. 400—450—30—600—35—670—35—950 (Pre-revised scale). Age.—40 yrs. EQ.—II Cl Master's Deg in Maths. 2 yrs teaching exp in recog College or post S.S.C. instns.

22. **One Cameraman, Films Div, I & B Min.** (*Post temp likely to continue indef*). Post resvd for SC, falling resvd for ST & failing both unreserved). Pay.—Rs. 475—25—500—30—680. Age.—45 yrs. EQ.—Matrie with 5 yrs exp in Motion Picture Photography. OR Deg/Dip in Cinema (Motion Picture Photography) with exp of Motion Picture Photography.

* Closing date for receipt of applications in Commission's Office: 21st Oct. 74 (4th Nov 74 for candidates abroad, Andaman Nicobar & Lakshadweep).

* The above gives abridged information of posts etc. For details and application forms, write Secretary, UPSC, New Delhi-110011, with unstamped, self-addressed envelope (23 x 10 cm) giving name of post, item & Advt No.

* Age on 1-1-74 (age concessions for displaced persons, SC, ST & Govt servants unless stated otherwise).

* Qualifications relaxable at Commission's discretion.

* Higher initial pay may be given according to qualifications.

* Application Fee in Indian Postal Order for Rs. 8 (for SC and ST); candidates abroad pay fee to IL Embassy.

ABBREVIATIONS

SC—Scheduled Castes

ST—Scheduled Tribes

EQ—Essential Qualifications

RLSVD—Reserved

A. C. BANDYOPADHYAY
Secretary,
Union Public Service Commission

